{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 01 नवम्बर 2025
कार्तिक शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 39
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	~	83,938.71
निफ्टी	~	25,722.10
सोना	~	1,23,280
चांदी	~	1,51,000
डॉलर	~	88.75

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

राज्य स्थापना दिवस विशेष

आज भी बालाघाट का हृदय छत्तीसगढ़ के लिए धड़कता है!

अमीर धरती को उसका वाजि़ब हक़ नहीं मिला!!

डॉ.विपिन बिहारी शांडिल्य
स्थानीय संपादक

जानें : 1 नवंबर 2000 में छत्तीसगढ़ में जाने से कैसे छूटा बालाघाट

अगर उस वक्त सब कुछ ठीक ठाक हुआ होता तो आज बालाघाट छत्तीसगढ़ राज्य का एक महत्वपूर्ण जिला होता. उद्योगधानी होता. इसकी महत्वपूर्ण राजनीतिक उपस्थिति होती. लेकिन उस वक्त की सियासत को,सरकार को यह कतई मंजूर नहीं था कि बालाघाट जिला मध्यप्रदेश से अलग हो.इस तरह आने वाले एक लम्बे अंतराल के लिए यह जिला इस विडंबना को बर्दास्त करने के लिए अभिशप्त हो चुका है! विकास का द्वार खुलते खुलते रह गया. सियासत ने अपना असली खेल कर दिया.इस तरह से प्रकारान्तर से देखा जाए तो पहले जो स्थान एकीकृत मध्यप्रदेश में बस्तर का हुआ करता था (दूरी, पिछड़ेपन और विकास की तड़प)वह बदले हालात में अब बालाघाट का हो गया है. यानि अब बालाघाट मध्यप्रदेश का 'बस्तर' है।

किंवदन्तियां और ऐतिहासिक श्रोतों के अध्ययन से पता चलता है कि बालाघाट जिले का समुचा क्षेत्र किसी समय में छत्तीसगढ़ में राजवंशौं द्वारा शासित थे।

1 नवंबर 1956 को नए राज्य गठन के समय भाषायी और सांस्कृतिक तथ्यों के आधार पर जहां बालाघाट मध्यप्रदेश के हिस्से आया वहीं इसका पुराना मुख्यालय भंडारा महाराष्ट्र राज्य में चला गया. उस वक्त भी राज्यों की सीमाएँ नदियों, पहाड़ों आदि को विभाजक रेखा मानकर किया जाता था. बालाघाट जिले में इस लिहाज़ से तीन अलग अलग संस्कृति के दर्शन होते हैं. यहाँ पर पडोसी महाराष्ट्र राज्य होने से कुछ भू भाग पर मराठी बोली का असर है.जैसे वारासिवनी, खैर लांजी, कटंगी.कुछ हिस्सा पूर्वी क्षेत्र छत्तीसगढ़ से जुडा होने से वहाँ पर छत्तीसगढ़ी बोली प्रचलन में है. जैसे लाँजी, बिरसा, बैहर.शेष हिस्से की बोली हिन्दी है।

राज्य गठन से पूर्व की हलचलें

पृथक छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के पूर्व बालाघाट जिले के सर्वसमाज द्वारा भी समय समय पर उल्लेखनीय पहल किया गया था। यह तथ्य बहुत कम लोगों को पता है कि जिसमे एक पहल तो 'छत्तीसगढ़ संघर्ष समिति' की स्थापना करके वरिष्ठ पत्रकार और संपादक उमेश बाघरेचा ने अपने विभिन्न साथियों के साथ लम्बी प्रक्रियात्मक कार्यवाहियाँ कीं. जिनमे जिले भर की ग्राम पंचायतों के सरपंचों, जनपद सदस्यों, जिला पंचायत सदस्यों, जिला सहकारी सोसायटियों के सदस्यों तथा अन्य सामाजिक और स्वयंसेवी संगठनों के लिखित सहमति पत्रों के साथ तत्कालीन सांसद गौरीशंकर बिसेन के साथ नई दिल्ली जाकर तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से भी भेंट कर अपनी मांगों को सामने रखा. इधर भोपाल में भी तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से मिलकर बालाघाट जिले को छत्तीसगढ़ में सम्मिलित करने की स्वीकृति की मांग की थी।

छत्तीसगढ़ से बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आया

इधर, मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा वर्ष 1998 में सदन के भीतर से छत्तीसगढ़ राज्य बनाने की विधिवत सहमति दिए जाने के बाद वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और मध्यप्रदेश के एक पूर्व मुख्यमंत्री श्यामाचरण शुक्ल के नेतृत्व में रायपुर से वरिष्ठ नेताओं का एक प्रतिनिधि मण्डल बस यात्रा के माध्यम से बालाघाट पहुंचा था जिसमे विद्याचरण शुक्ल, चरणदास महंत, सत्यनारायण शर्मा आदि बड़े नेता आये थे ताकि बालाघाट के विधायकों और सांसदों के साथ बैठकर बालाघाट जिले को छत्तीसगढ़ राज्य में सम्मिलित करने की आगे की प्रक्रिया पर विचार हो. अम्बेडकर चौक स्थित तुरकर भवन में यह महत्वपूर्ण प्रतिनिधि मण्डल के साथ विचार विमर्श हुआ. किन्तु उनके जाने के बाद बालाघाट जिले को पृथक छत्तीसगढ़ राज्य में शामिल करने की पहल परवान नहीं चढ़ सकी.

यह भी उल्लेखनीय है कि उक्त प्रतिनिधि मण्डल बालाघाट के अलावा शहडोल, और मंडला जिले को भी छत्तीसगढ़ राज्य में सम्मिलित कराये जाने का पक्षधर था. किन्तु उक्त तीनो जिले के नेता भी कोई रूचि नहीं दिखा पाए और पृथक राज्य की सीमाएं खिंच दी गयी।

बालाघाट जिला तब अगर छत्तीसगढ़ राज्य का हिस्सा हो जाता, उसके नक्शे में आ जाता तो आज के बालाघाट की तस्वीर अलहदा होती. यह वह बालाघाट तो कतई नहीं है जो सभी तरह की बेशकीमती सम्पदाओं की रत्नगर्भा है. यहाँ पर ताम्बा, मैग्निज, बक्साइट. जैसे खनिजों का भंडार है वहीं जंगल भी कम समृद्ध नहीं है.यहाँ की बेशक कीमती बांस की एक अलग ही कहानी है. धान का कटोरा कहे जाने वाला छत्तीसगढ़ बिना बालाघाट जिले के बिना धान का कटोरा नहीं हो सकता।

इस तरह इसका वाजिब हक अब तक इसे नहीं हासिल है. यह विडंबना ही है कि जो छत्तीसगढ़ के जिले 1998 में तहसील और ब्लॉक मुख्यालय हुआ करते थे आज वे छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण जिले बनकर अपना सर्वांगिण विकास कर रहे है. जबकि प्राकृतिक सम्पदा और संसाधनों का उतना भंडार वहाँ नहीं है।

शेष पृष्ठ 02 पर...

खास खबर

धर्मेंद्र अस्पताल में भर्ती, फैन्स ने जताई चिंता, हालत स्थिर

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र (89 वर्ष) को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उनके एडमिट होने की खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैन्स चिंतित हो उठे और उनकी सेहत को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं। हालांकि, परिवार और धर्मेंद्र की टीम ने इन खबरों पर विराम लगाते हुए बताया कि एक्टर पूरी तरह से स्वस्थ हैं और उन्हें सिर्फ रूटीन हेल्थ चेकअप के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। टीम ने कहा, 卐धर्मेंद्र जी उम्र के हिसाब से नियमित जांच करवाते रहते हैं। इस बार भी वे सिर्फ चेकअप के लिए अस्पताल गए हैं। किसी ने उन्हें वहां देख लिया और अफवाह फैल गई। घबराने जैसी कोई बात नहीं है, वे बिल्कुल ठीक हैं।卐 करीबी सूत्रों के अनुसार, धर्मेंद्र की तबीयत को लेकर कोई गंभीर समस्या नहीं है। उन्हें कुछ दिनों में डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ हफ्तों में भी वे अस्पताल में इसी तरह की रूटीन जांच के लिए गए थे।

सीबीएसई ने जारी की 10वीं, 12वीं परीक्षाओं की डेटशीट, 17 फरवरी से होंगी शुरु

अजमेर। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन (सीबीएसई) ने 10वीं, 12वीं की परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी है। दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू होंगी। 10वीं का पहला पेपर मैथ?स का होगा, जबकि 12वीं का पहला पेपर बायोटेक?नोलॉजी और शॉर्ट हैंड का होगा। इस साल करीब 42 लाख विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। कक्षा 10वीं की दूसरी बोर्ड परीक्षा 15 मई से 1 जून तक हो सकती है। बोर्ड ने इस साल से 10वीं की परीक्षाएं साल में 2 बार कराने का फैसला किया है। दूसरी परीक्षा यानी ऑप्शनल परीक्षा में छात्रों को साइंस, मैथमेटिक्स, सोशल साइंस और लैंग्वेजेस में से किन्हीं तीन विषयों में अपनी परफॉर्मेंस सुधारने की इजाजत दी जाएगी।

माई भारत बना देश का सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली। माई भारत अपनी शुरुआत के दो वर्ष से भी कम समय में 2 करोड़ से अधिक युवाओं और 1.20 लाख से अधिक साझेदार संगठनों को जोड़कर देश का सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म बन गया है। देश के युवाओं को सशक्त बनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए केंद्र सरकार की पहल। यह एक केंद्रीय डिजिटल गेटवे के रूप में काम करता है, जो पंजीकरण, डिजिटल आईडी, अवसर मिलान और रीयल-टाइम प्रभाव डैशबोर्ड की सुविधा प्रदान करता है।

कुछ ना कहना

जब तक देश नक्सलवाद-माओवाद के आतंक से पूरी तरह मुक्त न हो, तब तक यह सरकार शांत नहीं बैठेगी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरक उपस्थिति में शुक्रवार को एकता नगर में लौह पुरुष तथा अखंड भारत के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का शानदार समारोह आयोजित हुआ। सरदार साहब की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सान्निध्य में देशभक्ति के जोश-उत्साह के साथ अर्धसैनिक बलों की विभिन्न टुकड़ियों द्वारा दमदार परेड आयोजित की गई। प्रधानमंत्री ने भारत माता की भक्ति को देश के प्रत्येक नागरिक की सबसे बड़ी पूजा बताते हुए कहा कि देश की एकता व अखंडता के लिए चार स्तंभों पर आधारित सरकार द्वारा जन-जन को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में पाद-पूजन कर

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह का प्रारंभ कराया।

'राष्ट्र प्रथम' की भावना को मजबूत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि एकता राष्ट्र एवं समाज के अस्तित्व की मूल आधार है। जब तक समाज में एकता है, तब तक राष्ट्र की अखंडता सुरक्षित है। विकसित भारत के लक्ष्य की ओर पहुँचने के लिए एकता तोड़ने वाले हर षड्यंत्र को एकता की शक्ति से विफल बनाना होगा। भारत की एकता के चार मजबूत आधार स्तंभ हैं, जिसमें पहला स्तंभ है सांस्कृतिक एकता, जो हजारों वर्षों से राजनीतिक परिस्थितियों से अलग भारत को एक चेतना राष्ट्र बनाती है। उन्होंने कहा कि भारत की एकता का दूसरा स्तंभ भाषा की एकता है, जहाँ सैकड़ों भाषाएँ तथा बोलियाँ देश के स्वाभिमान, रचनात्मक विचारधारा और विविधता की जीवंत प्रतीक हैं। किसी समाज, सत्ता या संप्रदाय ने कभी भी भाषा को हथियार बनाकर एक पर थोपने का प्रयास नहीं किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता का तीसरा स्तंभ भेदभावमुक्त विकास है। गरीबी तथा भेदभाव सामाजिक ताने-बाने की सबसे बड़ी कमजोरी हैं। सरदार पटेल गरीबी के विरुद्ध दीर्घकालीन योजना पर काम करना चाहते थे और कहते थे कि अगर आजादी 10 वर्ष पहले मिली होती, तो 1947 तक भारत खाद्य समस्या के संकट से मुक्त हो गया होता।

आवारा कुत्तों से जुड़े केस में मुख्य सचिवों की लापरवाही से नाराज जज....आने दीजिए उन्हें अदालत में

मुख्य सचिवों को 3 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों से जुड़े केस में सुनवाई कर सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को कोर्ट में पेश होने का आदेश दे दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट देने की याचिका खारिज की है।

जस्टिस नाथ ने कहा, जब मुख्य सचिवों से हलफनामा दाखिल करने को कहा हैं, तब इस पर चुप्पी साधे रहते हैं। हमारे आदेश का कोई सम्मान नहीं है। तब फिर ठीक है, उन्हें आने दीजिए।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट

ने मुख्य सचिवों को 3 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। इसके पहले 27 अक्टूबर को कोर्ट ने बंगाल और तेलंगाना को छोड़ सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से जवाब मांगा था। सुप्रीम कोर्ट आवारा कुत्तों के काटने से होने वाले रेबीज के बारे में रिपोर्ट पर एक्शन लेकर 28 जुलाई से मामले की सुनवाई कर रहा है।

22 अगस्त को हुई पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों से जुड़े केस का दायरा दिल्ली-एनसीआर से बढ़ाकर पूरे देश में करके सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इसमें पार्टी बनाने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था,

जिन कुत्तों को पकड़ा जाता है, उनकी नसबंदी और टीकाकरण कर जहां से उठाया है, वहीं वापस छोड़ दिया जाए। हालांकि, रेबीज से संक्रमित और आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों को शेल्टर होम में ही रखा जाए।

नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क अगले आदेश तक बंद, बस के कीचड़ में फंस जाने के बाद जागा वन विभाग

जयपुर। जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क (एनबीपी) में लगातार हो रही बारिश के बाद हालात बिगड़ने लगे हैं। बारिश की वजह से सफारी ट्रैक पर फिसलन और जलभराव के कारण पर्यटकों की सुरक्षा को देखकर वन विभाग ने टाइगर और लॉयन सफारी को अगले आदेश तक बंद रखने का फैसला किया है।

दरअसल वन विभाग ने यह फैसला टाइगर सफारी के दौरान पर्यटकों से भरी बस के कीचड़ में फंस जाने के बाद लिया है। यहां एक टाइगर बस के पास आकर बैठ गया था। वन विभाग के उपवन संरक्षक विजयपाल सिंह ने बताया कि जयपुर में फिलहाल बारिश का दौर जारी है। इसकारण सफारी ट्रैक की स्थिति काफी फिसलन भरी हो गई है। इसके बाद प्रशासन ने पर्यटकों की सुरक्षा को सर्वोपरि मनाकर 30 अक्टूबर से टाइगर और लॉयन सफारी को अगले आदेश तक बंद करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि सफारी ट्रैक पर जगह-जगह पानी भर गया है, कई हिस्सों में मिट्टी धंस गई है। इस वजह से सफारी वाहनों का संचालन जोखिम भरा हो गया है। ट्रैक की मरम्मत और समतलीकरण का काम जल्द शुरू होगा। इसके बाद फिर से स्थिति सामान्य होने के बाद ही सफारी को दुबारा से खोला जाएगा।

आधार अपडेट पर मद्रास हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

आधार अपडेट कराना नागरिकों का मूलभूत और वैधानिक अधिकार

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने आधार कार्ड को लेकर एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि आधार डाटा में संशोधन या अपडेट कराना नागरिकों का मूलभूत और वैधानिक अधिकार है। अदालत ने यूआईडीएआई को निर्देश दिया कि लोगों को आधार से संबंधित किसी भी अपडेट या सुधार के लिए स्थानीय स्तर पर आसानी से सुविधा मिलनी चाहिए ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

हाईकोर्ट जस्टिस जी. आर. स्वामीनाथन की एकल पीठ ने यह फैसला 74 वर्षीय विधवा पी. पुष्पम की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुनाया। अदालत ने कहा, कि आधार कार्ड के माध्यम से

नागरिकों को कई सरकारी लाभ और योजनाओं का लाभ मिलता है। ऐसे में आधार बनवाना या उसमें किसी भी प्रकार का अपडेट कराना नागरिक का मौलिक अधिकार है और सरकार का दायित्व है कि यह सुविधा सहजता से उपलब्ध हो।

पीठ ने आगे कहा कि जब सरकारी लाभ प्राप्त करना एक मौलिक अधिकार है और उसका आधार कार्ड से सीधा संबंध है, तो नागरिकों को डाटा अपडेट कराने के लिए कठिनाइयों से नहीं गुजरना चाहिए। अदालत ने यूआईडीएआई को यह सुनिश्चित करने की नसीहत दी कि आधार से जुड़ी सेवाएं स्थानीय स्तर पर सुलभ हों और वृद्ध या अशक्त लोगों को विशेष सुविधा प्रदान की जाए।

मामला तमिलनाडु के परमकुड़ी की रहने वाली पी. पुष्पम से जुड़ा है, जिनकी फैमिली पेंशन आधार कार्ड में नाम और जन्मतिथि की त्रुटि के कारण अटकी हुई थी। उनके पति भारतीय सेना में 21 साल तक सेवारत रहे थे और 2025 में उनका निधन हो गया। पेंशन के लिए आवेदन करने पर डिफेंस अकाउंट्स डिपार्टमेंट ने आधार डाटा की गलती का हवाला देते हुए आवेदन प्रक्रिया रोक दी।

एनआईए से इनपुट, राजस्थान एटीएस का एक्शन...4 जिलों से 5 संदिग्ध आतंकवादियों को पकड़ा

जोधपुर। राजस्थान में नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) के इनपुट पर एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) की टीमों ने शुक्रवार सुबह कई जिलों में छापेमारी की है। इस कार्रवाई में 4 जिलों से 5 संदिग्ध आतंकवादियों को पकड़ा गया है। पकड़े गए 5 आंतकियों में से तीन आरोपी मौलवी बताए जा रहे हैं। इसमें से दो मौलवी सगे भाई हैं। इन्हें अलग-अलग मदरसों से पकड़ा गया है। सूत्रों के अनुसार आरोपियों के इंटरनेशनल टेरर संगठन के फंडिंग नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका है। एटीएस आईजी विकास कुमार ने बताया कि एटीएस की टीमों ने अलग-अलग जगहों से पांच लोगों को राउंडअप किया है। इसमें से एक व्यक्ति को जयपुर से पकड़ा गया है। राउंडअप किए गए संदिग्धों से पूछताछ के बाद जल्द खुलासा होगा। एटीएस ने जोधपुर के चौखा स्थित अरेबिया मदरसा के एक मौलवी अयूब को कस्टडी में लिया है। वहीं, जोधपुर के पीपाड़ में एक मदरसे से मौलवी मसूद को पकड़ा है। सांचौर (जालोर) के मदरसे से मौलवी उस्मान को भी टीमों ने गिरफ्त में लिया है। उस्मान और मसूद सगे भाई हैं। इनके पास से कई डॉक्यूमेंट भी जब्त किए गए हैं, लेकिन आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं करौली के ढोलीखार मोहल्ले से भी जुनैद को दबोचा। टीम युवक को अपने साथ ले गई। एटीएस टीम की कार्रवाई में स्थानीय पुलिस का सहयोग लेने की भी सूचना है, लेकिन स्थानीय पुलिस अधिकारी कोई भी जानकारी नहीं दे रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कि आरएसएस पर बैंन लगाने की मांग, सरदार पटेल की यहीं इच्छा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर कांग्रेस की आलोचना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बैन लगा देना चाहिए।

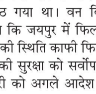

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ये मेरा विचार है और मैं खुलकर बोलूंगा कि आरएसएस पर बैन लगाना चाहिए। अगर पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सरदार पटेल के विचारों का सम्मान करते हैं, तब ऐसा करें। देश में भाजपा-संघ के कारण कानून-व्यवस्था में परेशानी हो रही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने 18 जुलाई 1948 को तत्कालीन गृह मंत्री पटेल के एक खत का भी हवाला दिया, जिसमें उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कहा था कि संघ ने ऐसा माहौल बनाया जिससे महात्मा गांधी की हत्या हुई। दरअसल, एक पत्रकार ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे से पूछा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि सरदार पटेल ने उस विचारधारा पर बैन लगाया, जिससे भाजपा निकली। अब फिर से एक लौह पुरुष की जरूरत है, जो उस विचारधारा पर प्रतिबंध लगाए। क्या आरएसएस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए? इस सवाल पर खड़गे ने जवाब दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि उन्होंने (भाजपा) देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पटेल के बीच दरार पैदा करने की कोशिश की, जबकि उनके बीच अच्छे संबंध थे। दोनों एक-दूसरे की तारीफ करते थे। नेहरू ने भारत की एकता को आकार देने के लिए पटेल की सराहना की और पटेल ने नेहरू को देश के लिए आदर्श बताया था।

दिल्ली-एनसीआर में जहरीली हवा और वायरल इंफेक्शन का अटैक, 75 प्रतिशत घरों में करीब एक व्यक्ति बीमार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा से परेशान लोगों पर वायरस का हमला कहर बनकर टूट रहा है। ताजा सर्वे के मुताबिक राजधानी के 75 प्रतिशत घरों में कम से कम एक व्यक्ति बीमार है। इसकी वजह जहरीली हवा और वायरल इंफेक्शन का कॉम्बो अटैक है।

सर्वे में दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद से 15,000 से ज्यादा लोगों की राय ली गई। सितंबर के आखिर में 56 प्रतिशत घरों में बीमार लोग थे लेकिन अक्टूबर के अंत तक ये आंकड़ा 75 प्रतिशत तक पहुंच गया।

डॉक्टरों के मुताबिक वर्तमान में दिल्ली में एच3एन2 इन्फ्लुएंजा और दूसरे वायरल इंफेक्शन के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। बुखार, खांसी, गले में दर्द, सिरदर्द और थकान आम लक्षण हैं। सर्वे में सामने आया हैं कि बच्चे, बुजुर्ग और पहले से बीमार लोग वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

त्यौहारों के बाद दिल्ली की हवा फिर से जहरीली हो गई है। एक्यूसआई (एयर गुणवत्ता इनडेक्स) 400 से 500 के बीच झूल रहा है। पराली जलना, पटाखों का धुआं और लोकल प्रदूषण ये तीनों मिलकर हवा को और खराब कर रहे हैं।

सर्वे में शामिल लोगों में से ज्यादातर ने बताया कि उनके घरों में सांस लेने में तकलीफ, खांसी, गले में जलन, आंखों में पानी और सिरदर्द जैसे लक्षण हैं। डॉक्टरों का कहना है कि ये सभी एयर पॉल्यूशन एक्सपोजर के क्लासिक संकेत हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि दिल्ली के लोग इस वक्त दोहरी मार झेल रहे हैं यानी एक तरफ वायरस, दूसरी तरफ जहरीली हवा। इन दोनों के मिल जाने से रिकवरी धीमी हुई है।

सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि 17 प्रतिशत घरों में 4 या उससे ज्यादा लोग बीमार हैं। 25 प्रतिशत घरों में 2 से 3 लोग बीमार हैं। वहीं 33 प्रतिशत घरों में 1 व्यक्ति बीमार है। सिर्फ 25 प्रतिशत घर पूरी तरह स्वस्थ हैं।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर सरकार ने तुरंत सख्त कदम नहीं उठाए, तब दिल्ली-एनसीआर में बीमारियों का बोझ और बढ़ सकता है। वाहन प्रदूषण, कंस्ट्रक्शन के काम से उड़ रही धूल और पराली जलाने जैसी वजहों पर कंट्रोल जरूरी है। लोगों को भी मास्क पहनने, एयर प्यूरीफायर इस्तेमाल करने और भीड़ से बचने की सलाह दी गई है।

पृष्ठ 01 का शेष

राज्य गठन से पूर्व की हलचलें

पृथक छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के पूर्व बालाघाट जिले के सर्वसमाज द्वारा भी समय समय पर उल्लेखनीय पहल किया गया था.यह तथ्य बहुत कम लोगों को पता है कि जिसमे एक पहल तो 卐 छत्तीसगढ़ संघर्ष समिति 卐 की स्थापना करके वरिष्ठ पत्रकार और संपादक उमेश बाघरेचा ने अपने विभिन्न साथियों के साथ लम्बी प्रक्रियात्मक कार्यवाहियाँ कीं. जिनमे जिले भर की ग्राम पंचायतों के सरपंचों, जनपद सदस्यों, जिला पंचायत सदस्यों, जिला सहकारी सोसायटियों के सदस्यों तथा अन्य सामाजिक और स्वयंसेवी संगठनों के लिखित सहमति पत्रों के साथ तत्कालीन सांसद गौरीशंकर बिसेन के साथ नई दिल्ली जाकर तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से भी भेंट कर अपनी मांगों को सामने रखा. इधर भोपाल में भी तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से मिलकर बालाघाट जिले को छत्तीसगढ़ में सम्मिलित करने की स्वीकृति की मांग की थी।

छत्तीसगढ़ से बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आया

इधर, मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा वर्ष 1998 में सदन के भीतर से छत्तीसगढ़ राज्य बनाने की विधिवत सहमति दिए जाने के बाद वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और मध्यप्रदेश के एक पूर्व मुख्यमंत्री श्यामाचरण शुक्ल के नेतृत्व में रायपुर से वरिष्ठ नेताओं का एक प्रतिनिधि मण्डल बस यात्रा के माध्यम से बालाघाट पहुंचा था जिसमे विद्याचरण शुक्ल, चरणदास महंत, सत्यनारायण शर्मा आदि बड़े नेता आये थे ताकि बालाघाट के विधायकों और सांसदों के साथ बैठकर बालाघाट जिले को छत्तीसगढ़ राज्य में सम्मिलित करने की आगे की प्रक्रिया पर विचार हो. अम्बेडकर चौक स्थित तुरकर भवन में यह महत्वपूर्ण प्रतिनिधि मण्डल के साथ विचार विमर्श हुआ. किन्तु उनके जाने के बाद बालाघाट जिले को पृथक छत्तीसगढ़ राज्य में शामिल करने की पहल परवान नहीं चढ़ सकी।

यह भी उल्लेखनीय है कि उक्त प्रतिनिधि मण्डल बालाघाट के अलावा शहडोल, और मंडला जिले को भी छत्तीसगढ़ राज्य में सम्मिलित कराये जाने का पक्षधर था. किन्तु उक्त तीनो जिले के नेता भी कोई रूचि नहीं दिखा पाए और पृथक राज्य की सीमाएं खिंच दी गयी.

बालाघाट जिला तब अगर छत्तीसगढ़ राज्य का हिस्सा हो जाता, उसके नक़्शे में आ जाता तो आज के बालाघाट की तस्वीर अलहदा होती. यह वह बालाघाट तो कतई नहीं है जो सभी तरह की बेशकीमती सम्पदाओं की रत्नगर्भा है. यहाँ पर ताम्बा, मैग्निज, बक्साइट. जैसे खनिजों का भंडार है वहीं जंगल भी कम समृद्ध नहीं है.यहाँ की बेशक कीमती बांस की एक अलग ही कहानी है. धान का कटोरा कहे जाने वाला छत्तीसगढ़ बिना बालाघाट जिले के बिना धान का कटोरा नहीं हो सकता.

इस तरह इसका वाजिब हक अब तक इसे नहीं हासिल है. यह विडंबना ही है कि जो छत्तीसगढ़ के जिले 1998 में तहसील और ब्लॉक मुख्यालय हुआ करते थे आज वे छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण जिले बनकर अपना सर्वागिण विकास कर रहे है. जबकि प्राकृतिक सम्पदा और संसाधनों का उतना भंडार वहाँ नहीं है।

बालाघाट की धरती तो रत्नगर्भा है. इसे बेशकवाज़िब हक़ मिलना चाहिए।

ऐतिहासिक तथ्य

इतिहास में भी यह तथ्य है कि कलचुरी काल में उनके अधिकतर जमींदार, जागीरदार, मालगुजार गोंड जाति के लोग थे जो यहाँ पर लांजी, सालेटेकरी, हट्टा में उनके शासन के अंग थे।

पुरातन ग्रंथों में भी इस जिले का उल्लेख दक्षिण कोसल राज्य में मिलता है. दक्षिण कोसल वर्तमान छत्तीसगढ़ का ही पुराना नाम है।

वाल्मीकि रामायण में भी छत्तीसगढ़ के बीहड़ वनों तथा महानदी का स्पष्ट विवरण है।जिसमे इस जिले के वन प्रांतर का विवरण मिलता है. सिहावा पर्वत के आश्रम में निवास करने वाले श्रृंगी ऋषि ने ही अयोध्या में राजा दशरथ के यहाँ पुर्त्येष्टि यज्ञ करवाया था जिससे कि तीनों भाइयों सहित भगवान श्री राम का पृथ्वी पर अवतार हुआ। राम के काल में यहाँ के वनों में ऋषि-मुनि-तपस्वी आश्रम बना कर निवास करते थे और अपने वनवास की अवधि में राम यहाँ आये थे।जो रामटेक और रामपायली वाले मार्ग से छत्तीसगढ़ प्रस्थित हुए थे।

छत्तीसगढ़ से बालाघाट क्षेत्र का जुड़ाव

इतिहास में इसके प्राचीनतम उल्लेख सन 639 ई0 में प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्मवेनसांग के यात्रा विवरण में मिलते हैं। उनकी यात्रा विवरण में लिखा है कि दक्षिण-कौसल की राजधानी सिरपुर थी। बौद्ध धर्म की महायान शाखा के संस्थापक बोधिसत्व नागार्जुन का आश्रम सिरपुर (श्रीपुर) में ही था। इस समय छत्तीसगढ़ पर सातवाहन वंश की एक शाखा का शासन था। महाकवि कालिदास का जन्म भी छत्तीसगढ़ में हुआ माना जाता है। प्राचीन काल में दक्षिण-कौसल के नाम से प्रसिद्ध इस प्रदेश में मौर्यों, सातवाहनों, वकाटकों, गुप्तों, राजर्षितुल्य कुल, शरभपुरीय वंशों, सोमवंशियों, नल वंशियों, कलचुरियों का शासन था। छत्तीसगढ़ में क्षेत्रीय राजवंशो का शासन भी कई जगहों पर मौजूद था। क्षेत्रिय राजवंशों में प्रमुख थे: बस्तर के नल और नाग वंश, कांकेर के सोमवंशी और कवर्धा के फणि-नाग वंशी। बिलासपुर जिले के पास स्थित कवर्धा रियासत में चौरा नाम का एक मंदिर है जिसे लोग मंडवा-महल भी कहा जाता है। इस मंदिर में सन् 1349 ई. का एक शिलालेख है जिसमें नाग वंश के राजाओं की वंशावली दी गयी है। नाग वंश के राजा रामचन्द्र ने यह लेख खुदवाया था। इस वंश के प्रथम राजा अहिराज कहे जाते हैं। भोरमदेव के क्षेत्र पर इस नागवंश का राजत्व 14 वीं सदी तक कायम रहा। गोंडवाना उदय 1200 ईस्वी में हुआ। और तब कल्चुरी राजाओं ने गोंड राजाओं की प्रधानता स्वीकार कर ली।

1200 ईस्वी में कलचुरी राजाओं के पतन के बाद छत्तीसगढ़ गोंडवाना साम्राज्य का भग था। 1200 ईस्वी से लेकर 1600 ईस्वी तक यहां राज्य करते रहे।

इतिहास में इसके प्राचीनतम उल्लेख सन 639 ई0 में प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्मवेनसांग के यात्रा विवरण में मिलते हैं। उनकी यात्रा विवरण में लिखा है कि दक्षिण-कौसल की राजधानी सिरपुर थी। बौद्ध धर्म की महायान शाखा के संस्थापक बोधिसत्व नागार्जुन का आश्रम सिरपुर (श्रीपुर) में ही था। इस समय छत्तीसगढ़ पर सातवाहन वंश की एक शाखा का शासन था। महाकवि कालिदास का जन्म भी छत्तीसगढ़ में हुआ माना जाता है। प्राचीन काल में दक्षिण-कौसल के नाम से प्रसिद्ध इस प्रदेश में मौर्यों, सातवाहनों, वकाटकों, गुप्तों, राजर्षितुल्य कुल, शरभपुरीय वंशों, सोमवंशियों, नल वंशियों, कलचुरियों का शासन था। छत्तीसगढ़ में क्षेत्रीय राजवंशो का शासन भी कई जगहों पर मौजूद था। क्षेत्रिय राजवंशों में प्रमुख थे: बस्तर के नल और नाग वंश, कांकेर के सोमवंशी और कवर्धा के फणि-नाग वंशी। बिलासपुर जिले के पास स्थित कवर्धा रियासत में चौरा नाम का एक मंदिर है जिसे लोग मंडवा-महल भी कहा जाता है। इस मंदिर में सन् 1349 ई. का एक शिलालेख है जिसमें नाग वंश के राजाओं की वंशावली दी गयी है। नाग वंश के राजा रामचन्द्र ने यह लेख खुदवाया था। इस वंश के प्रथम राजा अहिराज कहे जाते हैं। भोरमदेव के क्षेत्र पर इस नागवंश का राजत्व 14 वीं सदी तक कायम रहा। गोंडवाना उदय 1200 ईस्वी में हुआ। और तब कल्चुरी राजाओं ने गोंड राजाओं की प्रधानता स्वीकार कर ली।

1200 ईस्वी से लेकर 1600 ईस्वी तक यहां गोंड राजाओं का राज रहा। उसके बाद 1650-1818 छत्तीसगढ़ मराठा सामंती राज्य के अंतर्गत आता था। फिर मराठों ने ईस्ट इंडिया कंपनी से संधि कर ली। इस तरह यह भाग ब्रिटिश राज्य के अंदर आ गया।

बस्तर सबसे बड़ी रियासत थी और शक्ति सबसे छोटी रियासत थी. लांजीगढ़ के अलावा यहाँ की सालेटेकरी जमींदारी और हट्टा जमींदारी भी छत्तीसगढ़ के राजाओं के अधिन थे।

तब के अखबारों में दर्ज है कि मध्यप्रदेश का विभाजन के साथ ही वर्तमान राज्यों की सीमा में कांग्रेस के दो मुख्यमंत्री हो जायेंगे। क्योंकि अभी हुई विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 'छत्तीसगढ़ क्षेत्र' और मध्यप्रदेश दोनो ही क्षेत्रों में पूर्ण रूप से बहुमत मिला है। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन से भले ही मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के राज्य की सीमा सिकुड़ेगी, लेकिन उनका सिरदर्द बहुत कम हो जायेगा। उन्हें सिर्फ अर्जुन सिंह, माधवराव सिंधिया और कमलनाथ का सामना करना पड़ेगा।

इस तरह अब तक प्रकृति की बेशुमार नेमतों को अपने में समाये बालाघाट रूपी अहिल्या को कोई राम नहीं मिला जिसका स्पर्श इसे बेहतरी दे सकता था. वर्ष 1998 में एक अवसर आया था जिसे तब के नीति नियंताओं ने खो दिया बरसों बरस के लिए. यह स्वार्थ की राजनीति का हिस्सा हो सकता है या फिर राज्य की विवशता का सबब कि इस आंतरिक समृद्धि से भरपूर जिले को कोई क्यूँ किसी अन्य राज्य का हिस्सा होते देखना चाहता. उस दिन बालाघाट एक बार फिर छला गया था. इतिहास के पन्ने तो कम से कम यही कहते हैं!!

आंवला वृक्ष की परिक्रमा कर सौभाग्यवती महिलाओं ने मांगा आर्शिवाद

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया आंवला नवमी पर्व

पदमेश न्यूज,बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलो में आंवला नवमी का पर्व हषोल्लास और पूर्ण विधि विधान के साथ मनाया गया।जहां सौभाग्यवती महिलाओ ने परिवार की सुख, समृद्धि, निरोगी जीवन, धन्य लाभ की मंगल कामनाओं के साथ-साथ पति व सन्तानो की दीघार्यु के लिए आंवला वृक्ष की पूजा अर्चना की।जिसका एक नजारा शुक्रवार को नगर के शंकर घाट, बजरंग घाट, श्री राम हनुमान मंदिर सहित अन्य स्थानों पर देखने को मिला ।जहां आंवला वृक्ष के नीचे महिलाओं द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर आंवला नवमी का पर्व मनाया गया ।इस दौरान कई महिलाएं अपने परिवार के साथ पिकनिक मनाते नजर आई, तो वहीं कई महिला समूह ने सामूहिक तौर पर पूजा अर्चना कर, भजन कीर्तन, महा आरती सहित अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया। जहां पूजा अर्चना का यह दौर शुक्रवार सुबह से देर शाम तक देखा गया वहीं विभिन्न स्थानों देर शाम तक लोगों की भारी भीड़ नजर आई।

सुबह से लेकर देर शाम तक चलता रहा पूजा-अर्चना का दौर

आंवला वृक्ष को भेंट की गई विभिन्न सामग्री

कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाए जाने वाले इस आंवला नवमी पर्व पर शुक्रवार को सूर्योदय से पूर्व स्नान करके सौभाग्यवती महिलाओ द्वारा आंवले के पेड़ की जड़ में दूध, रोली, अक्षत, फूल, गंध चढ़ाया गया। फिर आंवले के पेड़ की कम से कम 07 बार,11 बार और अधिक से अधिक 108 बार परिक्रमा कर दीपक जलाएं। इसके बाद महिलाओ ने आंवला वृक्ष के नीचे कथा का वचन कर आंवले के पेड़ का पूजन किया।वही आंवला वृक्ष को सोलह सिंगार की सामग्री अर्पित कर विभिन्न प्रकार के पकवानों का भोग लगाकर आंवला वृक्ष के समीप मां गौरी की आरती की, वही उसी वृक्ष के नीचे बैठकर सह परिवार भोजन ग्रहण किया।इस दौरान कई सौभाग्यवती महिलाएं अपने पति और पुत्र की दीर्घायु सहित परिवार के लिए आरोग्यता और सुख सौभाग्य की मंगल कामनाए करती हुई नजर आई।

आंवला के पेड़ पर होता है देवताओं का वास

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आंवले के पेड़ में देवताओं का वास होता है जिसमें भगवान विष्णु और भगवान शिव आंवले के वृक्ष में वास करते हैं इसके चलते आंवला नवमी पर आंवले के वृक्ष की पूजा की जाती है।यह प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का पर्व है। इस दिन आंवले के पेड़ का पूजन कर परिवार के लिए आरोग्यता और सुख-सौभाग्य की कामना की जाती है।मान्यता के अनुसार, इस दिन किया गया तप, जप, दान इत्यादि व्यक्ति को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्त करता है। आंवले के पेड़ की पूजा करने का एक कारण यह भी है कि आंवला स्वास्थ्य के लिए बहुत गुणकारी होता है।विभिन्न रूपों में इसका सेवन बीमारियों को दूर करता है।

आंवला वृक्ष की परिक्रमा कर मांगी आर्शिवाद

आंवला नवमी पर्व के दौरान शंकर घाट में आंवला वृक्ष की पूजा कर रही महिलाओ ने सामुहिक तौर पर बताया कि यह पर्व पति और संतान की दीर्घायु के लिए मनाया जाता है।जिसमें परिवार की सुख समृद्धि के लिए मंगल कामनाएं की जाती हैं इस पर्व के लिए सुबह स्नान, ध्यान कर भगवान की पूजा अर्चना की गई है यहा भगवान विष्णु की विशेष पूजा की गई है।तरह-तरह के पकवान मीठी बर्फी गुलाब जामुन सब्जी पुड़ी आदि का भोग चढ़ाया गया है ।वही श्रृंगार का सामान जैसे टिकली बिंदी सिंदूर कुकु चूड़ी चावल हल्दी सहित अन्य सामग्रियां अर्पित की गई है।वहीं आंवला वृक्ष की 108 बार परिक्रमा कर मन्नतें मांगी गई है।

परिवार की सुख समृद्धि के लिए की गई आंवला वृक्ष की पूजा-मनीषा शुक्ला

आंवला नवमी पर शंकर घाट में आंवला वृक्ष की पूजा अर्चना कर रही श्रीमती मनीषा शुक्ला ने बताया कि आंवला नवमी की पूजा सुख समृद्धि और पति पुत्र की दीर्घायु के लिए की जाती है जहां आंवला वृक्ष पर सोलह श्रृंगार की वस्तुएं चढ़ाई जाती है तरह-तरह के पकवानों का भोग लगाकर वृक्ष की कम से कम 7 और11 बार परिक्रमा की जाती है वही लक्ष्मी नारायण भगवान की पूजा होती है उन्होंने बताया कि आंवला वृक्ष के नीचे सह परिवार सहित भोजन करने का भी विशेष प्रावधान है स भ ी सौभाग्यवती महिलाएं मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाती हैं।

पत्नी को बेरहमी पूर्वक मारपीट कर किया घायल

पदमेश न्यूज,बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम करौंदाबहेरा में शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना के चलते एक महिला को उसके पति ने हाथबुक्के से बेरहमीपूर्वक मारपीट कर घायल कर दिया। और घर आने पर जान से मार डालने की धमकी देती बिरसा पुलिस ने टेलन बाई पति टेकराम बिसेन 50 वर्ष वार्ड नंबर 9 करौंदाबहेरा निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति टेकराम डिजाइन 50 वर्ष के विरुद्ध शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताडि़त कर मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टेकराम बिसेन खेती किसानी करते हैं। जिसकी दो पत्नियों हैं। बड़ी पत्नी सुशीला बिसेन है। उसके बाद टेकराम बिसेन ने टेलन बाई से शादी की है। टेकराम बिसेन अपनी बड़ी पत्नी सुशीला बिसेन और उसके दो बच्चों के साथ में रहते हैं। टेलन बाई का बड़ा लड़का महेश बिसेन भोपाल में रहकर पढ़ाई कर रहा है और छोटी बेटी गीता राहंगडाले की शादी हो गई है जो अपने ससुराल में रहती है। टेलन बाई अलग कमरे में रहती है। बताया गया है कि टेकराम वबिसेन अपनी दूसरी छोटी पत्नी टेलन बाई को अपने पिता के घर से क्या लाई है कहकर आए दिन शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर मारपीट करते रहता है। 31 अक्टूबर को सुबह टेलन बाई अपने खेत में लगाई हुई भिंडी तोड़ने गई थी 12:30 टेलन बाई भिंडी तोड़कर खेत से अपने घर वापस आ रही थी तभी गांव मोहल्ले के लोग अपने खेत के पास रोड किनारे खड़े होकर पानी गिरने के सम्बंध में बात कर रहे थे।टेलन बाई भी उनके साथ बातचीत करने लगी थी। तभी टेलन बाई का पति टेकराम बिसेन साइकिल में खेत तरफ से आया और वह अपनी पत्नी टेलन बाई को बोलने लगा की बंधी के पानी को क्यों बांधी है। खेत में क्यों आती है, कहकर वह अश्लील गालियां देने लगा। टेलन बाई ने उसे गाली देने से मना की तभी टेकराम बिसेन उसे घर में दोबारा मत आना बोलकर बाल पकड़ हाथ बुक्के से बेरहमीपूर्वक मारपीट करने लगा, धक्का देकर जमीन में गिरा दिया और अपनी खड़ी साइकिल को टेलन बाई की ऊपर धकेल दिया तभी वहीं खड़े गांव के लोगों ने बीच बचाव किये मारपीट करने से टेलन बाई के सीर कमर एवं पैर में और अंदरूनी चोट आने से वह घायल हो गई थी। इसके बाद टेलन बाई को उसके पति ने दोबारा घर आने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। टेलन बाई ने डायल 112 को फोन करके बुलाई। इसके बाद टेलन बाई पुलिस वाले और अपनी बेटी गीता राहंगडाले के साथ बिरसा थाना का रिपोर्ट करने आई। बिरसा पुलिस ने टेलन बाई बिसेन द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति टेकराम बिसेन 50 वर्ष के विरुद्ध धारा 85 296 215(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

लोहापुल के पास भीषण सड़क हादसा दो की हालत बेहद गंभीर एक को आई मामूली चोट

पद्मेश न्यूज,कटंगी। कटंगी बोनकट्टा मुख्य सड़क मार्ग पर अर्जुननाला के नजदीक रेलवे ओवर ब्रिज यानी लोहापुल के पास भीषण सड़क हादसा हुआ है। हादसे में कुल 3 लोग घायल हुए है। जिसमें दो की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। घटना गुरूवार की रात्रि करीब साढ़े 09 बजे की है। मिली जानकारी अनुसार वार्ड क्रमांक 02 निवासी शरद पुष्पतोडे रात्रि में भोजन करने के बाद अपने घर से पैदल ही टहलने के लिए अर्जुननाला की तरफ गए हुए थे। जिन्हें बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार वार्ड क्रमांक 4 निवासी सुभाष पिता रमेश हट्टीटेल और पी.पी. पिता राधेश्याम हट्टीटेल सवार थे. बाइक कौन चला रहा था। इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। हादसे में शरद पुष्पतोड़े और सुभाष हट्टीटेल को गंभीर चोट आई है जबकि पीपी को मामूली चोटें आई है। घटना के बाद तीनों के नजदीक के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया. जहां प्राथमिक उपचार देने के बाद शरद और सुभाष को रेफर कर दिया गया। शरद को परिजन बेहतर उपचार के लिए नागपुर लेकर गए है। हादसा कैसे और किन कारणों की वजह से हुआ इसकी अभी कोई पुष्टि नहीं हो पाई है। पुलिस जांच के बाद ही हादसे के कारण का पता चलेगा।

ढाबा संचालक से 6 लोगों ने मिलकर की मारपीट

एक पुलिस कर्मचारी भी शामिल

पद्मेश न्यूज,कटंगी। मॉयल नगरी तिरोडी में मुख्य सड़क मार्ग पर मामा का ढाबा नाम से ढाबे का संचालन करने वाले वार्ड क्रमांक 14 निवासी नीतेश कुमार पिता सूरजलाल पंद्रे के साथ ग्राम धनकोसा के छह लोगों ने मिलकर मारपीट की है। मारपीट करने वालों में एक पुलिस कर्मचारी भी शामिल है। घटना गत दिवस 26 अक्टूबर की रात्रि करीब साढ़े 9 बजे की है। पीड़ित ने पूरी घटना की जानकारी देते बताया कि पुलिस दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं कर रही है। पीड़ित नितेश ने बताया कि गत दिवस 26 अक्टूबर की शाम उसके ढाबे में धनकोसा निवासी राजा भगत, लिलेंद्र पटले, घार्मेंद्र ठाकरे, दिलीप चौधरी, मिथलेश पटले और मिथलेश पटले का नागपुर का दोस्त आए थे। जिनके बीच आपस में ही विवाद हो गया और वह ढाबे की टेबल कुर्सी और बर्तन फेंकने लगे जब उन्हें ऐसा करने से रोका गया तो सभी ने मिलकर उनके साथ ही मारपीट की और फिर सिर पर बियर की बोतल तोड़ दी। घटना की शिकायत पीड़ित ने थाने पहुंचकर दर्ज करवाई लेकिन पुलिस ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। जबकि पुलिस के अनुसार आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 296, 115(2), 351(3), 324(4), 3(5) और अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध),3(2)(वीए) की कार्रवाई की है।

चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितिका राणा को कारण बताओं नोटिस जारी

जिला चिकित्सालय में प्रसव के लिए आयी महिला का सिजेरियन ऑपरेशन नही करने का मामला

पद्मेश न्यूज, बालाघाट। जिला चिकित्सालय बालाघाट में प्रसव के लिए आयी महिला का सिजेरियन ऑपरेशन नही करने के मामले में कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितिका राणा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनके विरूद्ध इस कृत्य के लिए अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रस्ताव उच्च अधिकारियों की ओर भेजा जाए। डॉ. रितिका राणा को 24 घंटे के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टिकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

गर्भवती महिला श्रीमति शीतल पति संजू ग्वाले दिनांक 30 अक्टूबर को दोपहर 01:40 बजे प्रसव के लिए जिला चिकित्सालय बालाघाट में भर्ती हुई थी। डॉ. रितिका राणा द्वारा महिला एवं उसके परिजनों से कहा गया कि सिजेरियन ऑपरेशन के लिए अन्य चिकित्सक की भी आवश्यकता होगी और उनके द्वारा महिला का सिजेरियन नही किया गया। 30 अक्टूबर की शाम 07:25 बजे महिला जिला चिकित्सालय से अन्य निजी चिकित्सालय डॉ ममता टेम्भुनें के यहाँ चली गयी। जहाँ डॉ. ममता टेम्भुर्ने द्वारा महिला का सफलतापूर्वक सिजेरियन ऑपरेशन किया गया है। ऑपरेशन के बाद माँ तथा बच्चा दोनो स्वस्थ है। डॉ ममता टेम्भुनें के निजी चिकित्सा संस्थान में कोई विशेष अतिरिक्त चिकित्सा सुविधा नहीं है जो कि जिला चिकित्सालय बालाघाट में उपलब्ध नहीं है। डॉ. रितिका राणा द्वारा महिला का सिजेरयन जिला चिकित्सालय में भी किया जा सकता था लेकिन उनके द्वारा कार्य को टाला गया, जो कि उनकी कार्य के प्रति उदासीनता को प्रदर्शित करता है।

कलेक्टर श्री मीना के संज्ञान में यह जानकारी आने पर उन्होंने डॉ. रितिका राणा के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। इस पर सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने सिजेरियन के लिए मना करने वाली चिकित्सक डॉ. रितिका राणा को अपने कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही बरतने एवं कदाचरण के लिए कारण बताओं नोटिस जारी किया है कि क?यों न उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को प्रेषित किया जाए। डॉ. रितिका राणा को 24 घंटे के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टिकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

कलेक्टर श्री मीना के निर्देश पर गर्भवती महिला श्रीमति शीतल पति संजू ग्वाले के सिजेरियन ऑपरेशन में हुए सम्पूर्ण व्यय की क्षतिपूर्ति डॉ. रितिका राणा द्वारा श्रीमती शीतल को प्रदान कर दी गई है।

आवश्यकता है

होटल में समोसा, कचौड़ी, बड़ा, मंगोड़े, खोआ की जलेबी, बड़ा, पोहा आदि बनाने वाले कारीगर की

संपर्क :

सत्कार होटल तिरोड़ी

मो. 8109410515

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0030/ड-154/2025-26
मौजा कटंगझरी, रा.नि.मं. खमरिया

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुभद्राबाई पिता तुलसीराम (पति सुदामा गुनेश्वर) जाति गढ़ेवाल, निवासी ग्राम कटंगझरी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा कटंगझरी, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदिका द्वारा अपने पिता स्व. तुलसीराम पिता प्रेमलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 18.06.2005 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम कटंगझरी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 06.11.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 27.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 01.11.2025

तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

जिला स्तरीय फुटबाँल स्पर्धा से 8 ब्लाकों ने बनायी दूरी!!

महज 2 टीमो के बीच सम्पन्न कराई गई जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता बालाघाट विजेता

पदमेश न्यूज,बालाघाट। शुक्रवार को नगर के मुलना स्टेडियम मैदान में जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित इस जिला स्तरीय पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता में जिले के महज 2 ब्लाकों की टीम शामिल हुई। जहां बालाघाट और बैहर फुटबॉल टीम के मध्य जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न कराकर ,बालाघाट जिले की टीम का भी चयन कर लिया गया है।चयनित यह टीम अब छिंदवाडा में 11,व 12 नवंबर को आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होकर बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी।आयोजित इस जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में विडंबना यह रही की बालाघाट और बैहर ब्लॉक के अलावा जिले के किसी भी ब्लॉक की टीम इस प्रतियोगिता में शामिल नहीं हुई, जो पूरा दिन चर्चा का विषय बनी रही। बताया गया कि जिला स्तर से जिले के सभी ब्लॉकों और वहां के महाविद्यालयो की फुटबॉल टीमो को इस प्रतियोगिता में शामिल होने कहा गया था, लेकिन प्रतियोगिता संपन्न होने तक, किसी भी ब्लॉक की टीम बालाघाट नहीं पहुंची, जिसके चलते बालाघाट और बैहर के मध्य प्रतियोगिता कराकर जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता सम्पन्न कराई गई।वही संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए इन दोनों ही टीमों में शामिल खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर एक जिला स्तरीय टीम का चयन किया गया है।जिले इस प्रतियोगिता के माध्यम से बनाई गई टीम ,संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता खेलने छिंदवाडा जाएगी।

बालाघाट के खिलाडियों ने दिखाया पैरों का जादू,बैहर को 2-0 से किया ढेर

शुक्रवार को नगर के मुलना स्टेडियम में आयोजित इस एक दिवसीय जिला स्तरीय पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता में महज बालाघाट और बैहर की टीम शामिल हुई, जिसके चलते इन दोनों टीमो के बीच प्रतियोगिता संपन्न कराई गई। जानकारी के मुताबिक इस प्रतियोगिता में बैहर के खिलाड़ी अपने पैरों का जादू नही दिखा सके।वही लाख जद्दोजहद के बावजूद भी दोनो हाफ को मिलाकर बालाघाट के खिलाफ गोल दागने में उन्हें कामयाबी नहीं मिल सकी। उधर बालाघाट टीम के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए, मैदान पर अपने पैरों का जादू दिखाया और दोनो हॉफ के मैच को मिलाकर बैहर के खिलाफ 2 गोल- दागकर, 2-0 से जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया।

जिले की टीम का किया गया चयन

उधर महज 2 टीमों के बीच जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न कराकर जिले की टीम की घोषणा कर दी गई। जहां जिले की इस टीम में बैहर और बालाघाट की टीमों के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर 16 खिलाडियों का चयन बालाघाट टीम की घोषणा की गई। इसमें 16 खिलाड़ियों के अलावा 02 अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है ,इसके अलावा 01 कोच और 01 मैनेजर को मिलाकर, 20 सदस्यों वाली जिले की टीम बनाई गई है। बताया गया कि आगामी समय में छिंदवाड़ा में संभाग स्तरीय पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जिले की यहां टीम 11 और 12 नवंबर को छिंदवाड़ा में आयोजित प्रतियोगिता में शामिल होगी। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में संभाग के विभिन्न जिलों की टीमों के मध्य प्रतियोगिता कराई जाएगी, इसके बाद वहां खिलाड़ियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर विश्वविद्यालय टीम व राज्य स्तरीय टीम का चयन किया जाएगा। इसके उपरांत व टीम आगामी समय में अंतर महाविद्यालय व राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता आरडीवीवी जबलपुर के नाम से खेलेगी।

ऐसा लगता है बच्चों की रुचि मोबाइल में अधिक और खेल में काम हो गई है- ठाकुर

आयोजित इस प्रतियोगिता को लेकर की गई चर्चा के दौरान शासकीय कमला नेहरू महाविद्यालय बालाघाट क्रीड़ा अधिकारी डॉ विनोद ठाकुर ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आज एक दिवसीय जिला स्तरीय पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।जिसमें केवल पीजी महाविद्यालय बालाघाट और शासकीय महाविद्यालय बैहर की टीम शामिल हुई थी। बालाघाट की टीम ने यह प्रतियोगिता 2-0 से जीत ली है, खिलाडियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर बालाघाट टीम का चयन किया गया है।एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि जिले के सभी महाविद्यालय में फुटबॉल टीम है, जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए सभी महाविद्यालय को सूचना दी गई थी, लेकिन वहां के कीड़ा अधिकारियों ने प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए टीम ही नहीं भेजी। हमें ऐसा लगता है कि बच्चों का खेल के प्रति रुझान कम हो गया है, वही बच्चे मोबाइल में ज्यादा बिजी रहने लगे है।इसीलिए वहां के कीड़ा अधिकारियों ने भी बच्चों को मोटिवेट कर खेल के लिए टीम भेजना चाहिए। हमें उम्मीद है कि जिले की एक मजबूत टीम बनाई गई है, पिछले बार भी संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता जो की बालाघाट में हुई थी, वह प्रतियोगिता भी बालाघाट की टीम ने जीती थी हमें उम्मीद है कि इस बार भी संभव स्तरीय प्रतियोगिता बालाघाट की टीम ही जीतेगी।

रन फॉंर यूनिटी:सांसद ने दिखाई हरी झंडी दौड़े धावक कार्यक्रम में एकता, अखंडता का दिया गया सन्देश

पदमेश न्यूज, बालाघाट। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वी जन्मजयंती पर नगर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांसद भारती पारधी ने हरी झंडी दिखाकर रन की शुरूआत की। यह एकता दौड़, पुलिस लाइन बालाघाट से प्रारंभ होकर जयस्तंभ चौक, आंबेडकर चौक, हनुमान चौक, सुभाष चौक, कालीपुतली चौक से होते हुए आंबेडकर चौक पहुंची। जहां इसका समापन किया गया। शुक्रवार को पुलिस लाईन में कार्यक्रम शुरू किया गया। कार्यक्रम में अतिथि सांसद भारती पारधी, आईजी संजय कुमार, डीआईजी विनित जैन, कलेक्टर मृणाल मीणा, एसपी आदित्य मिश्रा,नपाध्यक्ष भारती ठाकुर, सरदार पटेल विश्वविद्यालय कुलाधिपति इंजी. दिवाकरसिंह, एसडीएम गोपाल सोनी, एएसपी आदर्शकांत शुक्ला, सीएसपी वैशालीसिंह कराहलिया, एसडीओपी अभिषेक चौधरी सहित प्रशासनिक अमला अन्य भाजपा नेता, पदाधिकारी और आम नागरिक और विभागीय अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।ज्ञात हो कि बालाघाट में लौहपुरूष, देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री और स्वतंत्र भारत में देशी रियासतो के एकीकरण में महान चुनौती को सफलतापूर्वक हल करने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल की

150 वीं जन्मजयंती पर एकता के लिए दौड़ का आयोजन किया गया था।

छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ की गई कार्यक्रम की शुरुवात

नगर के पुलिस लाइन में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूवात सरदार वल्लभभाई पटेल के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ की गई। कार्यक्रम में देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के साथ ही सायबर जागरूकता की शपथ दिलाई गई।जिसके उपरांत जुम्बा डांस के बाद सांसद के हरी झंडी दिखाते ही दौड़ प्रारम्भ हो गई। जो नगर के विभिन्न चौक चौराहो व मार्गों का भ्रमण करते हुए सीधे अंबेडकर चौक पहुंची जहां इस दौड़ का समापन किया गया।

आईजी ने पूरी की दौड

रन फॉर यूनिटी के आयोजन के दौरान सड़क पर दौड़ लगाते अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थियों और आम लोगों के लिए कुछ समय तक ट्राफिक थमा रहा।जिस-जिस मार्ग से धावकों ने दौड़े, उस मार्ग पर आवागमन को रोक दिया गया था। उधर इस कार्यक्रम में शामिल आईजी संजय कुमार, अतिथि के साथ ही रन फॉर यूनिटी में एक धावक के रूप में दिखाई दिए। जिन्होंने पुलिस लाईन से शहर के प्रमुख चौराहो से होकर आंबेडकर चौक तक तकरीबन तीन किलोमीटर की दौड़ लगाई।

दुकान में आग लगाने के आरोपी विशाल को 3 वर्ष की सश्रम कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड

विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत का फैसला

पदमेश न्यूज,बालाघाट। विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत ने एक किराना दुकान में आग लगाने के आरोप में एक आरोपी को तीन वर्ष की सश्रम कारवास और उसे 20हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये। यह आरोपी विशाल पिता अशोक कुमार हरिंद्रवार 32 वर्ष वार्ड नंबर 1 ढीमर टोला बूढ़ी बालाघाट निवासी है। जिसने सामान उधार नहीं देने की रंजिश रखते हुए किराना दुकान को आग के हवाले कर दिया था।

उधारी नहीं देने पर किराना दुकान में लगाई थी आग

अभियोजन के अनुसार रवि कुकरेजा की वार्ड नंबर 13 बूढ़ी बालाघाट में आईटीआई रोड जोड़ महुआ के पास गुरुनानक के नाम से किराना दुकान है। रवि कुकरेजा ने सुरक्षा की दृष्टि से अपनी किरना दुकान में सीसीटीवी कैमरा लगाये है।उसी मोहल्ले का रहने वाला आरोपी विशाल हरिंदरवार उसकी दुकान में सामान लेने के लिए आते रहता था और वह अक्सर उधार मांगते रहता था और सामान उधारी में नहीं देने पर दुकान में आग लगाने की धमकी देते रहता था। 1मई 2024 की रात्रि 3ः45 बजे रवि कुकरेजा को दुकान के सामने रहने वाले चंदन मानेश्वर ने फोन करके बताएं कि तुम्हारी दुकान में आग लगी हुई है।तब वह तुरंत अपनी पत्नी मुस्कान के साथ अपनी दुकान पहुंचे एवं पड़ोस के लोगों के साथ मिलकर आग बुझाये। आग लगने से दुकान का शटर फट चुका था दुकान का काउंटर एवं उसे में रखा सामान टीवी फ्रिज आग से जलकर राख हो गए थे। जिसमें करीब डेढ़ लाख का नुकसान हुआ था। सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग चेक करने पर विशाल हिरेंद्रवार मुंह बांधकर दुकान के शटर में कुछ ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाता हुआ दिखाई दिया था। 2 मई 2024 को रवि कुकरेजा ने पुलिस थाना कोतवाली बालाघाट में जाकर घटना की जानकारी दी थी। कोतवाली में पदस्थ उप निरीक्षक अमित अग्रवाल के द्वारा घटना की प्रथम रिपोर्ट दर्ज की गई और इस मामले में विशाल हरिंदरवारके विरुद्ध धारा 436 भादवि के तहत अपराध पंजीबद किया गया और आरोपी विशाल हरिन्दरवार को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र विद्वान अदालत में पेश किया गया था। यह मामला विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत में चला। जहां अभियोजन पक्ष आरोपी विशाल हरिन्दरवार के विरुद्ध आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहा। विद्वान अदालत ने इस मामले में आरोपी विशाल हरिन्दरवार को धारा 436 भादवि के अपराध में दोषी पाया।

विद्वान अदालत ने कहा

विद्वान अदालत ने कहा कि प्रकरण के प्रमाणित तथ्यों पर विचार करें तो आरोपी के द्वारा फरियादी की दुकान में आग लगाकर करीब डेढ़ लाख रुपए की क्षति कारित करने के अपराध के अंतर्गत दोषसिद्धि की गई है। किंतु फरियादी को कोई जान माल की क्षति नहीं हुई है।आरोपी एक विवाहित व्यक्ति है। जिसके पीछे परिवार के भरण पोषण की जिम्मेदारी भी है।अत: एक संतुलित सजा जिसके द्वारा समाज में उचित संदेश भी दिया जाए और आरोपी को एक अच्छा नागरिक बनने का अवसर भी मिले।

अंतत: विद्वान अदालत ने सुनाई सजा

अंततः विद्वान अदालत ने प्रकरण के तथ्यों परिस्थितियों एवं अपराध की प्रकृति को देखते हुए अभियुक्त विशाल हरेंद्रवार पिता अशोक हरिंद्रवार को धारा 436 भादवि के तहत अपराध में 3 वर्ष का सश्रम कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये और अर्थदंड अदा नहीं करने पर 6 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतान के आदेश दिए हैं। वही विद्वान अदालत ने अर्थदंड की राशि जमा होने पर फरियादी रवि कुकरेजा को 19हजार रुपए प्रतिकर स्वरूप प्रदान की जाने के भी आदेश दिए हैं। इस मामले में शासन की ओर से लोक अभियोजक मदन मोहन द्विवेदी द्वारा पैरवी की गई थी।

बेमौसम बारिश से फसलों को भारी नुकसान, अनुभा मुंजारे ने अफसरों को दिए सर्वे के निर्देश

पदमेश न्यूज,बालाघाट। जिले में बीते कई दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने किसानों की चिंता को और बढ़ा दिया है। लगातार बरसात के कारण खेतों में लगी धान की फसल पर बुरा असर पड़ा है। गुरुवार को पूरे दिन हुई बारिश और शुक्रवार को सुबह से जारी हल्की फुहारों ने किसानों की चिंता को और गहरा कर दिया है। अब किसानों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर उनकी मेहनत से उगाई गई फसल का क्या होगा। बालाघाट विधायक ने हालात की गंभीरता को देखते हुए शुक्रवार को जिला मुख्यालय से लगे ग्रामों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अपनी विधानसभा के माझापुर सहित आसपास के गांवों में जाकर खेतों में खड़ी फसलों की स्थिति का जायजा लिया। खेतों में पानी भरने और धान की बालियों के झुक जाने की स्थिति देखकर विधायक ने संबंधित कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को तुरंत सर्वे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की फसल का सही-सही मूल्यांकन कर उन्हें नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाए। लांजी क्षेत्र से भी कई वीडियो और तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें किसानों के खेतों में पानी भर जाने और फसलों के गिरने की स्थिति स्पष्ट दिखाई दे रही है। किसानों का कहना है कि भारी बारिश के कारण उनकी धान की फसल बर्बाद हो गई है, लेकिन संबंधित विभाग के कर्मचारी उनके खेतों तक नहीं पहुंच रहे हैं। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि वे कई बार अधिकारियों को सूचना दे चुके हैं, फिर भी अब तक कोई सर्वे नहीं हुआ है। किसानों की इस स्थिति को देखते हुए ग्रामीण इलाकों में चिंता का माहौल है। कई गांवों में खेतों में पानी निकासी की व्यवस्था न होने से फसलें सड़ने लगी हैं। किसान सरकार और प्रशासन से उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द से जल्द सर्वे कराया जाए और उन्हें उचित मुआवजा मिले, ताकि वे फिर से अपनी कृषि गतिविधियाँ शुरू कर सकें।

गुरुवार को पूरे दिन और शुक्रवार को रुक-रुककर हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में कटाई के लिए तैयार धान और कई स्थानों पर कटी हुई धान पर यह बारिश आफत बनकर गिरी है। धान के साथ ही कोदो-कुटकी की फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। हालांकि कृषि विभाग के उपसंचालक फूलसिंग मालवीय इसे बड़ा नुकसान नहीं मानते। उनका कहना है कि जिले में धान की फसल को बारिश से हुआ नुकसान मात्र 2 से 5 प्रतिशत है। जबकि किसानों का कहना है कि बारिश ने न केवल उनकी फसलें बर्बाद कर दीं बल्कि उनके सपने भी तोड़ दिए। बच्चों की पढ़ाई और विवाह की तैयारियों पर भी पानी फिर गया है। जिले के अधिकतर क्षेत्रों में बारिश से नुकसान हुआ है, परंतु लांजी क्षेत्र में स्थिति सबसे गंभीर बताई जा रही है। मौसम में बदलाव के कारण किसानों की कटाई के लिए रखी गई तथा खड़ी फसलें दोनों बारिश से भीग रही हैं। धान का दाना काला पड़ने लगा है, जिससे किसान बेहद चिंतित हैं। बेमौसम बारिश ने किसानों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। क्षेत्र में हुए फसल नुकसान के आंकलन के लिए एसडीएम कमलचंद सिंहसार ने सर्वे के निर्देश दिए हैं। इसके बाद पटवारी और कृषि विभाग की टीमें मैदान में उतरी हैं। हालांकि किसानों का आरोप है कि कई जगहों पर पटवारी खेतों में जाकर देखने के बजाय केवल दूर से देखकर लौट जा रहे हैं। लांजी के चिचोली निवासी किसान की लगभग 2 एकड़ में बोई गई धान की फसल पूरी तरह खराब हो चुकी है, जिससे वह अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। बापड़ी निवासी कमलचंद बनोटे और किसान उदेलाल रतोने ने भी अपनी फसल बर्बाद होने पर बच्चों के भविष्य और विवाह को लेकर चिंता जताई है। बारिश से प्रभावित किसानों की अब मांग है कि सरकार उन्हें उचित मुआवजा प्रदान करे। वहीं प्रशासन की ओर से कहा गया है कि तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कृषि विकास अधिकारी और सभी पटवारियों को सक्रिय रूप से सर्वे कार्य में जुटने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि कुछ जगहों पर पटवारी, आरआई और कृषि विभाग की टीमें गांव-गांव जाकर किसानों से नुकसान की जानकारी भी जुटा रही हैं।

बारिश से भीगी फसल का विधायक ने लिया जायजा

विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा अपनी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत माझापुर के कुछ गांवों का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण अंचलों में जाकर किसानों से मुलाकात की और बारिश से भीगी हुई फसलों की स्थिति का जायजा लिया। विधायक ने खेतों में जाकर किसानों से उनकी समस्याएं सुनीं और उनकी परेशानियों को समझा। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही बारिश से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है। कई किसानों की धान की फसलें खराब हो चुकी हैं। ऐसे समय में सरकार को किसानों के साथ खड़ा रहना चाहिए। इस मौके पर विधायक मुंजारे के साथ विभाग के अधिकारी, पटवारी, आरआई और अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की फसलों का सही और निष्पक्ष सर्वे किया जाए। विधायक ने स्पष्ट कहा कि सात दिनों के भीतर किसानों की फसलों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की जाए और उसकी जानकारी उन्हें भी दी जाए। विधायक ने कहा कि किसानों की धान की फसल को जितना नुकसान हुआ है, उसका पूरा मुआवजा सरकार द्वारा दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सर्वे समय पर और सही तरीके से किया जाएगा तो किसानों को शीघ्र राहत मिल सकेगी, लेकिन यदि सर्वे में लापरवाही हुई या देर हुई तो किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ेगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सर्वे के दौरान किसी भी किसान के साथ भेदभाव न किया जाए, हर प्रभावित किसान की स्थिति का सही मूल्यांकन किया जाए और उन्हें उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। विधायक मुंजारे ने भरोसा दिलाया कि वह किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार तक अपनी बात मजबूती से रखेंगी, ताकि बारिश से प्रभावित किसानों को शीघ्र आर्थिक सहायता मिल सके। उन्होंने किसानों से धैर्य बनाए रखने और सरकारी सर्वे में सहयोग करने की अपील भी की।

सांसद श्रीमती पारधी का दौरा कार्यक्रम

बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 01 नवंबर प्रात: 10 बजे आमजन एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से भेंट करेगी।

प्रात: 11 बजे वह सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में आयोजित मप्र स्थापना दिवस समारोह में सम्मिलित होगी तथा दोपहर 02ः30 बजे भाजपा कार्यालय बालाघाट में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान युवा सम्मेलन में शामिल होगी।

एमपीटास पोर्टल पर छात्रवृत्ति के लिए शत प्रतिशत आवेदन कराना प्राचार्य की जिम्मेदारी

कलेक्टर ने की जनजातीय कार्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा

पद्मेश न्यूज, बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 31 अक्टूबर को जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, सहायक संचालक विनय रहांगडाले एवं योजनाओं के शाखा प्रभारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में निर्देशित किया कि जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जिले में संचालित छात्रावासों के नियमित रूप से निरीक्षण के लिए अन्य विभागों के अधिकारियों का रोस्टर तैयार करें। प्रत्येक अधिकारी को निरीक्षण के लिए दो छात्रावास आबंटित किये जायें। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में बच्चों की उपस्थिति, भोजन, शुद्ध पेयजल, स्वच्छता, पढ़ाई, बिजली, बिस्तर आदि की व्यवस्था देखेंगें और

परख मोबाईल एप पर इसकी एंट्री करेंगें। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में निर्देशित किया कि कोई भी विद्यार्थी एमपीटास पोर्टल पर छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसी प्रकार आवास सहायता योजना का लाभ हर पात्र विद्यार्थी को मिलना चाहिए। संस्था के प्राचार्य को इस आशय का प्रमाण पत्र देना होगा कि उनकी संस्था के 100 प्रतिशत विद्यार्थियों ने छात्रवृत्ति के लिए एमपीटास पोर्टल पर आवेदन कर दिया है और आवास सहायता योजना के लिए भी आवेदन कर दिया है। यदि कोई छात्र छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित रह जायेगा तो संबंधित संस्था के प्रमुख से राशि की वसूली की जायेगी।

बैठक में निर्देशित किया गया कि जनजातीय कार्य विभाग की शालाओं एवं छात्रावासों में लगाये गये स्मार्ट टीव्ही का उपयोग बच्चों को स्मार्ट कक्षा के माध्यम से पढ़ाने में होना चाहिए। इनका उपयोग नहीं होना पाया जाने पर संबंधित संस्था के प्रमुख पर कार्यवाही की जायेगी। बैठक में भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या मामा एवं आम्बेडकर स्व रोजगार योजना के लक्ष्य के अनुरूप प्रकरण स्वीकृत कराने एवं उनमें समय सीमा में ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। बैठक में सांदीपनी विद्यालय मलाजखंड, आमगांव एवं परसवाड़ा, कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट, परसवाड़ा एवं बैहर, आदर्श आवासीय विद्यालय मलाजखंड तथा एकलव्य विद्यालय उकवा व बैहर की स्थिति पर चर्चा की गई।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और लौह पुरूष सरदार पटेल की स्मृति को किया याद

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित विश्राम गृह में ब्लाक कांग्रेस कमेटी के द्वारा 31 अक्टूबर को देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री, आयरन लेडी स्व. इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि एवं लौह पुरूष व देश के पूर्व गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। यह पुण्यतिथि एवं जयंती कार्यक्रम ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे सहित अन्य कांग्रेसियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने आयरन लेडी, देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी व लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे याद किया। इस अवसर पर कांग्रेसियों ने देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी व अखण्ड भारत के निर्माता एवं भारत रत्न लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन गाथाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सक्षम और शसक्त भारत की निर्माता देश की प्रथम एवं एकमात्र महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी जी अभ्दुत प्रबंधन क्षमता की धनी थी। उनके कार्यकाल में भारत ने विकास के नव आयाम स्थापित किये है और विश्व पटल पर भारत की छवि को नई पहचान मिली है। साथ ही लौह पुरूष सरदार पटेल के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि जब देश स्वतंत्र हुआ तो देश छोटे-छोटे टुकड़ों में बटा हुआ था और सरदार जी के प्रयासों से देश में एकता-अखण्डता आई है इसलिए हम सभी को इनके बताये मार्ग पर चलकर पार्टी, समाज व देशहित में काम करना चाहिए। चर्चा में ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि ब्लाक कांग्रेस कमेटी के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री, आयरन लेडी स्व. इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि एवं लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाकर उन्हे याद किया गया और देश में दुर्गा व आयरन लेडी के नाम से स्व. इंदिरा गांधी जानी जाती है इसलिए हम सभी को स्व. गांधी व सरदार पटेल के बताये मार्ग पर चलकर पार्टी व देशहित में काम करना चाहिए। इस अवसर पर सतानंद दमाहे, मनीष कुशवाहा, दीपक तोमर, चिचगांव सरपंच गोविंद पटले, औल्याकन्हार सरपंच प्रतिनिधि ओपी बिसेन, खारी सरपंच प्रतिनिधि कैलाश नखाते, सुनिल अवधवाल, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, सुमित स्वामी, नितिन साखला, प्रशांत चंद्रवार, पप्पु गोंड, विक्की गौतम, गोलू ब्रम्हे, सिर्यांश साठोने सहित अन्य कांग्रेसीगण उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया आंवला नवमी पर्व

पूजा-अर्चना कर महिलाओं ने ईश्वर से सुख-समृध्दि की कामना की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की नवमीं के दिन गुरूवार को आंवला नवमीं का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत अमोली निवासी सचिन कुर्वे के निवास में महिलाओं के द्वारा आंवला नवमीं का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर आंवला के पेड़ की विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात पेड़ की महिलाओं ने परिक्रमा कर जीवन में सुख-समृध्दि की कामना की। इस आंवला नवमीं के अवसर पर श्रध्दालु महिलाओं ने आंवले के वृक्ष का पूजन करने के साथ ही वृक्ष की परिक्रमा भी की। चर्चा में श्रीमती वंदना कुर्वे ने बताया कि गुरूवार को कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की नवमीं को आंवला नवमी का पर्व धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन आंवला की पूजा करने से सारे दोषों से मुक्त हो जाते है। पुत्र रत्न की प्राप्ति एवं परिवार में खुशहाली बनी रहती है। इसी मान्यता के अनुसार आज आंवला नवमी पर्व के अवसर पर आंवले के वृक्ष की पूजा अर्चना की गई और आंवले के वृक्ष में भगवान विष्णु का निवास होता है। भगवान विष्णु से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में सुख-समृध्दि बनाये रखे। साथ ही यह भी बताया कि आंवले के वृक्ष की परिक्रमा एवं आरती के बाद प्रसादी का वितरण किया गया।

आज हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा देवउठनी ग्यारस पर्व

आज से बजेंगी शहनाई, वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर होगा शुरू

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भारत देश में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा 1 नवंबर को ग्यारस पर्व धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। जिसके साथ ही मांगलिक (वैवाहिक) कार्यक्रमों का दौर शुरू हो जायेगें। इसी कड़ी में ग्यारस पर्व पर्व को लेकर लालबर्रा बाजार में गन्नों एवं अन्य सामग्रियों की दुकाने सज चुकी है और 1 नवंबर को ग्यारस पर्व मनाने वाले क्षेत्रीयजन हाई स्कूल मार्ग पर लगी गन्नों की दुकानों से गन्नें व पूजा में लगने वाली सामग्रियों की खरीदी की, जिससे दिनभर भीड़ रही है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी देवप्रबोधनी या देवउठनी का पर्व भी कहलाता है। इस अवसर पर हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा 1 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर तुलसी की पूजा कर भगवान सालिग्राम का नारायण रूप में पूजन अर्चन कर तुलसी विवाह की रस्म अदा की जायेगी और इसी दिन से हिन्दु धर्मालंबियों द्वारा मांगलिक कार्यों की शुरूआत की जाती है। आपकों बता दे कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी देव प्रबोधिनी पर धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप विधि-विधान से पूजा अर्चन कर तुलसी विवाह मनाया जायेगा और तुलसी की नियमित पूजा करने से हमें सुख, समृध्दि की प्राप्ति होती है। साथ ही कार्तिक शुक्ल एकादशी पर तुलसी विवाह का विधिवत पूजन करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती है। शनिवार को गन्नों एवं पूजा की सामग्रियों की दुकानों में भीड़ रहेगी।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना एवं कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर भारत के लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जन्म जयंती मनाई गई। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती, भारत के लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र%वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को बनाये रखने के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरदार पटेल के नेतृत्व में खेडा आंदोलन, बारदोली आंदोलन से किसानों के हित में किये गये कार्यों से ब्रिटिश गर्वमेंट पर दबाव बना तथा किसानों पर लगाये जा रहे टेक्स को कम किया गया। इस तरह से भारत की एकता को बनाये रखने में उनके द्वारा किये गये कार्यों को सदैव स्मरण किया जायेगा। डॉ. संगीता मेश्राम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सरदार पटेल जी के द्वारा देशी रियाशतो के एकीकरण के लिए किये गये प्रयासो की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। वहीं कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, श्रीमती संध्या परते, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशा कारे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, वेंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, श्रीमती वंदना कुर्वे, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

औल्याकन्हार, बिठली, मुरलीखाम में मंडई का हुआ आयोजन

छत्तीसगढ़ी एवं दुय्यम शायरी कार्यक्रम संपन्न, विशेष वेशभूषा में नजर आये ग्वालवंशी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार सहित ग्राम बिठली व मुरलीखाम में गत दिवस मंडई का सफल कार्यक्रम संपन्न हुआ। वहीं ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए तीनों ग्राम में छत्तीसगढ़ी, दुय्यम शायरी एवं आर्केस्ट्रा का कार्यक्रम संपन्न हुआ है जिसका उपस्थितजनों ने आनंद भी लिये। चर्चा में सार्वजनिक मंडई समिति बिठली अध्यक्ष सुनील पाटिल ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह तरह इस वर्ष भी ग्राम में पुरातन काल से पहली मंडई का आयोजन होता हुआ आ रहा है। जो कि इस वर्ष गत दिवस ग्रामीणजनों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। जिसमें ग्रामीणों की मांग पर दिन-रात की मंडई के अवसर पर रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए छत्तीसगढ़ी आर्केस्ट्रा ग्रुप का आयोजन किया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि ओपी बिसेन सरपंच प्रतिनिधि औल्याकन्हार, चेतनलाल बिसेन की अध्यक्षता, मुकदम, तेजलाल नागेश्वर व तोपराम बिसेन पुर्व उपसरपंच सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें छत्तीसगढ़ी आर्केस्ट्रा के कलाकारों के द्वारा एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुती दी गई। वहीं औल्याकन्हार में दिन-रात की चौथी मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए दुय्यम शायरी का आयोजन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ी धमाका पार्टी घोटी (आरम्भा) के शायर चन्द्रशेखर दमाहे गुरूजी बैशाखु नागेश्वर एंड पार्टी एवं सीमा एंड पार्टी मोहगांव (ध) गायिका सीमा हिवारे साथी कलाकारों द्वारा शायरी की प्रस्तुतियां दी गई। साथ ही कार्यक्रम शुरू होने के पूर्व समिति के पदाधिकारियों के द्वारा यादव समाज सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया गया। साथ ही पहली बार युटूबर में अपना नाम रौशन कर रहे लोगों को भी सम्मानित किया गया। जिसमें शिटु नागफासे, सिध्दार्थ, सुध्दांसु (अन्ना), नवीन बाहे, सिवनी के सितारे, दुर्गेश लिल्हारे, आकाश डोंगरें, गगन नेवारे, अंकित नागेश्वर, जय डोगरवार, रोहित हरिद्वाज, निलेश ब्रम्हे, आशीष नागेश्वर शामिल है।

छत्तीसगढ़ी लोककला मंच कार्यक्रम में 'ऐ मोर करौंदा' के कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

ग्राम मुरलीखाम स्थित देवी मंदिर, आखर चौक में गत दिवस दिन-रात की मंडई उत्सव के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए ग्राम बासिनझोरी थाना- स./लोहारा जिला कबीरधाम छत्तीसगढ़ अंचल के ' ऐ मोर करौंदा' छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, औल्याकन्हार सरपंच प्रेमलता बिसेन, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, ओपी बिसेन सरपंच प्रतिनिधि, सुनील पाटिल उपसरपंच प्रतिनिधि, तोपराम बिसेन पुर्व उपसरपंच,व तेजलाल नागेश्वर एवं मंडई समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर 'ऐ मोर करौंदा' पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य के गायक सहित अन्य कलाकारों ने सुवा, कर्मा, ददरिया सहित विभिन्न विधाओं पर जैसे पारंपरिक लोक नृत्यों की एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दिये जो दर्शकगणों का मनमोह लिया। वहीं इन नृत्यों में कलाकारों का पारम्परिक परिधान, लोक संगीत की मधुर धुने और ओजपूर्ण नृत्य शैली ने समां बांध दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने उपस्थितजनों को दीपावली व मंडई पर्व की शुभकामनाएं दी। चर्चा में औल्याकन्हार सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन ने बताया कि पंचायत क्षेत्र अन्तर्गत अधिनस्थ ग्राम औल्याकन्हार, बिठली एवं मुरलीखाम में अपने-अपने तिथि अनुसार मंडई का गत दिवस सफल आयोजन संपन्न हुआ है और ऐसे आयोजन से गांव में एकता बनी रहती है। साथ ही मंडई हमें एक-दूसरे से मिलाता है, गांव कि पहचान मंडई मेले से होती है और मंडई-मेला खुशी मनाने का पर्व होता है। इस अवसर पर मंडई समिति अध्यक्ष अनिल पंचेश्वर, सचिव दीपक कावरे, कोषाध्यक्ष महेंद्र पंचेश्वर, ग्राम अध्यक्ष मुकेश बाहेश्वर, सचिव सुनिल कावरे, विरेन्द्र पंचेश्वर, सदस्यगण तिलक पंचेश्वर, सेवक कावरे, पुसकुमार कावरे, योगेश जामरे, दिनेश बाहेश्वर, कमलेश पंचेश्वर, श्यामलाल पंचेश्वर। इसी तरह औल्याकन्हार में ओपी बिसेन सरपंच प्रतिनिधि औल्याकन्हार,मुकेश चौहान, तपेश रंगारे, शीतलप्रसाद हरिद्वाज, प्रमोद चौहान, जैराज भारद्वाज, छन्नूलाल कटरे, नन्दकिशोर बिसेन, आसाराम कटरे,महेंद्र चौहान, हरिलाल मराठा, भंडारी नागेश्वर, सुनील बिसेन, आशीष बिसेन, राकेश नागेश्वर, शिवप्रसाद राणा, प्रभात मेश्राम सहित ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

बे-मौसम बारिश से बर्बाद हुई धान की फसल, किसानों को मुआवजा दे सरकार - अनीस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। बे-मौसम बारिश से जिलेभर के किसान खासा परेशान है। साथ ही किसानों के खेतों में लगी धान की फसल बर्बाद हो रही है। वहीं जिन किसानों ने फसल की कटाई कर ली थी उनकी फसल अब अंकुरित हो रही है। इस तरह से बे-मौसम बारिश से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। वहीं किसानों की परेशानियों को देखते हुए विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने गत दिवस से हो रही बे-मौसम बारिश में किसानों की जो फसल खराब हुई है उसका राजस्व विभाग से सर्वे करवाकर शासन-प्रशासन से अतिशीघ्र किसानों को मुआवजा दिये जाने की मांग की है। श्री खान ने बताया कि इस

समय मुंथा चक्रवात सम्पूर्ण देश में अपना कहर बरसा रहा है और लालबर्रा क्षेत्र में गत दो दिवस से बारिश हो रही है जिससे किसानों के खेतों में लगी धान की फसल खराब हो रही है जिसे किसान फसल को लेकर चिंतित है। श्री खान ने बताया कि प्रशासन को तत्काल राजस्व विभाग के माध्यम से किसानों के खेतों में लगी फसल का सर्वे करवाना चाहिए। ताकि नुकसान का सही आकलन कर किसानों को उचित मुआवजा मिल सके। आगे यह भी बताया कि किसान हमारे अन्नदाता हैं और इस कठिन समय में उनके साथ खड़ा रहना हम सबकी जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन से अपील की है कि फसल सर्वे कार्य को प्राथमिकता दी जाये और जिन किसानों की फसल बर्बाद हो चुकी है, उन्हें बिना देरी के मुआवजा प्रदान करें।

आज मिरेगांव में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव के गांधी चौक में सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति के तत्वाधान में 1 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक मंडई समिति मिरेगांव के पदाधिकारियों ने बताया कि ग्यारस मंडई के अवसर पर 1 नवंबर को ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ के सुप्रसिध्द गायक-गायिकाओं के द्वारा मनमोहक छत्तीसगढ़ी गीतों की शानदार प्रस्तुति दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति मिरेगांव के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

आरक्षक ने डॉ आंबेडकर के लिए कहे अमर्यादित शब्द

उमरवाड़ा के आंबेडकर अनुयायी हुए लामबंद, बैठक से सुलझा मुद्दा पुलिस आरक्षक ने मांगी माफी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरवाड़ा में पुलिस प्रशासन के खिलाफ डॉ भीमराव आंबेडकर के अनुयायी ३१ अक्टूबर को लामबंद हो गए। जहां बौद्ध उपासक उपासिकाओं के द्वारा पुलिस आरक्षक के द्वारा ग्राम के अंदर डॉ बी आर आंबेडकर के लिए कहे गये अमर्यादित शब्द के लिए आक्रोश व्यक्त किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में ग्राम वासियों की भीड़ लगी रही। घटना की जानकारी लगते ही रामपायली थाना प्रभारी श्री मौर्य मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस बल के साथ मौके पर उपस्थित हुए। जहां ग्रामीणों के साथ पंचशील बौद्ध विहार में बैठक कर संवाद किया गया। जिसमें निकले निर्णय के अनुसार संबंधित पुलिस आरक्षक को बुद्ध विहार में लाकर भगवान तथागत गौतम बुद्ध और डॉक्टर बी आर आंबेडकर की प्रतिमा के सामने प्रणाम किया। तत्पश्चात उपस्थिति बौद्ध उपासक उपाशिकाओं से मौखिक रूप से माफ ी मांगी गई। इसके बाद यह विवाद शांत हुआ वहीं उपस्थित लोग अपने अपने निवास के लिए रवाना हो गये।

यह है मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम उमरवाड़ा में २९ अक्टूबर को मंडई का आयोजन किया गया था। इस दौरान किसी कार्यक्रम का आयोजन रात्रि मनोरंजन के लिये ग्राम स्तर पर किया गया था। जहां ३० अक्टूबर को प्रात: करीब ६ बजे डायल ११२ पर शिकायत की गई थी जिस पर डायल ११२ पुलिस आरक्षक के साथ ग्राम में पहुंची। जहां भोपाल से मिले नंबर पर पुन: संपर्क किया गया परंतु वह संपर्क नहीं हो पाया मोबाइल बंद था। जिस पर पुलिस आरक्षक के द्वारा शिकायतकर्ता विक्की देवीकर का मकान पता कर उसके घर पहुंचे। जहां ऊंची आवाज में घर में उपस्थित युवक के पिता मनोहर देवीकर के साथ बातचीत करते समय डॉक्टर बी आर आंबेडकर के बारे में अमर्यादित एवं अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कुछ शब्द कहे गए। वहीं मनोहर देवीकर को थाने ले जाकर बैठने की भी बात कही गई इसके बाद डायल ११२ और आरक्षक दोनों निकल गए। इसके बाद घटना की जानकारी मनोहर देवीकर के द्वारा तत्काल ३० अक्टूबर को समाज के विभिन्न लोगों को एवं आस पड़ोस में निवासरत लोगों को दी गई। जिस पर सभी के द्वारा विचार विमर्श कर ३१ अक्टूबर को पंचशील बौद्ध विहार में एकत्रित होकर रैली निकालकर रामपायली थाना जाने का निर्णय लिया गया। इसकी जानकारी थाना प्रभारी श्री मौर्य को लगने पर उनके द्वारा ग्रामीणों से दूरभाष पर चर्चा की गई। वहीं पुलिस बल के साथ ३१ अक्टूबर की दोपहर करीब १२ बजे वह पंचशील बौद्ध विहार पहुंचे। जहां एकत्रित लोगों के साथ बैठकर चर्चा की गई जिसमें उपस्थित लोगों के द्वारा आक्रोश व्यक्त किया गया। वहीं संबंधित पुलिस आरक्षक रविंद्र कुमार को बुलाने की बात कही जाती रही। जहां डॉक्टर बी आर आंबेडकर की प्रतिमा जो बुद्ध विहार में स्थित है वहां आरक्षक के द्वारा मोमबत्ती प्रज्वालित कर प्रणाम कर लोगो से क्षमा मांगने की बात पर सभी एक राय हुए। इसके बाद पुलिस आरक्षक रविंद्र कुमार को पुलिस के द्वारा बौद्ध विहार में लाया गया जहां उसके द्वारा विहार के अंदर डॉ बी आर आंबेडकर एवं तथागत गौतम बुद्ध के सामने मोमबत्ती प्रज्वालित कर प्रणाम कर परिसर में उपस्थित लोगों से मौखिक माफी मांगी गई। इसके बाद यह पूरा मामला शांत हो गया।

शासकीय कर्मचारी होते ऐसी बात कहना ठीक नहीं है-मनोहर देवीकर

पीड़ित मनोहर देवीकर ने बताया कि हमारे गांव में मंडई का कार्यक्रम रखा गया था ११२ नंबर आई थी। पुलिस आरक्षक घर पर आकर कहने लगे कहां गया तुम्हारा लड़का ऊंची आवाज में चिल्लाने लगे की शराब पीकर ऐसा वैसा करते रहता है। हमने उन्हें बैठने के लिए कहा घटना पूछी ताकि लड़के को फोन कर बुलाओ और यदि गलती है तो उसे डांटना एवं मारना । परंतु यह कहने लगे की बुलाओंगे नहीं तो आपको लेकर थाने जाऊंगा और बैठा दूंगा वहां मेरी पत्नी एवं आशु मेश्राम साथ में खड़े थे। उन्होंने भी कहा कि कोई बात नहीं हुई है तो ११२ वालों ने कहा फोन आया तो हम यहां आए भीम के गाने बज रहे थे पूछे तो हमने कहा किसी ने कुछ कहा होगा। तभी वह संविधान निर्माता डॉ बी आर आंबेडकर के लिये अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे। पुलिस वाले का स्पष्ट नाम तो पता नहीं है परंतु रविन्द्र कुमार बोल रहे थे यह सुबह ७ बजे के बीच की घटना है। थाना प्रभारी और पुलिस अधिकारी आए हुए हैं बात चल रही है परंतु बाबा साहब के खिलाफएक शासकीय कर्मचारी होते हुए इस प्रकार की बात कहना ठीक नहीं है। हम चाहते हैं की बैठक में निष्कर्ष निकाले या शासन कार्यवाही करें।

नगर पालिका ने ७० हितग्राहियों के बैंक खाते किये फ्रिज

वारासिवनी नगर में प्रधानमंत्री आवास में मिली राशि की वापसी का मामला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद वारासिवनी के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत राशि लेने के बाद निर्माण कार्य नही कर राशि ना लौटाने वाले हितग्राहियों के खाते फ्रीज करने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके के द्वारा संबंधित बैंक को नगर पालिका का पत्र भी जारी कर दिया गया। जिसमें सुचिबद्ध हितग्राही जिन्हे प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत १-१ लाख रुपये मिलने पर आवास निर्माण का कार्य नहीं किया गया हैं। उन्हें नगर पालिका परिषद वारासिवनी के द्वारा दिए निर्देश नोटिस के बाद भी जवाब नहीं देने पर यह कार्यवाही की जा रही हैं। विदित हो की प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नगर के लोगों को पांच डीपीआर तैयार कर दिलाया गया था। जिसमें अंतिम समय तक मकान निर्माण नही होने पर नगर पालिका ने ८५ हितग्राहीयों के मकान शासन को सरेंडर कर दिए गए थे। इन हितग्राहियों से एक करोड़ १८ लाख रुपये की वसूली की जानी थी। जिसमें नगर पालिका ने एसडीएम को आरआरसी की कार्यवाही के लिए पत्र लिखा गया था। जिसके बाद एसडीएम कार्यालय से सभी हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत ली

गई राशि वापस करने लेटर जारी किया गया। जिसके बाद १५ हितग्राहियों के द्वारा राशि वापस लौटा दी गई इसमें ९ हितग्राही ने शासन स्तर पर और ६ हितग्राही में स्थानीय स्तर पर यह राशि वापस लौटा दी थी। इसमें ७० हितग्राही बचे थे जिनके के बैंक खाते फ्रिज करने की कार्यवाही नगर पालिका के द्वारा की गई है। यह कार्यवाही आवास निर्माण हेतु राशि आवंटन के पश्चामत एक साल होने के बावजूद इन लोगों के द्वारा आवास निर्माण कार्य पूर्ण नही किया गया। वहीं हितग्राहियों को नगर पालिका के द्वारा बार बार नोटिस एवं मौखिक रूप से निर्देश दिये जाने के बावजूद भी हितग्राहियों के द्वारा आवंटित राशि का उपयोग आवास निर्माण पूर्ण किये जाने हेतु सूचित किये जाने के उपरांत भी आवास निर्माण का कार्य पूर्ण नही किया गया ना ही नोटिस का कोई जवाब दिया गया। इसी के चलते नगर पालिका के द्वारा ऐसे लोगों के विरुद्ध आरआरसी की कार्यवाही करते हुए विभिन्न बैंकों में उनके खातों को फ्रिज करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। ऐसे सभी हितग्राहियों पर आरआरसी की कार्यवाही करते हुये आवास निर्माण हेतु प्रदान की गई राशि वापस किये जाने कार्यवाही की जा रही है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि पीएम आवास की राशि लेकर मकान निर्माण नहीं करने वालों से वसूली की कार्यवाही की जा रही है। जिसमें अब ७० हितग्राही बचे हैं जिनके द्वारा राशि नहीं लौटी गई है ऐसे में उनके संबंधित बैंक खातों को फ्रिज किया जा रहा है। वहीं तहसील कार्यालय से भी इस संबंध में कार्यवाही की जा रही है।

सूर्यप्रकाश उके
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
वारासिवनी

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। स्थानीय कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा पूर्व गृह मंत्री लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर सर्व प्रथम स्कूल संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना स्वंय सेवकों सेविकाओं सहित अन्य छात्र छात्राओं एवं कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलायी गयी। इसके अतिरिक्त व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन के द्वारा लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के भक्ति एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के कारण भारत देश की अखण्डता बनी हुई है। स्वच्छता कार्य भी किया गया एवं निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। व्याख्यान माला का संचालन कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया।

महाविद्यालय में लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की १५० वीं जयंती मनाई गई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल कला, वाणिज्य एवं विधि महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वाधान में संस्था के प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम के मार्गदर्शन, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी नरेन्द्र कुमार डोंगरे एवं एनएसएस अधिकारी कृष्णा पराते के संयुक्त नेतृत्व में लोह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की १५० वी जयंती के उपलक्ष्प में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का प्रारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं लोह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एनएसएस अधिकारी कृष्णा पराते ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्री पटेल का जन्म ३१ अक्टुबर १८७५ को नाडियाल गुजरात में हुआ था। सरदार वल्लभ भाई पटेल भारत की स्वतंत्रा संग्राम के महान नेता एवं कुशल प्रशासक और देश की एकता के प्रतीक है। तत्पश्चात महाविद्यालय के एनसीसी इकाई के कॅप्टन डॉ. हेमन्त कुमार मण्डाले ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में देश के हित के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल के दिखाये

हुए मार्ग पर चलना अत्यन्त आवश्यक है। समारोह में उपस्थित डॉ रक्षा निकोसे ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपना राजनीतिक जीवन सन् १९१७ में अहमदाबाद नगर पालिका के अध्यक्ष पद को प्राप्त करने के साथ किया। वहीं वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. सरिता कोल्हेकर ने कहा कि सरदार पटेल यथार्थवादी और दूरदर्शी थे, और यही कारण है कि भारत की स्वतंत्रता के पश्चात सन् १९४८ में ५६२ रियासतों को भारतीय संघीय शासन में विलय किया। जो भारत के विकास को एक नयी गति एवं नई दिशा प्रदान करता है। समारोह के अंत में संस्था के प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम ने कहा कि भारतीय सिविल सेवा (आईएएस एवं आईपीएस) जैसी प्रशासनी सेवाओं को संरक्षित कर उन्होंने प्रशासन को सशक्त और अनुशासित रूप प्रदान किया। राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष में जिला स्तर पर आयोजित रन ऑफ यूनिटि में एनसीसी कॅडेट आयुष लांजेवार ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया एवं इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों के द्वारा एनसीसी कॅडेट आयुष लांजेवार को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफि प्रदान कर सम्मनित किया गया। समारोह में सरिता नागवंशी, श्रीमती नंदनी टेंभरे, श्रीमती रश्मिबाला पारधी उपस्थि रहे। समारोह का सफल मंच संचालन नरेन्द्र कुमार डोंगरे के द्वारा किया गया।

कांग्रेसियों ने मनाई स्व.इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती

देश की दिशा और दशा बदलने में इंदिरा गाँधी की रही प्रमुख भूमिका- पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के कांग्रेस जनसंम्पर्क कार्यालय में भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री व उप.प्रधानमंत्री राष्ट्रीय एकता के प्रतीक एवं भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती सम्मान समारोह पूर्व मनाई गई। कांग्रेसियों के द्वारा स्वर्गीय इंदिरा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर अमर रहें नारे लगाएं । इस अवसर पर कांग्रेसियों ने कहा कि भारतीय राजनीति के इतिहास में इंदिरा गांधी को विशेष रूप से याद किया जाता है। उनकी महानता इतनी थी कि विपक्ष के नेता होते हुए पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें दुर्गा का अवतार की संज्ञा दी थी । एक तेज तर्रार त्वरित निर्णायक क्षमता और लोकप्रियता ने इंदिरा गांधी को देश और दुनिया की सबसे ताकतवर नेताओं में शुमार कर दिया था। इंदिरा गांधी को देश तीन कार्य के लिए सदैव याद करता है,पहले बैंकों का राष्ट्रीयकरण,दूसरा पाकिस्तान को पराजित कर बांग्लादेश का उदय करने एवं तीसरा राजा राजबाड़ी प्रथा को समाप्त करना। इस दौरान जनपद सदस्य जीतू राजपूत, राजकुमार चौधरी, योगेश सुलकिया, मन्नू रामटेके, रितिक गौतम, उज्ज्वल गौतम, सरोज गौतम, कुलदीप गौतम सहित कांग्रेसी मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि इंदिरा गांधी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी। इससे देश का मान बड़ा,स्वर्गीय इंदिरा गाँधी ने अपने कुशल नेतृत्व में देश को काफी आगे ले गई। देश की दिशा और दशा बदलने में इंदिरा जी की बहुत बड़ी भूमिका रही। उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता देश के प्रति स्वर्गीय इंदिरा काफी समर्पित थीं आयरन लेडी के नाम से मशहूर पूर्व प्रधानमंत्री देश को परमाणु संपन्न राष्ट्र बनाया। इनके कार्यकाल में देश शक्तिशाली बनकर उभरा,, देश ने तरक्की की और राह पकडी, इंदिरा गांधी ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए कौमि एकता का भी नारा दिया। देश को संगठित बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही सभी लोग इंदिरा गांधी के आदर्श पर चलने का संकल्प भी लिया। इंदिरा गांधी के बताएं मार्ग पर चलकर पार्टी को मजबूत बनाने का आव्हान किया।

अज्ञात बाइक की टक्कर से शख्स की हुई मौत

पद्मेश न्यूज, कटंगी। मंडई में शामिल होने के बाद अपने घर की तरफ पैदल जा रहे एक शख्स को अज्ञात मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। घायल शख्स की उपचार के लिए ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई। घटना कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कलगांव से गजपुर सड़क मार्ग की है। पुलिस ने जानकारी देते बताया बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात्रि डायल 112 को सड़क हादसे की सूचना मिली। पुलिस जब घटना स्थल पर पहुंची तो घायल शख्स लक्ष्मीचंद पिता बलिराम केवट उम्र 55 निवासी गजपुर को संजीवनी 108 एम्बुलेंस से सरकारी अस्पताल कटंगी लाकर भर्ती करवा दिया गया था। पुलिस ने अपनी शुरुआती जांच में यह पाया है कि अज्ञात दो पहिया वाहन की टक्कर से हादसा हुआ है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच विवेचना शुरू कर दी है वही मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

संपादकीय

संबंधों को सहज बनाने के अवसर

पिछले कुछ समय से भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह के उतार-चढ़ाव लगातार कायम हैं, उसमें फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना मुश्किल है। मगर यह जरूर कहा जा सकता है कि अब फिर से संबंधों को सहज बनाने के अवसर निकाले जा रहे हैं, माहौल को सकारात्मक बनाया जा रहा है। मसलन, दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सीईओ शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ अमेरिका व्यापार समझौता कर रहा है। दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से गुरुवार को कहा गया कि अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह परियोजना पर अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत को छह महीने की छूट दी है। गौरतलब है कि सितंबर के आखिर से अमेरिका ने चाबहार बंदरगाह का संचालन करने वालों पर प्रतिबंध लागू कर दिया था। दरअसल, भारत ने पिछले वर्ष मई में चाबहार बंदरगाह के संचालन के लिए अगले दस वर्षों तक के लिए एक

यों भारत ने अपनी तरफ से किसी ऐसी नीति पर चलने का फैसला नहीं किया है, जिससे ऐसा लगे कि वह अमेरिका के हाल के फैसलों के खिलाफ कोई कदम उठा रहा है। मगर अमेरिका ने जब से अपने यहां आयातित वस्तुओं पर शुल्क लगाने की नीति लागू की और उसका दायरा बढ़ाता गया, उसमें यह साफ दिखा कि उसके मुख्य निशाने पर भारत है।

अनुबंध किया था। इससे भारत को मध्य एशिया के देशों के साथ व्यापार बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। यह इस लिहाज से अहम है कि विदेश की धरती पर भारत को पहली बार किसी बंदरगाह के प्रबंधन की जिम्मेदारी मिली थी।

चाबहार बंदरगाह को अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के लिए काफी महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इस मार्ग से भारत के लिए यूरोप तक पहुंचना आसान हो जाएगा। साथ ही इससे ईरान तथा रूस को भी लाभ मिल सकता है। मगर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने जब दूसरे देशों को अपनी नीतियों के मुताबिक संचालित करने के मकसद से शुल्क लगाने की घोषणा की, तब उसके लिए कुछ अन्य कदम भी उठाए, जिसमें रूस से तेल खरीदने के मसले पर भारत पर जुर्माना लगाने से लेकर चाबहार बंदरगाह का संचालन करने वालों पर पाबंदी लगाना भी शामिल था। जाहिर है, यह नीति वास्तव में एक स्थिति से निपटने के लिए दूसरी नई समस्याओं को गढ़ना था, जिसका कोई औचित्य नहीं था। यह बेवजह नहीं है कि ट्रंप को अपनी ही घोषित नीतियों पर नरम पड़ने या उसमें बदलाव करने की जरूरत महसूस होती रही है। पिछले कुछ महीनों के दौरान अलग-अलग मुद्दों पर अपनी घोषणाओं के मसले पर उनके रुख में कई बार बदलाव देखा गया।

यों भारत ने अपनी तरफ से किसी ऐसी नीति पर चलने का फैसला नहीं किया है, जिससे ऐसा लगे कि वह अमेरिका के हाल के फैसलों के खिलाफ कोई कदम उठा रहा है। मगर अमेरिका ने जब से अपने यहां आयातित वस्तुओं पर शुल्क लगाने की नीति लागू की और उसका दायरा बढ़ाता गया, उसमें यह साफ दिखा कि उसके मुख्य निशाने पर भारत है। अमेरिका की शुल्क नीति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक तरह से अघोषित व्यापार युद्ध की स्थिति पैदा करने की कोशिश के तौर पर देखा गया। यह स्वाभाविक ही है कि इससे प्रभावित होने वाला कोई भी देश अपनी स्थिति को संतुलित रखने के लिए वैकल्पिक उपायों की खोज करता। भारत के सामने भी यही स्थिति है और इसी क्रम में इसने रूस के साथ तेल सौदे से लेकर कूटनीतिक कोशिशों सहित अन्य कई पहलकदमी की। अब अगर अमेरिका संबंध सहज करने के मकसद से फिर नए रास्ते तैयार करने की कोशिश में है, तो इसे सकारात्मक माना जा सकता है। यों भी, दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाना वक्त की जरूरत है, जिसका प्रभाव दूरगामी होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस दिशा में अमेरिका अब कोई ठोस कदम उठाएगा।

एक नए दौर में विश्व के धुरंधरों की कूटनीति

कौन जीता, कौन हारा

महान सैन्य रणनीतिकार सुन त्जू ने अपनी पुस्तक द आर्ट ऑफ वार में लिखा था कि असली कौशल तो बिना लड़े ही दुश्मन को परास्त करने में है। ट्रंप भले ही चीन के साथ हुई बैठक के नतीजों को अपनी जीत की तरह दिखा रहे हैं, लेकिन गहरा विश्लेषण कुछ और ही इशारा कर रहा है।

भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी बैठक को %एक बड़ी सफलता% बताया है, लेकिन हकीकत यह है कि अमेरिका और चीन के बीच द्विपक्षीय रिश्ते में अगर हाल में इतनी तल्खी आई है, तो इसके जिम्मेदार ट्रंप ही हैं। उन्होंने एक ऐसी व्यापार जंग की शुरुआत की, जिसमें बाशिंगटन लगातार पिछड़ता जा रहा है। बृहस्पतिवार को हुई बैठक में जो समझौते हुए हैं, उनका पलड़ा चीन के पक्ष में ही झुका है, जिससे अमेरिका की शक्ति और प्रभाव, दोनों कमजोर पड़ सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप को लगता था कि चीन अमेरिका से जितना आयात करता है, उससे अधिक अमेरिका को निर्यात करता है। इसलिए, उन्होंने जल्दबाजी में चीन के खिलाफ उच्च टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। मगर वह यह समझने में विफल रहे कि चीन सोयाबीन जैसी जिन वस्तुओं की खरीद अमेरिका से करता है, उन्हें वह आसानी से अन्य देशों से भी हासिल कर सकता है। दूसरी ओर, बीजिंग अब दुर्लभ मृदा खनिजों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन चुका है, जिनके लिए अमेरिका के पास कोई वैकल्पिक स्रोत नहीं है।

वर्तमान में चीन दुनिया के लगभग 90 फीसदी दुर्लभ मृदा खनिजों पर नियंत्रण रखता है। वह छह भारी दुर्लभमृदा खनिजों का एकमात्र आपूर्तिकर्ता है और दुर्लभ मृदा चुंबकों के क्षेत्र में भी उसका लगभग पूरा दबदबा है। दुर्लभ धातुएं और उनसे बने चुंबक आधुनिक उद्योग जगत के अनिवार्य घटक हैं। ये ड्रोन, ऑटोमोबाइल, हवाई जहाज, पवन टर्बाइन के अलावा विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक और सैन्य उपकरणों के निर्माण के लिए बेहद जरूरी होते हैं। इनके बिना कई अमेरिकी कारखाने बंद हो सकते हैं और इसका सीधा असर सैन्य आपूर्तिकर्ताओं पर भी पड़ेगा। एक पनडुब्बी निर्माण में लगभग चार टन तक दुर्लभ धातुओं की आवश्यकता होती है।

वर्तमान में चीन दुनिया के लगभग 90 फीसदी दुर्लभ मृदा खनिजों पर नियंत्रण रखता है। वह छह भारी दुर्लभमृदा खनिजों का एकमात्र आपूर्तिकर्ता है और दुर्लभ मृदा चुंबकों के क्षेत्र में भी उसका लगभग पूरा दबदबा है। दुर्लभ धातुएं और उनसे बने चुंबक आधुनिक उद्योग जगत के अनिवार्य घटक हैं। ये ड्रोन, ऑटोमोबाइल, हवाई जहाज, पवन टर्बाइन के अलावा विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक और सैन्य उपकरणों के निर्माण के लिए बेहद जरूरी होते हैं। इनके बिना कई अमेरिकी कारखाने बंद हो सकते हैं और इसका सीधा असर सैन्य आपूर्तिकर्ताओं पर भी पड़ेगा। एक पनडुब्बी निर्माण में लगभग चार टन तक दुर्लभ धातुओं की आवश्यकता होती है।

ऐसे में, यह प्रत्याशित ही था कि किसी विवाद की स्थिति में चीन दुर्लभधातुओं पर अपने नियंत्रण को हथियार के रूप में इस्तेमाल करेगा, जैसा उसने 2010 में जापान के साथ किया था। और हुआ भी वही। ट्रंप द्वारा टैरिफ घोषणा के महज दो दिन बाद ही चीन ने कुछ मृदा खनिजों पर निर्यात प्रतिबंध लागू कर दिया, जिसे इस महीने बढ़ा भी दिया गया। जल्द ही यह साफ हो गया कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका को अपने नियंत्रण में ले लिया है, क्योंकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था चीन की दुर्लभ मृदा धातुओं पर उससे कहीं अधिक निर्भर है, जितना चीन अमेरिकी सोयाबीन पर है।

इस समझौते के अनुसार, अमेरिका ने तत्काल प्रभाव से टैरिफ में दस फीसदी की कटौती की है, बदले में चीन ने फिर से अमेरिका से सोयाबीन खरीदने, दुर्लभ मृदा खनिजों का निर्यात जारी रखने और फेटानिल के अवैध व्यापार के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। सतही तौर पर यह स्थिति व्यापारिक युद्ध से पहले की सामान्य अवस्था में लौटने जैसी लग सकती है, पर अमेरिका का यह कदम आत्मसमर्पण करने और व्यापार युद्ध में कमओर पड़ने जैसा ही है, जिसकी शुरुआत उसने खुद की थी। ऐसा इसलिए है, क्योंकि इस विवाद ने बीन को अपने दुर्लभ मृदा खनिजों पर नियंत्रण को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने और इसे अनिश्चितकाल तक अमेरिका पर दबाव बनाने का अवसर दिया।

हाल ही में, एक सम्मेलन में, मैंने अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञों से पूछा कि कौन सोचता है कि अमेरिका व्यापार युद्ध जीत रहा है, कौन मानता है कि चीन जीत रहा है और कौन कहता है कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी? अधिकांश विशेषज्ञों का मानना था कि चीन इस संघर्ष में स्पष्ट रूप से आगे है और अब उसके पास निर्णायक बढ़त मौजूद है। ट्रंप ने ऐसे समय में चीन को दुर्लभ मृदा खनिजों को हथियार बनाने के लिए उकसाया, जब अमेरिका के पास उसका वैकल्पिक स्रोत खोजने का कोई तरीका नहीं है। वास्तव में, पिछले कुछ वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपतियों को दुर्लभ मृदा की खदानों और रिफाइनरियों के विकास के लिए और भी कड़ी मेहनत करनी चाहिए थी। कनाडा स्थित प्रमुख खनन कंपनी पावर मेटालिक माइंस के सीईओ टेरी लिंच ने मुझे बताया कि पश्चिम को दुर्लभ मृदा श्रमता विकसित करने के लिए मैनहट्टन प्रोजेक्ट के स्तर की मुहिम की आवश्यकता है, लेकिन इतनी व्यापक पहल के बाद भी परिणाम सामने आने में संभवत: यांच से सात साल लगेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस अंतरिम समय में अमेरिका को चीन के साथ समझौता करना ही पड़ेगा।

असल में, ट्रंप ने व्यापार युद्ध शुरू किया और जल्द ही उन्हें महसूस हुआ कि वह टैरिफ को हथियार की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन यह उन पर ही भारी पड़ा, या यूं कहें कि शिकारी खुद शिकार हो गया। इसलिए, उन्होंने चीन को कुछ रियायतें देने की दिशा में कदम बढ़ाया। ट्रंप ने चीन को चिप निर्यात करने के नियमों में ढील दी। गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के बावजूद उन्होंने टिकटॉक को अमेरिका में प्रतिबंधित नहीं किया। उन्होंने ताइवान के राष्ट्रपति के अमेरिकी दौरे को रोक दिया और उसे हथियार बेचने में भी देरी की। जैसा कि सेंटर फॉर अमेरिकन प्रोग्रेस ने कहा है कि चीन के प्रति ट्रंप प्रशासन की नीति एक रणनीतिक गिरावट में जा पहुंची है।

शी जिनपिंग अमेरिका की कमजोरी से वाकिफ हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया कि द्विपक्षीय संबंधों में उनका पलड़ा अमेरिका से भारी है और ट्रंप कमजोर हैं, जो दबाव में सुरक्षा से जुड़े मामलों में झुक जाएंगे। भले ही चीन दुर्लभ धातुओं के निर्यात जारी रखने पर सहमत हो गया है, लेकिन इस बात की उम्मीद कम है कि वह अमेरिका को इन धातुओं के लिए भंडार बनाने की अनुमति देगा। असल में शी जिनपिंग जो कर रहे हैं, वह किसी हद तक वही है, जो अमेरिका पहले चीन के साथ करता आया है।

महान सैन्य रणनीतिकार सुन त्जू ने अपनी पुस्तक द आर्ट ऑफ वार में लिखा था कि 100 लड़ाइयों में 100 जीत हासिल करना कौशल की सवर्वोच्च सीमा नहीं है। असली कौशल तो बिना लड़े ही दुश्मन को परास्त करना है। शायद यही तरीका शी जिनपिंग भी अपना रहे हैं। इस बैठक में ताइवान के मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं हुई, जो चीन की बढ़त को दर्शाता है। इसलिए, ट्रंप व जिनपिंग के बीच हुए समझौते को देखकर खुश होने की जरूरत नहीं है। हकीकत यह है कि इससे अमेरिका महज एक व्यापार युद्ध नहीं हारा, बल्कि काफी हद तक अपनी वैश्विक साख और प्रभाव को भी खोया है। दुनिया इसे अमेरिका के पतन के संकेत के रूप में देख सकती है।

- निकोलास क्रिस्टाफ
अमरीकी पत्रकार

आप एक पवित्र यात्रा के पड़ाव पर हैं

जैसे राजा मिडास जिस भी वस्तु को छूता था, वह सोने की हो जाती थी, उसी तरह, आप भी जीवन में अपने स्वास्थ्य, रिश्तों और रोजमर्रा के पलों को कृतज्ञता और जागरुकता से स्वर्ण की तरह चमकाएं।

कल्पना कीजिए कि एक दिन आप जागते हैं और खुद को कांटेदार तारों की बाड़ के पीछे एक यातना शिविर के कैदी के रूप में पाते हैं, जहां से निकलना नामुमकिन है। अधिकांश लोग वृद्धावस्था को इसी तरह देखते हैं और इससे बचना चाहते हैं। समान अक्सर युवावस्था और सुंदरता की प्रशंसा करता है, जिसके कारण वृद्धावस्था को नजरअंदाज किया जाता है या इसे नकारात्मक रूप से देखा जाता है। वृद्धावस्था कोई सजा नहीं, बल्कि एक पवित्र यात्रा है, जिसे आप गरिमा और आनंद के साथ जी सकते हैं। बुजुर्ग युवाओं के भविष्य का एक जीवंत प्रतिबिंब होते हैं, लेकिन समाज द्वारा वृद्धावस्था को नकारने के कारण ये लोग लगभग अदृश्य हो जाते हैं। अपनी वृद्धावस्था को समझने और सुंदर बनाने हेतु किसी बुजुर्ग को देखने के लिए कुछ पल निकालें और उसे पवित्र प्रतीक के रूप में चित्रित करें। बुजुर्गों के साथ ऐसा व्यवहार न करें, जिससे लगे कि वे हैं ही नहीं।

इसके अतिरिक्त उनके प्रति प्रेमभाव रखें, उनका वैसा ही सम्मान करें, जैसा आप अपनी वृद्धावस्था में पाना चाहेंगे। जीवन दयालु शब्दों और शालीन व्यवहार से पोषित होता है। अशिष्टता और विचारशीलता की कमी आध्यात्मिकता की कमी को दर्शाती है। वृद्धावस्था में दूसरों की मदद लेनी पड़ सकती है, लेकिन इसे लेकर शर्मिंदा न हों। सूफी संत रूमी के अनुसार, मुश्किलों को स्वीकार करने से नए रास्ते खुलते हैं। जब आप अपनी समस्याओं को अपनाते हैं, तो आप उन्हें एक अवसर के रूप में देख सकते हैं, जो आपको विकास तथा नई संभावनाओं की ओर ले जाता है। अपने बुढ़ापे को हमेशा स्वर्णिम रखने के लिए आज से ही अपनी जिंदगी में राजा मिडास की तरह काम करना शुरू करें। राजा मिडास जो कुछ भी छूता था, वह सोना बन जाता था। आप भी अपनी जिंदगी की हर चीज, अपना स्वास्थ्य, अपने रिश्तों, अपने रोजमर्रा के पलों को कृतज्ञता और जागरूकता से सोने की तरह चमकदार बनाएं। हर दिन छोटी-छोटी चीजों को खास बनाएं, ताकि आपका बुढ़ापा संतुष्टि एवं खुशियों से भरा रहे।

- एडवर्ड एम्हाक

बिहार की राजनीति की विचार मीमांसा

वादे हैं, वादों का क्या

बिहार की राजनीति ने लोगों को जातियों के विभाजनकारी गणित में फंसाकर अंधेरे में छोड़ दिया है। प्रति व्यक्ति आय, बेरोजगारी, शिक्षा इत्यादि के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि बिहार कहां खड़ा है। चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के वायदों ने राज्य को राजनीतिक विरोधाभासों की जीवंत प्रयोगशाला बना दिया है।

बिहार एक ऐसा राज्य है, जो आकांक्षाओं से लबालब होने के बावजूद अभावों की तस्वीर पेश करता है। वहां की राजनीति ने लोगों को जातियों के विभाजनकारी गणित में फंसाकर अंधेरे में छोड़ दिया है। बिहार इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह 25 वर्ष से कम आयु की सबसे युवा आबादी का घर है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि जीडीपी के पैमाने पर यह अपनी युवा जनसांख्यिकी से काफी नीचे है। बिहार में 13 करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं, जो भारत की आबादी का लगभग दसवां हिस्सा है। भारत की 331 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था में इसका योगदान लगभग 3.2 प्रतिशत या मौजूदा कीमतों पर 10.97 लाख करोड़ रुपये है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में देश में कर्नाटक शीर्ष पर है, जहां प्रति व्यक्ति आय 3.80 लाख रुपये सालाना है, राष्ट्रीय औसत 2.35 लाख रुपये है, जबकि बिहार की प्रति व्यक्ति आय सालाना 66,828 रुपये है, जो राष्ट्रीय औसत के एक-चौथाई और कर्नाटक की प्रति व्यक्ति आय के छठे हिस्से से भी कम है। बिहार में भी शिवहर, मधुबनी और अररिया जिलों की स्थिति और भी खराब है, जहां प्रति व्यक्ति आय राज्य के औसत का एक-तिहाई है।

प्रगति के मार्ग पर आज बिहार कहां खड़ा है? आज राज्य की प्रति व्यक्ति आय उतनी ही है, जितनी 2012-13 में भारत की थी। 13.1 करोड़ से ज्यादा की आबादी के साथ बिहार ब्रिटेन और फ्रांस की संयुक्त आबादी जितना बड़ा है। वास्तव में, बिहार मेक्सिको के साथ, जिसकी जीडीपी 18 खरब डॉलर है, 11वें सबसे बड़े देश के रूप में गिना जाएगा। लेकिन लगभग 125 अरब डॉलर के साथ, यह जीडीपी रैंकिंग में इक्वाडोर और प्यूर्टो रिको के साथ साठ के दशक में होगा।

बिहार की यह स्थिति कई जटिल कारणों से है। राज्य में कराए गए जाति सर्वेक्षण के अनुसार, मुश्किल से 15 फीसदी लोगों ने दसवीं उत्तीर्ण की है और मात्र छह फीसदी लोग ही स्नातक हैं। स्कूलों तक पहुंच पर संसदीय रिकॉर्ड में इसका एक कारण स्पष्ट है। बिहार के एक-तिहाई

गांवों में प्राथमिक विद्यालय नहीं हैं, 40 फीसदी गांवों में उच्च प्राथमिक विद्यालय नहीं हैं, मात्र 8.5 फीसदी गांवों में माध्यमिक स्कूल हैं और मात्र पांच फीसदी गांवों में उच्च माध्यमिक स्कूल हैं। विकास के मामले में नीति आयोग ने बिहार को राज्यों में 28वें स्थान पर रखा है और पांच वर्षों में उसे मात्र 255 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है।

बिहार के आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, मात्र 6.7 फीसदी श्रमिक सरकारी या सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में कार्यरत हैं। आप सोचेंगे कि इतनी युवा आबादी वाला राज्य कौशल विकास के लिए धन का उपयोग कर सकता है। जुलाई, 2024 में केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि उसने कौशल भारत अभियान के तहत बिहार को कौशल विकास योजना के लिए 128.66 करोड़ रुपये आवंटित किए। उसमें से मात्र 36.82 करोड़ रुपये ही जारी किए गए, जिनमें से मुश्किल से 5.96 करोड़ रुपये का ही उपयोग किया गया। वर्ष 2015 से 2022 के बीच, कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 7.59 लाख लोगों में से केवल 1.27 लाख लोगों को ही नौकरी मिली।

विडंबना यह है कि बिहार की विपत्तियां हर सरकार में कायम रही हैं। बिहार में 1989 से %कांग्रेस-मुक्त% और 2005 से %जंगलराज-मुक्त% शासन रहा है। लगभग दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार की सत्ता में हैं, फिर भी बिहार की स्थिति बदहाल है। चुनाव आयोग ने चुनावों की तारीख घोषित कर दी है। यही वह मौसम है, जब धूल-गर्मी, शोर-शराबे और बयानबाजी के बीच पार्टियां अपने वायदों का पिटारा खोल देती हैं। राजग और राजद के नेतृत्व वाले विपक्षी महागठबंधन के बीच आगामी चनावी मुकाबला, असल में योजनाओं की होड़ है। दरअसल, पार्टियों के चुनावी घोषणापत्र अक्सर राजनीतिक अर्थव्यवस्था की हालत का एक जबर्दस्त सबूत होते हैं।

नीतीश कुमार ने तीन बड़े वायदे किए हैं। अगले पांच वर्षों में एक करोड़ नए रोजगार, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत एक करोड़ से ज्यादा महिलाओं को 10,000 रुपये की नकद राशि, जिसके बाद, आगे भी राशि हस्तांतरित की जाएगी, और स्वयं सहायता भत्ता योजना के तहत बेरोजगार स्नातकों को दो साल तक 1,000 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा, 1.6 करोड़ परिवारों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वायदा भी किया गया है।

राजद के नेतृत्व वाला महागठबंधन भी इसमें पीछे नहीं है। तेजस्वी यादव ने महिलाओं को 2,500 रुपये, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, रियायती दर पर गैस सिलिंडर देने का वायदा किया है। यह अब चुनावों में आम बात हो गई है। हालांकि तेजस्वी ने राज्य के हर परिवार के लिए एक सरकारी नौकरी सुनिश्चित करने वाला कानून बनाने का वायदा करके अपनी रणनीति और भी तेज कर दी है। वायदा है कि शपथ ग्रहण के 20 दिनों के भीतर ऐसा कानून पारित किया जाएगा और 20 महीनों में नौकरियां दी जाएंगी!

ये वायदे हकीकत और कल्पना का मिश्रण हैं। अपने 2025-26 के बजट में, बिहार सरकार ने कुल व्यय 2.94 लाख करोड़ रुपये रखा है। केंद्र सरकार से विभिन्न मदों में 1.5 लाख करोड़ रुपये के हस्तांतरण से केंद्रीय वित्त पोषण पर उसकी निर्भरता स्पष्ट होती है। अनुमान है कि बिहार में लगभग 2.76 करोड़ परिवार हैं। अगर यह मानें कि कम से कम 1.5 करोड़ लोगों को नौकरियां देने के बाद न्यूनतम 20,000 रुपये वेतन दिए जाएंगे, तो रोजगार सृजन बनाम वित्त पोषण का यह गणित हैरान करने वाला है। एक्सिस बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री नीलकंठ मिश्रा के एक शोध में बताया गया है कि बिहार चुनाव-पूर्व वायदों पर अपने जीडीपी (जीएसडीपी) का 2.9 फीसदी खर्च करेगा, जो सभी राज्यों में सबसे ज्यादा है। बेरोजगारी का उच्च स्तर उतना ही चिंताजनक है, जितना कि राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे काल्पनिक वायदे।

बिहार वाकई राजनीतिक विरोधाभासों की जीवंत प्रयोगशाला है। यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उन दरारों का प्रतीक है, जो भारत के उत्थान में बाधक हैं। यहां राजनीतिक गुणवत्ता इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें करोड़ों लोगों का जीवन जुड़ा है। राष्ट्र को निष्क्रियता की जो कीमत चुकानी पड़ेगी, वह राजनीतिक दलों द्वारा टाली जा रही लागत से कहीं ज्यादा होगी!

- शंकर अय्यर
वरिष्ठ पत्रकार

स्टारलिंक ने भारत में परिचालन शुरू किया, टेक्निकल और सिक्योरिटी डेमो रन शुरु

मुंबई।एजेंसी। दुनिया के दिग्गज कारोबारी एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक के भारत में परिचालन शुरू करने और इससे जुड़ी हायरिंग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देती है। स्टारलिंक भारत में आधिकारिक तौर पर अपना परिचालन शुरू कर रहा है और कंपनी ने इस हफ्ते मुंबई में अपने टेक्निकल और सिक्योरिटी डेमो रन भी शुरू कर दिए हैं। कंपनी ने देश में हायरिंग का पहला राउंड शुरू कर दिया है। पहला पद अकाउंटिंग मैनेजर का है, जो इंडियन सब्सिडियरी की फाइनेंशियल रिपोर्टिंग और कंप्लायंस की देखरेख करेगा। इस रोल की जिम्मेदारी बेंगलुरु बेस्ड होगी और इसका काम अकाउंटिंग, रिपोर्टिंग और कानूनी कंप्लायंस फंक्शंस को बनाना और बढ़ाना होगा। कंपनी वैलिड वर्क ऑथराइजेशन वाले लोकल कैंडिडेट्स को प्राथमिकता दे रही है, और इस भूमिका के लिए रिमोट या हाइब्रिड काम के ऑप्शन उपलब्ध नहीं होगा। शुरुआती हायरिंग ड्राइव में फाइनेंसिंग और अकाउंटिंग रोल के लिए पेमेंट मैनेजर, अकाउंटिंग मैनेजर, सीनियर ट्रेजरी एनालिस्ट और टैक्स मैनेजर पदों पर भी नियुक्तियां की जाएंगी। ये सभी भूमिकाएं बेंगलुरु के लिए होंगी। कंपनी मुंबई के चांदीवली इलाके में 1,294 स्क्वायर फीट का ऑफिस स्पेस लगभग 2.33 करोड़ रुपए में पाँच वर्ष की अवधि के लिए लीज पर ले चुकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी भारत के मुंबई, नोएडा, चंडीगढ़, कोलकाता और लखनऊ सहित नौ शहरों में गेटवे स्टेशन की योजना बना रही है, जो भविष्य में सभी भारतीय यूजर्स तक सैटेलाइट सिग्नल पहुंचाएंगे। स्टारलिंक भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने की दिशा में सक्रिय रूप से कदम बढ़ा रही है।

सोने के आभूषणों की मांग 31 फ़ीसदी घटी

मुंबई।एजेंसी। भारत में सोने के आभूषणों का कारोबार दिन प्रतिदिन कम होता जा रहा है। सोने की कीमतों में 60 फ़ीसदी तक की वृद्धि 1 साल में हुई है। दीपावली पर सोना 1,29,584 रुपए के स्तर पर पहुंच गया था। जुलाई और सितंबर के माह में सोने में 85,000 करोड रुपए का शुद्ध निवेश हुआ है। इसी तिमाही में गहनों की मांग लगातार घटती चली गई, जो मात्र 69 फ़ीसदी रह गई है। भारत में सोने की कुल खपत 16 फ़ीसदी घटकर 209.4 टन रह गई है। दीपावली के बाद सोने में गिरावट देखने को मिल रही है। चांदी के दाम में भी गिरावट का रुख देखने को मिला है। 10 ग्राम सोने का मूल्य अब 1,20,628 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार जुलाई से सितंबर माह की तिमाही में भारत में सोने की मांग 20 फ़ीसदी बढ़कर 91.6 टन हो गई। कीमतों में 67 फ़ीसदी की वृद्धि हुई। एक तिमाही में सोने की सबसे ज्यादा कीमतें जुलाई से सितंबर के बीच में बढ़ी है।

आभूषण में 31 फ़ीसदी की कमी

जुलाई सितंबर माह की तिमाही में गहनों के लिए सोने की मांग 31 फ़ीसदी घटकर 117.7 टन रह गई है। सोने के दाम लगातार बढ़ने के कारण आभूषणों की मांग बाजार में लगातार घटती चली जा रही है। वहीं सोने में निवेश करने वालों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। सितंबर माह तक गोल्ड ईटीएफ में निवेश 8363 करोड रुपए का हुआ है। जो एक रिकॉर्ड है।

1 नवंबर से बदलेंगे कई अहम नियम, जेब और रोजमर्रा की जिंदगी पर होगा असर

नई दिल्ली। एजेंसी। नवंबर की शुरुआत के साथ ही कई ऐसे नियम लागू हो रहे हैं जिनका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ेगा। 1 नवंबर से बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, पेंशन और गैस सिलेंडर से जुड़ी नीतियों में बदलाव किए गए हैं। नए नियम के अनुसार एक बैंक अकाउंट में अब अधिकतम चार नॉमिनी जोड़े जा सकेंगे। खाता धारक चाहें तो सभी नॉमिनी एक साथ या सक्सेशन ऑर्डर में तय कर सकते हैं। इससे वारिसी विवाद कम होंगे और क्लेम प्रक्रिया आसान होगी। एसबीआई कार्ड ने फीस स्ट्रक्चर में बदलाव किया है। अब सीआरईडी, चेक जैसे थर्ड पार्टी ऐप्स से एजुकेशन फीस देने पर एक फीसदी चार्ज लगेगा। 1,000 से ज्यादा वॉलेट लोड करने पर भी यही शुल्क लागू होगा। पेंशनर्स को 1 से 30 नवंबर के बीच लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना होगा। वहीं एनपीएस से यूपीएस में स्विच करने की आखिरी तारीख बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी गई। हर महीने की तरह 1 नवंबर को भी घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में संशोधन किया जा सकता है।

हिंदुस्तान प्लैटिनम भारत में 'स्पेंट कैटेलिस्ट' के आयात पर कर रही है विचार

सिंगापुर।एजेंसी। हिंदुस्तान प्लेटिनम, कीमती धातुओं के परिशोधन और विनिर्माण में अग्रणी कंपनी, पश्चिम एशिया, एशिया और यूरोप के तेल शोधन संयंत्रों से उपयोग किए गए उत्प्रेरक (स्पेंट कैटेलिस्ट) आयात करने की संभावनाओं का अध्ययन कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसका उद्देश्य भारतीय उद्योगों के लिए प्लेटिनम, पैलेडियम, चांदी और अन्य कीमती धातुओं की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि कंपनी एक वैश्विक आपूर्ति नेटवर्क विकसित कर रही है। इन स्पेंट कैटेलिस्ट से धातुएँ निकालकर इलेक्ट्रॉनिक, विद्युत, वस्त्र, रेशा, कांच, नाइट्रिक अम्ल और आभूषण उद्योगों को उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनी का प्रमुख आपूर्तिकर्ता भारत, सऊदी अरब, कुवैत, कतर, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात हैं। कंपनी नवंबर में फ्रांस के केन्स में आयोजित 'यूरोपीय रिफाइनिंग टेक्नोलॉजी सम्मेलन' में बेल्जियम, जर्मनी, इटली और पोलैंड के शोधनकर्ताओं से चर्चा करेगी। इसी तरह, सिंगापुर इंटरनेशनल एनर्जी वीक के दौरान सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड के तेल शोधन संयंत्रों के साथ संभावित आपूर्ति पर बातचीत हुई। हिंदुस्तान प्लेटिनम प्लेटिनम, पैलेडियम और चांदी की उत्पादन क्षमता बढ़ा रही है। साथ ही, कंपनी नवीकरणीय ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा क्षेत्र में भी प्रवेश कर रही है। अगले साल जून में अमेरिका में होने वाले 'इंटरनेशनल प्रेशियस मेटल इंस्टीट्यूट सम्मेलन' में अमेरिकी परिशोधन कंपनियों के साथ आपूर्ति समझौते पर विचार किया जाएगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई।एजेंसी। भारतय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 465.75 अंक नीचे आकर 83,938.71 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 155.75 अंक टूटकर 25,722.10 पर बंद हुआ। आज बाजार के अधिकतर सूचकांक गिरावट पर बंद हुए। सबसे अधिक गिरावट निफ्टी मीडिया, निफ्टी मेटल, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कमोडिटीज में दर्ज की गई जबकि निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी पीएसई में तेजी रही। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी नीचे आया। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 270.35 अंक की गिरावट के साथ 59,825.90 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 88.90 अंक की कमजोरी के साथ 18,380.80 पर था। सेंसेक्स पैक में बीईएल, एलएंडटी, टीसीएस, आईटीसी और एसबीआई के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे थे। वहीं एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक,

आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा के शेयर गिर हैं। बाजार जानकारों के अनुसार आज बाजार में गिरावट का कारण, फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल की ओर से ब्याज दरों पर नकारात्मक टिप्पणी रही जिससे विदेशी निवेशकों ने निकासी शुरु कर दी। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत हल्की गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स 84,379.79 पर खुला। वहीं निफ्टी 25,863.80 के स्तर पर खुला। आज एशियाई बाजारों में थोड़ी बढ़त देखने को मिली। निवेशकों को उम्मीद है क्योंकि अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम हो गया है। जापान का निक्केई इंडेक्स एक फीसदी से ज्यादा बढ़कर नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। टॉपिक्स इंडेक्स भी 0.79 फीसदी ऊपर रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स पिछले दिन के रिकॉर्ड के बाद 0.19 फीसदी गिरा, जबकि कोसडैक इंडेक्स 0.47 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स भी 0.45 फीसदी ऊपर खुला। वहीं अमेरिकी बाजारों में कल गिरावट रही। एसएंडपी 500 0.99 फीसदी टूटा, नैस्डैक 1.58 फीसदी नीचे और डॉव जोन्स 0.23 फीसदी गिरा।

घाटे में चल रही एयर इंडिया ने मांगी 1.1 अरब डॉलर की मदद

नई दिल्ली। एजेंसी। टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया एक बार फिर सुर्खियों में है। ब्लूमबर्ग और रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार एयर इंडिया अपने दो मुख्य शेयरधारकों टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस से 1.1 अरब डॉलर (करीब 10,000 करोड़ रुपए) की अतिरिक्त फंडिंग की मांग करने वाली है। यह राशि एयरलाइन को मौजूदा घाटे से उबरने, तकनीकी सिस्टम को आधुनिक बनाने और अपना खुद का इंजीनियरिंग एवं मेंटेनेंस विभाग स्थापित करने के लिए चाहिए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मदद या तो इक्विटी निवेश के रूप में या बिना ब्याज के ऋण (इंटरेस्ट-फ्री लोन) के रूप में मिल सकती है। अंतिम निर्णय अभी लंबित है। कंपनी पिछले कुछ समय से ऑपरेशनल चुनौतियों और सेफ्टी कंसर्न्स का सामना कर रही है। जून 2025 में अहमदाबाद में हुए बोइंग 787 ड्रीमलाइनर हादसे ने एयरलाइन की स्थिति को और कठिन बना दिया, जिसमें लगभग सभी यात्रियों की मौत हो गई थी। इसके बाद एविएशन रेगुलेटर ने कड़ी जांच शुरू की और एयर इंडिया की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 15 फीसदी तक कम करनी पड़ीं। वित्त वर्ष 2024-25 में एयर इंडिया को करीब 8,000 करोड़ रुपए से अधिक का घाटा हुआ है। साथ ही पाकिस्तान के साथ सीमा तनाव के कारण उड़ान मार्ग लंबा होने से ईंधन लागत बढ़ी और राजस्व घटा। इन परिस्थितियों में सिंगापुर एयरलाइंस अब एयर इंडिया के इंजीनियरिंग, ऑपरेशंस और सर्विसेज के क्षेत्रों में सक्रिय रूप से सहयोग कर रही है।

पीली मटर पर 30 फीसदी आयात शुल्क, चाट-पकौड़े महंगे होने की संभावना

नई दिल्ली।एजेंसी। सरकार ने 1 नवंबर से पीली मटर के आयात पर 30 फीसदी शुल्क लगाने का निर्णय लिया है। अब तक पीली मटर पर कोई आयात शुल्क नहीं था और मई 2025 में मार्च 2026 तक शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी गई थी। नए नियम के तहत, यदि बिल ऑफ लैडिंग 1 नवंबर या उसके बाद जारी होता है, तो उस पर 10 फीसदी बेसिक ड्यूटी और 20 फीसदी एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस (एआईडीसी) यानी कुल 30 फीसदी टैक्स लगेगा। पीली मटर

चाट, टिक्की, समोसा, कचौड़ी और पकौड़ों जैसी लोकप्रिय स्ट्रीट फूड व्यंजनों में अहम सामग्री है। भारत में पीली मटर की उत्पादन मात्रा बहुत कम है। वित्त वर्ष 2024 में देश में कुल दलहन उत्पादन 2.45 करोड़ टन था, जबकि पीली मटर केवल 12-15 लाख टन रही। वहीं देश में कुल दलहन की खपत 2.7 करोड़ टन है, जिसके कारण भारत को हर साल लगभग 25 लाख टन दालें आयात करनी पड़ती हैं। भारत अपनी जरूरत की अधिकतर पीली मटर कनाडा और रूस से आयात करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में देश ने करीब 20 लाख टन पीली मटर आयात की थी, जो पिछले साल 30 लाख टन तक पहुंच गई थी। 30 फीसदी टैक्स लगने के बाद आयात महंगा हो जाएगा। महंगी मटर के कारण चाट, समोसा, कचौड़ी और पकौड़ों की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। छोटे स्ट्रीट फूड विक्रेता अब महंगा मटर खरीदने में कठिनाई महसूस करेंगे और इसका असर सीधे ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा।

मेष- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। ससुराल पक्ष से कोई व्यक्ति आपसे मेल मिलाप करने आ सकता है। अपनी माताजी से किसी बात को लेकर नराज हो सकते हैं। अपनी संतान को संस्कारों व परम्पराओ का पाठ पढ़ाएंगे। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आप वरिष्ठ सदस्यों की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालेंगे और उनके मन में चल रही दुविधा को भी दूर करने की कोशिश करेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए कारोबार में अच्छा रहने वाला है। आप किसी महत्वपूर्ण चर्चा में सम्मिलित हो सकते हैं, वहां आप अपनी बात अवश्य रखें। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को साथी से किसी बात को लेकर बहस बाजी होने की संभावना है। आपको वरिष्ठ सदस्यों व मित्रों का पूरा साथ बना रहेगा। आप अपने किसी मित्र से यदि धन उधार ले, तो आप उनकी मदद अवश्य करें। आपको कोई पैरों से संबंधित समस्या हो सकती है।

मिथुन- आज भाग्य मजबूत रहने से आपका मन काफी खुश रहेगा। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा, लेकिन परिवार के किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से भाग दौड़ बनी रहेगी। अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखे और आपको किसी नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा। आप शेयर मार्केट आदि में भी इन्वेस्टमेंट करने की प्लानिंग कर सकते हैं। दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं।

कर्क- आज आपको किसी वाद विवाद में पढ़ने से बचना होगा। आप यदि कोई काम करे, तो उसे जिम्मेदारी से करें। आपके कार्य क्षेत्र में छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा। यदि आपको कोई व्यर्थ की चिंता थी, तो वह भी दूर होगी। आपको कोई कानूनी मामला टेंशन दे सकता है, जिसमें आप किसी अच्छे वकील से परामर्श ले, तभी आप उससे बाहर निकल सकेंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए किसी नए घर मकान आदि की खरीदारी के लिए अच्छा रहेगा, लेकिन आपको उसके जरूरी कागजातों पर पूरा ध्यान देना होगा। आप अपने करियर को लेकर कोई टेंशन ले रहे थे, तो उसमें भी आपकी समस्या दूर होगी, लेकिन पारिवारिक मामलों को आप घर में मिल बैठकर ही निपटाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। राजनीतिक की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को एक दूसरे को पहचानने की आवश्यकता है, क्योंकि उन्हें कोई फैसला सोच समझ कर लेना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए निवेश संबंधी मामलों में अच्छा रहने वाला है। आप अपने कामों को लेकर मेहनत से बिल्कुल पीछे न हटे, क्योंकि आपके परिवार में किसी सदस्य से काम को लेकर बहस बाजी हो सकती हैं। यदि आपने अपने स्वास्थ्य मे कुछ समस्याएं महसूस की थी, तो वह आपके लिए सिर दर्द बनेगी। संतान को तरक्की करते देख आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपके मन में खुशियां रहेंगी और आप अपने कामों से अपने बॉस को खुश रखेंगे, जिससे वह आपके प्रमोशन की बात को भी आगे बढ़ा सकते हैं, लेकिन आप महिला मित्रों से थोड़ा दूरी बनाकर रखे। आप अपने कुछ मनमौजी खर्चों को लेकर किसी से धन उधार ले सकते हैं। आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट जीवन साथी की ओर से मिल सकता है। आप अपने माता-पिता से कोई ऐसी बात न बोले, जो कि उन्हें बुरी लगे।

वृश्चिक- आज आपको भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा। आप किसी बात को लेकर जिद्द व अहंकार न दिखाएं। आप का रुका हुआ धन मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा और कार्य क्षेत्र में कोई आपके ऊपर झूठा आरोप लगाने की कोशिश कर सकता है। यदि ऐसा हो, तो आप उसमें अपनी बात लोगों के सामने अवश्य रखें। विद्यार्थियों की पढ़ाई लिखाई से संबंधित कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

धनु- आज आपको कुछ नये संपर्कों से लाभ मिलेगा। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करेंगे। सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़कर आप अच्छा नाम कमाएंगे। आपको किसी सरकारी योजना में इन्वेस्टमेंट करना बेहतर रहेगा और आपको यदि कोई शुभ सूचना सुनने को मिले, तो आप तुरंत आगे ना बढ़ाएं।

मकर- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी कोई पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। आपको किसी से बिना मांगे सलाह लेने से बचना होगा। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकते हैं। आपके घर परिवार में खुशियों भरा माहौल रहेगा और आपकी इच्छा पूरी हो सकती है। आपके पिताजी से आप किसी पारिवारिक काम को लेकर बातचीत करेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। आप अपने टेंशनों के स्तर पर सुधार लाने की पूरी कोशिश करेंगे। आपका आत्मविश्वास मजबूत रहने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने स्वास्थ्य समस्याओं को नजर अंदाज करने से बचना होगा।

मीन- आज का दिन रोजगार की तलाश में लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर चलने की आवश्यकता है, नहीं तो आप अपने खर्चों को अनलिमिटेड बढ़ा सकते हैं, जो बाद में आपके लिए समस्या बन सकते हैं। विदेशों से व्यापार कर रहे लोगों को कोई बेहतर लाभ मिलेगा।

शब्दजाल- 8066

ची	अ	मे	रि	का	पा	तू	फ	न	प	क
न	खु	क	प	इं	डो	ने	शि	या	ड़	क
अ	दा	जा	ला	र	ग	स	द	ह	प	का
जी	ग	ल	पा	ब	दू	स	पा	ह	लि	ल
त	ना	अ	सौ	न	जा	ला	कि	या	प	दे
आ	इ	इ	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	बां
ग	जी	ल	ह	व	प	रि	न	व	प	ग
र	रि	भा	र	त	प	स	रा	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	न	ज	जी	शा	जू	दे
र	ग	ल	प	व	सिं	ब्रा	रु	अ	प	श
बां	स	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	क	र

शब्द जाल में सर्वाधिक जनसंख्या वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

चीन, भारत, अमेरिका, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान, बांगलादेश, रूस, नाइजीरिया, जापान.

शब्दजाल - 8065 का हल

म	क	मु	ग	ल	ए	आ	ज	म	ल	व
द	वि	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	ड़
र	स	ल	म	दी	छ	स	आ	र्म	ख	क
इं	स	ल	न	दि	वा	स	ध	ल	श	क
डि	आ	दो	ग	ल	ज	ना	तू	ग	झ	क
या	ले	द	र	दि	झ	उ	ती	ण	घ	क
ती	व	ल	मी	या	प	बै	जू	बा	व	रा
क	एं	ऊ	ई	द	ब	क	फ	ए	श	क
क	ड	ल	प	र्द	गी	स	री	औ	प	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	द
क	ड	ल	प	या	प	स	व्य	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.19 ब.से
चंद्र	कुंभ में	धनु	09.35 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.40 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.26 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.59 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.30 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.10 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.08 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.21 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		सिंह	00.37 बजे से
		कन्या	02.49 बजे से
		तुला	05.00 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 305 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 09.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 18.21 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 02.09 बजे को रात्र समाप्त।
करण गर 09.12 बजे तदनन्तर वणिज 20.28 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872515
जूलियन दिन 2460980.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 09
विशेष कंस वध, देवउत्थान एकादशी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7010

1			■	2	■	3	4		5
	■	■	6		7	■		■	
8		9	■	10				■	■
	■	11		■		■	12	13	
14			■	15	■	16			■
	■	17	18				■	19	20
■	21	■		■	■	22		■	
23				24	■		■	25	
■		■	■		■	26	27	■	
28		■	29			■	30		■

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7009

अ	नि	ता	■	रो	श	नी	■	धू	म
क्स	■	क	सौ	टी	■	ल	ज्जा	■	स्त
■	अं	त	■	क	स	म	■	भा	■
जो	श	■	कं	प	नी	■	आ	र	जू
रू	■	दि	■	ड़ा	■	जी	न	त	■
का	ज	ल	■	औ	र	त	■	■	पा
गु	■	ज	रू	र	त	■	पा	ल	की
ला	ड़	ला	■	म	न	■	य	■	जा
म	■	■	शा	का	■	जा	ल	■	■
■	फ	र	दी	न	खा	न	■	फि	दा

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः पुरानी नाक

एक गरीब मनुष्य ने देवता से वर प्राप्त किया था। देवता संतुष्ट हो कर बोले तुम ये पासा लो। इस पाँसे को जिन किन्हीं तीन कामनाओं से तीन बार फेंकोगे वे तीनों पूरी हो जाएँगी। वह आनंदोल्लासित हो घर जाकर अपनी स्त्री के साथ परामर्श करने लगा क्या वर माँगना चाहिए। स्त्री ने कहा धन दौलत माँगो किंतु पति ने कहा देखो हम दोनों की नाक चपटी है उसे देख कर लोग हमारी बड़ी हँसी करते हैं। अतः प्रथम बार पाँसा फेंक कर सुंदर नाक की प्रार्थना करनी चाहिए। किंतु स्त्री का मत वैसा नहीं था। अंत में दोनों में खूब तर्क प्रारंभ हुआ। आखरि पति ने क्रोध में आकर यह कह कर पाँसा फेंक दिया - हमें सुंदर नाक मिले, सुंदर नाक मिले, सुंदर नाक मिले। आश्चर्य! जैसे ही उसने पासा फेंका वैसे ही उसके शरीर में तीन नाकें उत्पन्न हो गईं। तब उसने देखा यह तो विपत्ति आ पड़ी। फिर उसने दूसरी बार पासा फेंक कर कहा नाक चली जाएँ। इस बार सभी नाकें चली गईं। साथ ही अपनी नाक भी चली गई। अब शेष रहा एक वर, तब उन्होंने सोचा यदि इस बार पासा फेंक कर चपटी नाक के बदले में सुंदर नाक प्राप्त करें तो लोग अवश्य ही चपटी नाक के स्थान पर अच्छी नाक देख कर उसके बारे में पूछताछ करेंगे। फिर तो हमें सभी बातें बतानी पड़ेगी। तब वे हमें मूर्ख समझ कर हमारी और भी हँसी उड़ाएँगे। कहेंगे कि ये लोग ऐसे तीन वरों को प्राप्त कर के भी अपनी अवस्था की उन्नति नहीं कर सके। यह सोच कर उन्होंने पासा फेंक कर अपनी पुरानी चपटी नाक ही माँग ली। ठीक ही है समझबूझ कर काम न करने वाले लोग अवसरों को अपने हाथ से यों ही गँवा देते हैं। उनका लाभ नहीं उठा पाते।

सूडोकु नवताल- 7319

★★★✫✰ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7318 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 8534

1	2		3		■	4	5	
6		■		■	7			■
	■	8		9	■	■	10	
11			■	12		13		■
	■		■		■		■	14
■	15				■	16		
17		■	■	18	19		■	
■	20	21		■		■	22	
23			■	24				

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8533 का हल

ती	रं	दा	ज	■	को	म	लां	गी
ब्र	■	म	न	भ	र	ना	■	ज
ता	र	■	■	र	■	■	स	र
■	म	■	क	म	र	■	मा	■
प्र	ता	ड़	ना	■	स	र	ज	मीं
■	जो	■	त	र	ना	■	बा	■
बा	गी	■	■	सी	■	■	दी	न
य	■	ल	ची	ला	प	न	■	य
स	ना	त	न	■	र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

विधायक और कलेक्टर ने खेत-खेत जाकर लिया जायजा

राजकुमार कर्राहे ने कलेक्टर के साथ फसलों का किया निरीक्षण कर किसानों से जानी जमीनी हकीकत

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी किरनापुर विधानसभा क्षेत्र में बीते कई दिनों से क्षेत्र के किसान अपनी फसलो की नुकसानी देखकर चितिंत हो रहे है। बेमौसम बारिश और कीट के प्रकोप किसानो की चिंता अत्यधिक बढ़ा दी है आज आलम यह है अधिकतर किसानो की 50 फिसदी से ज्यादा फसले नष्ट होने की कगार पर है। इन्ही सभी समस्याओं को देखते हुये लांजी किरनापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे एवं जिला कलेक्टर मृणाल मीणा के द्वारा राजस्व एवं कृषि अमले के साथ मिलकर क्षेत्र के ग्राम सेवती पंहुचकर फसलों का निरीक्षण किया तथा वस्तु स्थिती को जानते हुये किसानो से फसलो के विषय में चर्चा की गई तथा उन्हे आश्वस्त किया गया।

विधायक और कलेक्टर ने खेत खेत जाकर किया निरीक्षण

निरीक्षण दौरे के दौरान विधायक राजकुमार कर्राहे एवं कलेक्टर मृणाल मीणा के द्वारा किसानों से उनकी फसलों को लेकर चर्चाऐ की गई तो उन्होने बताया कि बेमौसम बारिश के चलते जो फसले कट जानी थी या कटने की कगार पर थी वह कट नही पाई है जहां धान की बालिया आ चुकी लेकिन आलम यह है कि जैसे ही धान की कटाई की जावेगी तो बालिया झडकर नीचे गिर जायेगी जो कि किसान के किसी भी उपयोग मे नही आयेगी। इसके अलावा माहू कीट ने जो नुकसान किया है वह आप देख सकते है। बारिश के चलते जो नुकसान हआ है वह आपके सामने है ऐसे मे किसान क्या करे ऐसे अनेको सवाल किसानो के द्वारा विधायक कर्राहे एवं कलेक्टर मीणा के समक्ष रखे गये। इसी दौरान कलेक्टर बालाघाट के द्वारा कृषि अधिकारियो एवं राजस्व अमले को पूर्ण रूप से सर्वे के निर्देश जारी किये गये है तथा कृषि अधिकारियो से कहा गया है कि किसानो को उनकी फसलो के रखरखाव को लेकर भी आवश्यक जानकारी प्रदान करे। वही कलेक्टर मीणा ने किसानो से कहा है कि हम सभी पैमाने पर सर्वे कार्य करेंगे।

बारिश के पश्चात दोबारा होगा सर्वे - विधायक कर्राहे

ग्राम सेवती मे फसलो के निरीक्षण के पश्चात विधायक राजकुमार कर्राहे ने समस्त जिले के किसानो को आश्वस्त करते हुये कहा है कि हमारे द्वारा सर्वे कार्य करवाया जा रहा है। मैने इस विषय में हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री जी से भी बात कर वस्तु स्थिती उनके समक्ष रखी है। मेरे द्वारा भी लगातार ग्रामो का भ्रमण किया जा रहा है। आज कलेक्टर बालाघाट मीणा जी भी साथ में है। वर्तमान में सर्वे का कार्य प्रारंभ है लेकिन मैने बोला है कि बारिश रूकने तक का इंतजार किया जाये उसके पश्चात दोबारा सर्वे किया जाये ताकि पूर्ण रूप से वस्तु स्थिती हमारे सामने होगी। इसलिये बारिश के पश्चात सर्वे होगा। किसान साथी चिंता ना करे प्रत्येक किसानो को उनकी नष्ट हुई फसलो मुआवजा मिलेगा। वहीं जिन किसानो का सोसायटियो में पंजीयन हुआ है वे गुमराह ना हो यदि आपका पंजीयन हुआ है तो आप आने वाले समय में समर्थन मुल्य पर धान दे पायेंगे।

अतिवृष्टि से फसल को नुकसान-किसान ने खाया कीटनाशक

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिले में हो रही लगातार बारिश तथा कीट के प्रकोप के चलते देखा जा रहा है कि किसानो की फसले नष्ट हो चुकी है। लगभग 50 प्रतिशत फसल पर बडा असर पड़ा है जिसको लेकर किसान साथी जहां मुआवजे सहित सर्वे कार्य की मांग कर रहे है। कर्जा माफी को लेकर ज्ञापन सौंप रहे है वही इस प्रकोप या प्राकृतिक आपदा या कहर का दुष्परिणाम भी सामने आ रहा है जहां किसान को अब अपनी फसले नष्ट या बर्बाद होते देख कीटनाशक का सेवन करना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत केरेगांव में देखने को मिला है जहां एक किसान ने अपने आंखो के सामने फसल को नष्ट होता देख कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या करने की कोशिश की हालांकि अस्पताल पंहुचने के पश्चात त्वरित उपचार मिलने पर किसान सुरक्षित है। जब कािसान से संबध में पुछा गया तो ज्ञात हुआ कि ग्राम केरेगांव निवासी राजकुमार पिता महिपाल टेंभरे उम्र 40 वर्ष जो कि 31 अक्टूबर को अपनी फसलों को देखन के लिये दोपहर लगभग 3 से 4 बजे के मध्य अपने खेत गया था जहां खेत में अपनी फसलो को देखकर किसान राजकुमार का मानसिक संतुलन बिगड गया कि मेरी पुरी मेहनत पर पानी फिर गया है। अब मै क्या करूंगा कैसे मेरे परिवार का जीवन यापन करूंगा इसी पशोपेश में आकर खेत मे ही रखे कीटनाशक दवाई जो कि छिडकांव के लिये लाया था उसका सेवन कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। स्वयं खेत से घर पंहुचा तथा जब उल्टी करने लगा तो घर के लोगो ने पूछा की क्या तो बताया कि मैने जहर पी लिया हू, तुरंत परिजनो ने स्थानीय लोगो की सहायता से राजकुमार को सिविल अस्साल लांजी लाया गया जहां डॉ अनिल राठौर, प्रदीप चौधरी, आशिष भरने, नर्स तुलसी बिसेन के ज्वरित उपचार किया गया जिससे अब राजकुमार की स्थिती खतरे बहार है अग्रिम उपचार जारी है।

माहू कीट और बेमौसम बारिश को लेकर किसानों के साथ जनप्रतिनिधि लामबंद

किसानों के साथ जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के चलते क्षेत्र में जो फसले नष्ट हुई है उसको लेकर क्षेत्र के किसान साथियों के द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर मुख्य्मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। बतादे कि लांजी क्षेत्र में विगत एक पखवाड़े से माहू कीट एवं बेमौसम झमाझम बारिश के चलते अनेको किसानों की फसले नष्ट होने की कगार पर है। अनेको किसानों ने तो धान भी कटाई कर ली थी लेकिन धान उठाने के पहले ही बारिश ने अपना कहर बरपाया और कटी हुई फसल भी किसान के हाथ नही आई तथा पूर्ण रूप से क्षतिपूर्ति किसान को झेलनी पड़ी। इन्ही सभी समस्याओं को लेकर 31 अक्टूबर को क्षेत्र के किसान साथी एवं जनप्रतिनिधि के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम लांजी को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में लेख है कि संपूर्ण बालाघाट जिला धान उत्पादक क्षेत्र है वर्तमान समय धान कटाई का है किसान के द्वारा किये गये परिश्रम का फल अर्जित करने का समय है। किन्तु बादलो के अचानक रंग बदलने से आफती बारिश का दौर सतत जारी है। जिससे किसान निराश एवं तनाव ग्रस्त है। पहले ही कीट प्रकोप से फसलों मे हुई बिमारियो एवं प्याधियों किसान परेशान रहा है। वहीं दुसरी ओर अचानक बारिश से वह हलाकान हो गया है। वर्तमान में किसानों की 50 फिसदी फसल बर्बाद हो चुकी है। शासन के निर्देशानुसार राजस्व अमला सर्वे कार्य कर चिन्हित किसानों को सूचीबद्ध कर रहा है आवश्यकता इस बात कि है की सर्वे को आधार न मानकर प्रत्येक किसान को रगबे के आधार पर क्षतिपूर्ति दी जाये। साथ ही किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ किया जाये। कृषि लागत के अधिक होने से किसान पहले ही शासन के द्वारा घोषित धान

का समर्थन मूल्य 3100 रूपये की मांग कर रहा है। जो अब तक अपूर्ण है बेमौसम बारिश और कीट प्रकोप की दोहरी मार से दुबले पर दो आषाढ़ वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। शासन के द्वारा किसानों के हक में उपरोक्त वर्णीत मांगे नही मानी जाती तो भ्ज्ञविष्य में किसानो को उग्र आंदोलन हेतु बाध्य होना पड़ेगा । ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रमुख रूप से जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सरपंच संघ अध्यक्ष ललित कबीरे, ओकांर रहागडाले, दिनेश लाड़े, मानिक पांचे, चंदु किरनापुरे, ईश्वर उमरे, धनीराम ईनवाती, राजू सोयाम, गणेश बागडे, प्रभुदयाल किरमे, राजेश गुरदे, ताम्रध्वज कालबेले, दिनेश तिवारी सहित अन्य किसान साथी उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र की तर्ज पर हमारे किसानों का कर्ज माफ किया जाये- अजय अवसरे

जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे के द्वारा कहा गया कि बेमौसम बारिश के चलते किसानों को जो नुकसान हुआ है उसके मुआवजे की मांग को लेकर 31 अक्टूबर को प्रदेश के मंख्यमंत्री जी के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। हमारी मांग यह है कि मध्यप्रदेश शासन महाराष्ट्र सरकार की तर्ज पर हमारे किसानों का कर्जा माफ करें। दोनो ही जगह भाजपा की सरकार है तो अलग अलग नीति क्यों दोहरी नीति क्यों अपना रही है। वे अपने भाषणो में कहते है कि डबल इंजन की सरकार है तो हमने तो डबल इंजन के साथ डब्बे भी लगा दी है। अब सारे तंत्र उनके पास है तो किसानों के साथ दोहरा माप दण्ड क्यों। महाराष्ट्र की तर्ज पर किसानो का कर्जा माफ हो, 9 हजार प्रति हेक्टेयर राशि प्रदान की जाये। भाजपा सरकार किसानों के साथ दोहरा माप दण्ड ना अपनाये, महाराष्ट्र में अलग, छत्तीसगढ में अलग और मध्यप्रदेश में अलग।

किसानों को क्षेत्र फल के अनुसार मुआवजा राशि दे सरकार- ललित कबीरे

सरपंच संघ अध्यक्ष ललित कबीरे ने कहा कि बे मौसम बारिश और माहू कीट के प्रकोप के चलते जो किसानों को नुकसान हुआ हे सरकार तत्काल सर्वे कार्य करवाकर मुआवजा राशि प्रदान की जाये। तथा फसल के लिये जिन किसानों ने सोसायटियों के माध्यम से जो ऋण लिया गया है वह ऋण माफ कियाय जाये। यह भी देखने में आया है कि जो राजस्व अमला रोड किनारे जो खेती है उसका निरीक्षण करते है और जो अन्दर खेत होता है वहा पंहुच नही पाते। हमारी मांग है कि सभी किसानों को उनके क्षेत्रफल के अनुसार मुआवजा राशि प्रदान की जाये।

सर्वे को आधार ना मानते हुये क्षेत्रफल को आधार मान राशि प्रदान करे सरकार- दिनेश लाडे

जनपद पंचायत लांजी के सभापति दिनेश लाडे ने कहा कि किसान कीट प्रकोप से तो पहले ही जुझ रहा था इसके पश्चात जो बे मौसम बारिश हुई है उससे ऐसा लगता है कि दुबले पर दो आषाढ वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। आज वर्तमान में किसानों की 50 फिसदी फसल खराब हो चुकी है। शासन के निर्देशानुसार राजस्व अमला जो गांव गांव जाकर सर्वे कर रहा है और सर्वे सूची में उन्ही किसानों का नाम शामिल कर रहा है जिनका सर्वे हुआ है। हम यहां पर यह चाहते है चूकी फसल का नुकसान हर किसान का हुआ है। तो सर्वे को आधार ना मानते हुये प्रत्येक किसानों का उनके रगबे के अनुसार क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जाये। राजस्व अमले को सर्वे करने में एक माह से भी अधिक समय लगेगा इसलिये हम मांग कर रहे है कि सर्वे हमारा आधार नही है हमारा आधार है क्षेत्रफल के अनुसार किसानों को मुआवजा राशि प्रदान की जाये।

पीएम श्री स्कूल भानेगांव में 101 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल वितरण

लांजी। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को प्रोत्साहन देने और छात्रों के परिवहन को सुगम बनाने के उद्देश्य से पीएम श्री हायर सेकंडरी स्कूल, भानेगांव में 30 अक्टूबर 2025 को एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा 9वीं के 98 बालिकाएं व 3 बालक को नि:शुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। इससे पूर्व 95 बालकों को साइकिलों का वितरण किया गया।यह कार्यक्रम सरकार की %नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना% का हिस्सा था, जो लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने और स्कूल ड्रॉपआउट दर को कम करने के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें स्कूल के प्राचार्य लेखेश्वर चंदनवार ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा, 卐यह साइकिल वितरण न केवल छात्र-छात्राओं के लिए एक साधन है, बल्कि उनकी शिक्षा की यात्रा को मजबूत बनाने वाला माध्यम भी है। पीएम श्री योजना के तहत हमारा स्कूल आधुनिक शिक्षा का प्रतीक बन रहा है, और ऐसे कार्यक्रम छात्र-छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।卐 प्राचार्य चंदनवार ने इस योजना को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बताते हुए स्कूल की प्रगति पर

प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद सभापति रेवाजी करहाटकर ने की, जिन्होंने संबोधित करते हुए कहा, 卐शिक्षा ही समाज का आधार है। ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए साइकिल जैसे सरल साधन भी क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकते हैं। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।卐 पूर्व जनपद उपाध्यक्ष लीलाधर रावते ने अपने उद्गारों में योजना की सफलता पर जोर देते हुए छात्राओं को प्रेरित किया कि वे इस उपहार को सम्मान दें और पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें।

प्रगति कुनबी समाज मंडल, भानेगांव के अध्यक्ष डॉ. रूपचंदजी रावते ने विशेष रूप से लड़कियों के सशक्तिकरण पर बल दिया। उन्होंने कहा, 卐यह साइकिलें न केवल स्कूल आने-जाने की सुविधा प्रदान करेंगी, बल्कि छात्राओं में आत्मविश्वास भी जगाएंगी। समाज मंडल हमेशा ऐसे शैक्षिक प्रयासों का समर्थन करता रहेगा।卐 पीटीएस सदस्य डोंगरे ने पालकों की भूमिका पर चर्चा की और कहा कि अभिभावकों का सहयोग ही छात्रों की सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य लेखेश्वर चंदनवार, शिक्षक अरूण पटले, राजेंद्र जुझारे, लेखराम मिसारे, श्रीमती प्रज्ञा शेण्डे, अनामिका मेश्राम, अनिता डाबर, यौगंता मेश्राम, बबलू कामड़े, संजय सोलंकी, निलेश बाहे, आनंदराव रहांगडाले, डिलेन्द्र सिंह चौधरी, कु गितू नारनौरे, उमेश भूते, एवं अतिथि शिक्षक -शिक्षिकाओ एवं पालकों की उपस्थिति में सम्पन्न किया गया।

आज भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का होगा विवाह

पद्मेश न्यूज। लांजी। देवउठनी एकादशी 2025 के अवसर पर पूरे लांजी क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और उत्साह का माहौल है। यह पर्व भगवान विष्णु के चार महीने की योगनिद्रा से जागने का प्रतीक है और इसी दिन से विवाह, गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्यों की शुरुआत मानी जाती है।

इस वर्ष की तिथि और महत्व

इस बार देवउठनी एकादशी आज 1 नवंबर 2025, शनिवार को मनाई जा रही है। पंचांग के अनुसार यह तिथि 1 नवंबर को सुबह 9ः11 से लेकर 2 नवंबर को सुबह 7ः31 तक रहेगी। उदयातिथि के अनुसार व्रत 1 नवंबर को ही रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु अपनी योगनिद्रा से जागते हैं, जिससे चातुर्मास की समाप्ति होती है और नव-विवाह तथा अन्य मांगलिक कार्य पुन: आरंभ हो जाते हैं। इस दिन भगवान विष्णु और माँ लक्ष्मी के साथ तुलसी के पौधे की पूजा का विशेष महत्व है।

पूजा विधि, व्रत और परंपरा

इस दिन भक्त प्रात: स्नान के बाद भगवान विष्णु के समक्ष दीप प्रज्वलित कर, तुलसी पत्र चढ़ाकर व्रत रखते हैं। पूजा में भगवान को फल, सूखे मेवे,

साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, कुट्टू का आटा आदि का भोग लगाया जाता है। सेंधा नमक और सात्विक मसालों का प्रयोग निर्धारित है जबकि अनाज वर्जित रहता है। तुलसी विवाह, जो कि विवाह का रूपक होता है, इसी दिन प्राय: संपन्न होता है। व्रतधारी दिनभर श्रीहरि विष्णु और मां लक्ष्मी का स्मरण करते हैं तथा दान का भी विशेष महत्व है।

धार्मिक मान्यता और सामाजिक असर

शास्त्रों में वर्णित है कि इस दिन व्रत और दान करने से व्यक्ति के सभी प्रकार के पाप नष्ट होते हैं और भाग्य में सुख-समृद्धि आती है। देवउठनी एकादशी को अबूझ मुहूर्त माने जाने के कारण इस तिथि पर शुभ कार्य बिना तिथि देखे भी किए जा सकते हैं। पूरे देश में मंदिरों, घाटों और घरों में भजन-कीर्तन, जागरण और दान-पुण्य की पावन परंपरा निभाई जाएगी।

क्या करें और क्या न करें

व्रत में साबुत अनाज, तामसी भोजन और नमक का प्रयोग नहीं करें। पूजा में भगवान विष्णु की मूर्ति या चित्र के आगे तुलसी का पौधा अवश्य रखें और उनका पूजन करें, क्योंकि श्रीहरि विष्णु तुलसी को अत्यंत प्रिय मानते हैं। देवउठनी एकादशी के पर्व पर पूरे क्षेत्र में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु सामूहिक रूप से व्रत रखेंगे, भजन-कीर्तन करेंगे तथा मांगलिक कार्यों का शुभारंभ करेंगे। यह पर्व धार्मिक आस्था में नवचेतना, जीवन में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश लाता है।

नगर परिषद में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत 'पीएम आवास लोन मेला-शहरी' शिविर

पद्मेश न्यूज। लांजी। कलेक्टर महोदय जिला बालाघाट एवं परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण बालाघाट के निर्देशानुसार नगर परिषद लांजी में 31 अक्टूबर 2025 को निकाय स्तर पर प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 अंगीकार अभियान-2025 के अंतर्गत 卐पीएम आवास लोन मेला-शहरी卐 शिविर का वृहद कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह शिविर 卐प्रधानमंत्री आवास माह卐 के तहत नगरीय क्षेत्र लांजी में हितग्राहियों को योजना का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से संपन्न हुआ।

शिविर के दौरान मुख्यालय, विभिन्न वार्डों, चौक-चौराहों में स्कूलों/कॉलेजों तथा समाचार पत्रों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। हितग्राहियों को सूचित किया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत ऑनलाइन पोर्टल के जरिए आवेदन किया जा सकता है। साथ ही, योजना के आईएसएस (इंटरेस्ट सब्सिडी स्कीम) घटक के अंतर्गत बैंक से गृह ऋण लेकर आवास क्रय या निर्माण करने पर पात्र हितग्राहियों को अधिकतम 1.8 लाख रुपये की ब्याज सब्सिडी प्राप्त हो सकती है। इस पहल से आमजन में योजना के प्रति उत्साह देखा गया और कई हितग्राहियों ने मौके पर ही आवेदन

प्रक्रिया की जानकारी ली। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि ताराचंद कालबेले की गरिमामय उपस्थिति रही। मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने के नेतृत्व में अमित नगपुरे (उपयंत्री), संतोष भार्गव (राजस्व शाखा प्रभारी), छगनलाल मिश्रा, तेजराम आसटकर, नितिन बरगैया (पीएम आवास शाखा प्रभारी), श्रीमती रेखा नगपुरे तथा निकाय के समस्त कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

बालाघाट जिला हुआ क्लब फुट मुक्त

मिशन संचालक एनएचएम ने कलेक्टर को दी बधाई

पद्मेश न्यूज, बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीणा के दिशा निर्देशन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 02 से 18 वर्ष आयु तक के क्लब फुट विकृति से ग्रसित बच्चों के नि:शुल्क सफल ऑपरेशन के प्रकरणों में बालाघाट जिला क्लब फुट मुक्त हुआ है। मिशन संचालक सलोनी सिड़ाना नें कलेक्टर मृणाल मीना को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मध्यप्रदेश भोपाल ने कलेक्टर को पत्र लिखकर जिले के क्लब फुट मुक्त होने की जानकारी प्रेषित की है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम ,महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कुल शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से कुल 152 बच्चों का चिन्हांकन क्लब फुट के उपचार एवं ऑपरेशन के लिए किया गया था। इसके लिए राजाराम चक्रवर्ती जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक आरबीएसके को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था। 31 मार्च 2025 की स्थिति में जिले को क्लब फुट मुक्त कर दिया गया है अब संपूर्ण जिले में कोई भी बच्चा क्लब फुट से पीड़ित नहीं है।

सीएमएचओ डॉ उपलप ने बताया कि इसके लिए समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, समस्त सीडीपीओ एवं समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि वे अपने-अपने विकासखण्डों में बच्चों का शत प्रतिशत सर्वेक्षण के लिए, जिले में संचालित स्वास्थ्य संस्थाओं में कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों, मोबाइल हेल्थ टीम, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, एएनएम द्वारा सघन अभियान संचालित कर जिला चिकित्सालय परिसर स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र में संचालित क्लबफुट क्लीनिक के माध्यम से 02 से 18 वर्ष तक सभी बच्चों का समुचित उपचार कराने एवं उपचार के प्रमाण पत्र जारी करे।

जिसके परिपालन में विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारियों सहित समस्त अनुविभागीय अधिकारी, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारियों, समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत द्वारा क्लब फुट से उपचार, ऑपरेशन से संबंधित कोई बच्चा उनके क्षेत्र मे नहीं होने तथा उक्त बीमार से पीड़ित समस्त का उपचार किए जाने का प्रमाण पत्र जारी किया गया था जिसके आधार पर बालाघाट जिले को क्लब फुट मुक्त घोषित किया गया है।

क्लब फुट क्लिनिक प्रति मंगलवार को जिला चिकित्सालय बालाघाट में संचालित की जाती है जिसमें सभी क्लब फुट पीड़ित बच्चों का नि:शुल्क उपचार किया जाता है। बच्चों के उपचार के लिए विशेष रूप से जिला चिकित्सालय बालाघाट में पदस्थ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ विनय समद, डॉ श्रेय जैन हड्डी रोग विशेषज्ञ ने सर्जरी की ओर कुछ बच्चों को डी ई आई सी से जबलपुर भेज कर मेडिकल कॉलेज में भी उपचार कराया गया था। डॉ परेश उपलप ने बताया कि क्योर इंटरनेशन संस्था न्यू दिल्ही के द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत ऐसे सभी बच्चे जिनको जूतों की आवश्यक होती थे उन्हें नि:शुल्क जूते प्रदान किए जाते थे।

जिले को मिली इस उपलब्धि के लिए डॉ परेश उपलप ने जिले के समस्त टीम जिसमें मुख्य रूप से आर बी एस के टीम, डीईआईसी टीम, समस्त कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, समस्त आशा कार्यकर्ता, समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, समस्त एएनएम, तथा समस्त बीएमओ, समस्त बीपीएम, बीसीएम, बीईई, समस्त महिला बाल विकास विभाग के कर्मचारी अधिकारी शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारी, जिला चिकित्सालय बालाघाट की स्वास्थ्य टीम को बधाई दी है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर शपथ लेकर यूनिटी आफ रन मे जवानों ने लगाई दौड़

पदमेश न्यूज,किरनापुर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 07 बटालियन द्वारा बडगाव, किरनापुर, जिला बालाघाट स्थित मुख्यालय परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में बड़े उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय एकता के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने हेतु कार्यकमों का आयोजन दिनांक 31/10/2025 को किया गया।जिसके तहत् यूनिटी आफ रन का आयोजन किया गया जिसमें जवानों के साथ ही सिविलि नागरिकों ने भी बढचढ कर भाग लिया। तत्पश्चात् बटालियन के कमांडेन्ट, श्री कपिंग गिल ने उपस्थित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलवायी तथा अपने संबोधन में सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता, एवं अखण्ड भारत की सोच के बारे में विस्तार रूप से अवगत कराया। इस आयोजन के दौरान वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी श्री भारद्वाज राजेश हरि प्रसाद, उप कमाडेंट श्री रविन्द्र सिंह, डॉ0 विवेक द्विवेदी, बटालियन के अधीनस्थ अधिकारी एंव जवान उपस्थित थे।

तिरोड़ी और कटंगी में रन फॉर यूनिटी का हुआ आयोजन

पदमेश न्यूज,कटंगी। शुक्रवार को देश भर में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। इस मौके पर कटंगी अनुविभाग में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन कटंगी और तिरोड़ी पुलिस ने रन फॉर यूनिटी का आयोजन करवाया। एसडीओपी विवेक शर्मा, थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुशराम के नेतृत्व में कटंगी शहर के अर्जुननाला से सुबह 8 दौड़ का आयोजन हुआ। जिसमें शहर के तमाम सरकारी स्कूल और कॉलेज के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। दौड़ में बालक वर्ग में आदित्य हरदे, अतुल तामेश्वर और आयुष बाहेश्वर ने क्रमश: पहला दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं बालिका वर्ग में नेहा बाहेश्वर, सपना राउत और माही पंचेश्वर ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल किया। थाना परिसर में मैराथन दौड़ का समापन हुआ। दौड़ की समाप्ति के बाद सभी धावकों को थाना परिसर का भ्रमण करवाते हुए पुलिस की कार्य शैली से अवगत करवाया गया। मॉयल नगरी तिरोड़ी में भी दौड़ का आयोजन हुआ। यहां पर बाघदेव मंदिर के पास से थाना परिसर तक दौड़ लगाई गई। थाना प्रभारी कौशल कुमार सूर्या ने धावकों को हरी झंडी दिखाकर दौड़ के लिए रवाना किया। एसडीओपी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने के पीछे का कारण लोगों को एकजुट करना और समाज के उत्थान के लिये सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों से सभी अवगत कराना है।

देव उठनी ग्यारस पर बाल विवाह रोकथाम कि लिए जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

पदमेश न्यूज, बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला सोलंकी के मार्गदर्शन में वन स्टॉप सेंटर बालाघाट प्रशासक सुश्री रचना चौधरी द्वारा मिशन शक्ति हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वुमेन एवं बेटी बचाओं बेटी पढाओं के अंतर्गत निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी कड़ी में 31 अक्टूबर को बैहर विकासखंड के ग्राम सोनपुरी उकवा, कटंगी विकासखंड अंर्तगत ग्राम पंचायत बोनकट्टा में देव उठनी ग्यारस 02 नवंबर 2025 के अवसर पर बाल विवाह होने की संभावना को देखते हुए महिलाओं को जानकारी प्रदाय की गई।

इस दौरान बताया गया कि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की और 21 वर्ष से कम आयु के लडके का विवाह किया जाना दण्डनीय अपराध है, जिसमे बालकों की मानसिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याए उत्पन्न होती है एवं रोजगार के अवसर भी समाप्त हो जाते है क्योंकि बालको की शिक्षा पूर्ण नही हो पाती जिससे प्रगति में रोक लग जाती है। बाल विवाह की शिकायत पुलिस, बाल कल्याण समिति, सीएमपीओ, चाइल्ड लाइन 1098, एनजीओ में दे सकते है। बाल विवाह एक संज्ञेय एवं गैर जमानतीय अपराध है, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत बाल विवाह कराना एक दण्डनीय अपराध है ऐसा करने पर 2 वर्ष तक का कठिन कारावास व 01 लाख रूपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

रन फॉर यूनिटी, एकता की शपथ के साथ धावकों ने दौड़ पूरी की

पदमेश न्यूज, बालाघाट। बैहर के स्थानीय खेल परिसर में उत्कृष्ट विद्यालय और थाना बैहर के संयुक्त तत्वावधान में 31 अक्टूबर को रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित इस एकता दौड़ में 200 से अधिक धावक विद्यार्थियों ने भाग लिया। दौड़ सम्पन्न होने के पश्चात सभी धावकों को थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले द्वारा एकता की शपथ दिलायी गई। इस अवसर पर खेल परिसर के कोच आरएस कुशराम, अधीक्षक व्हीसी ठाकरे, उत्कृष्ट विद्यालय बैहर के खेल शिक्षक नवजीत सिंह परिहार, पीटीआई लक्ष्मण लिल्हारे एवं अन्य खेल शिक्षक, पुलिस थाना बैहर का स्टॉफ उपस्थित रहे।

3 दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

पदमेश न्यूज, बालाघाट। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन में 03 दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण, बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय पदमेश शाह एवं रिसोर्स पर्सन शाहिद मोहम्मद के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर द्वितीय जिला न्यायाधीश श्री डी.एन.सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट सतीश शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट अविनाश छारी, श्रीमती शिखा शर्मा, श्रीमती शीनी जैन, शुभम जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे एवं समस्त प्रतिभागीगण उपस्थित रहें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री प्राण द्वारा अपने उदबोधन में कहा कि मध्यस्थता प्रक्रिया में मध्यस्थ की भूमिका हमेशा तटस्थ रहकर विवाद को सुलझाने की होती है। इस 03 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने मध्यस्थता प्रक्रिया की बारिकीयों को सीखा है जो भविष्य में आपके सामने आने वाले विवाद के निराकरण में सहायक होगी। श्री प्राण ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन द्वारा सामुदायिक मध्यस्थता के लिए प्रशिक्षण दिया गया है इसका आप सभी अपने अपने क्षेत्रों में समाज के प्रत्येक वर्ग को लाभ पहुंचाने का कार्य करे जिससे समाज में विवादों के निराकरण प्रारंभिक स्तर पर ही हो सके जिससे समाज में पारिवारिक मूल्यों को बचाया जा सकें।

कार्यक्रम में सांसद श्रीमती भारती पारधी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन में प्रत्येक व्यक्ति को हमेशा सीखने के लिए तैयार रहना चाहिए और आप सभी प्रतिभागी ने जो जिले के प्रत्येक क्षेत्र से इस सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होकर विगत 03 दिनों से मध्यस्थता प्रक्रिया को सीखने का उत्साह दिखाया है उसके लिए में आप सभी की आभारी हूँ।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर पदयात्रा का हुआ आयोजन

पदमेश न्यूज, बालाघाट। माय भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधवान में सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट के सहयोग से 31 अक्टूबर को बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य में सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्ति पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के पश्चात पदयात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह पदयात्रा सरदार पटेल विश्वविद्यालय से प्रारंभ होकर बंजारी घाट होते हुए अंबेडकर चौक, हनुमान चौक, गुजरी चौक ,काली पुतली चौक होते हुए पुन: अंबेडकर चौक में संपन्न हुई। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए श्री प्रांजल अग्रवाल जिला युवा अधिकारी माय भारत बालाघाट के द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में स्थानीय सांसद जनों के नेतृत्व में प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में तीन-तीन पदयात्राएं संपन्न होंगी। इसी प्रकार बालाघाट जिले में भी जिला प्रशासन, जिला खेल विभाग सरदार पटेल विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थाएं अन्य सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस अवसर पर सांसद श्रीमती पारधी ने बताया कि सरदार पटेल के कृतित्व और व्यक्तित्व से प्रत्येक युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि किस तरह सरदार पटेल ने भारत के एकीकरण रियासतों का विलय का कार्य कर भारत की एकता को मजबूत किया है। हमारे देश में छोटी-छोटी रियासतों विलीनीकरण कर एक सशक्त भारत बनाने में सरदार पटेल का अमूल्य योगदान रहा है।

इस अवसर पर श्री दिवाकर सिंह ने भी अपने उद्बोधन में सरदार पटेल के योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्रीमती भारती ठाकुर नगर पालिका अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष रमेश रंगलानी, विप्लव पॉल,विशाल मंगलानी प्रसाद, रमेश रंगलानी एवं आनंद कोचर सहित मीडिया के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में राष्ट्रीय एकता नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई और युवाओं को एकता के स्त्रोत में बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में आमंत्रित बैगा नर्तक दल द्वारा मनमोहक प्रस्तुती दी गई और पूरे नगर का भ्रमण किया गया। कार्यक्रम का संचालन अजय सिंह बैस द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन श्री सी आर जंघेला द्वारा किया गया।

आज गायखुरी में मेला, दो महिला शाहिरों के बीच होगा मुकाबला

पदमेश न्यूज,बालाघाट। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वैनगंगा मेला समिति गायखुरी द्वारा नगरीय क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 गायखुरी वैनगंगा नदी तट स्थित शिव मंदिर समीप तुलसी विवाह ग्यारस पर्व के अवसर पर दिन रात के मेले का आयोजन 1 नवम्बर शनिवार को किया गया है। इस अवसर पर आयोजन समिति द्वारा लोगों के मनोरंजन के लिये रात्रि 10 बजे से दो महिला शाहिरों की दुय्यम शायरी के मुकाबला का आयोजन किया गया है। इसमें महिला शाहिर गीता बाई उपवंशी ग्राम खोंगाटोला मोहगांव धपेरा व महिला शाहिर लक्ष्मीबाई सराठे के द्वारा एक से बढकर एक सुमधुर शाहिरी की प्रस्तुति दी जावेगी। आयोजन समिति द्वारा मेला व कार्यक्रम को लेकर व्यापक तैयारियां की गई है इस अवसर पर मेला समिति के पदाधिकारियों व वार्ड नंबर 33 के निवासियों ने दुकानदारों व दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

गायखुरी लोधी मोहल्ला में मेला कल, खड़ा दंगल और देवी जागरण का होगा आयोजन

पदमेश न्यूज,बालाघाट। महाकाल मेला उत्सव समिति वार्ड नंबर 33 गायखुरी बालाघाट द्वारा गत वर्षानुसार इस वर्ष भी गायखुरी वैनगंगा नदी तट लोधी मोहल्ला में बारस के अवसर पर एक दिवसीय मेला व खड़ा दंगल (कुश्ती) का आयोजन 2 नवम्बर रविवार को किया गया है। इस अवसर पर दोपहर 12 बजे से खड़ा दंगल का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में म.प्र विद्युत मंडल से सेवा निवृत अधिकारी फूलचंद विजेवार व विशेष अतिथि महिपाल माहुले उपस्थित रहेंगे। बता दें कि वर्ष 2024 से महाकाल मेला उत्सव समिति लोधी मोहल्ला द्वारा तुलसी विवाह के दूसरे दिन मेला भराने की शुरुवात की गई है। मेले का यह दूसरा साल है। आयोजन समिति द्वारा लोगों के मनोरंजन के लिये रात्रि 10बजे से मां भगवती देवी जागरण गोंदिया के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसमें देवी गीत गायक वेदप्रकाश शुक्ला व ग्रुप के कलाकारों द्वारा शानदार देवी गीतों व भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी जावेगी। कुश्ती व देवी जागरण कार्यक्रम में मेला समिति के पदाधिकारियों व वार्ड नंबर 33 के निवासियों ने दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

3276 रूपये की अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

पदमेश न्यूज,बालाघाट। मलाजखंड पुलिस ने ग्राम अरंडी टोला में एक व्यक्ति को 3276रुपये कीमत की अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किये। गिरफ्तार व्यक्ति तुलसीराम पिता श्यामलाल पंचेश्वर 38 वर्ष वार्ड नंबर 2 मरारीटोला निकुंभ निवासी है। मलाजखंड पुलिस के मुताबिक 30 अक्टूबर को सूचना मिली थी कि ग्राम अरंडी टोला में तुलसीराम पंचेश्वर अपनी किराना दुकान के बाजू में एक प्लास्टिक के थैला में अंग्रेजी शराब लिए हुए हैं। जो बेचने की फिराक में है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने अरंडी टोला पहुंची इस दौरान एक व्यक्ति सफेद रंग की प्लास्टिक के थैले पकड़ा हुआ दिखाई दिया जो पुलिस को देखकर वह इधर-उधर भागने लगा जिसे पकड़कर पूछताछ करने पर उसने अपना नाम तुलसीराम पंचेश्वर 38 वर्ष ग्राम मरारी टोला निकुम निवासी बताया। थैला चेक करने अंग्रेजी शराब मेकडॉल नंबर वन के 21 नग पाव पाए गए। व्यक्ति इस अंग्रेजी शराब को अवैध रूप से अपने पास रखा हुआ था। जिसकी कीमत 3236 रुपये बताई गई है। इस मामले में तुलसीराम पंचेश्वर के धारा 34(1) आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर उसके पास से अंग्रेजी शराब जप्त की गई।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर के लिए मेपिंग का कार्य 04 नवम्बर के पूर्व पूर्ण करने के निर्देश

पदमेश न्यूज, बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में भी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर के लिए तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। जिले के सभी बीएलओ 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक घर-घर जाकर सर्वे का कार्य करेंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मृणाल मीना ने जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सभी बीएलओ को सख्त निर्देश दिये है कि 04 नवम्बर के पूर्व 2025 एवं 2003 की मतदाता सूची वाले नामों की मेपिंग का कार्य पूर्ण कर ले। मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण 01 जनवरी 2026 की स्थिति में किया जाएगा। 01 जनवरी 2025 की पुनरीक्षित मतदाता सूची में एवं वर्ष 2003 की मतदाता सूची में जिनके नाम शामिल है, उन्हें मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर के दौरान कोई दस्तावेज नही देना है। 2025 की पुनरीक्षित मतदाता सूची में शामिल ऐसे मतदाता जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में शामिल नही है, लेकिन उनके माता पिता के नाम 2003 की सूची में शामिल है तो उन्हें भी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर के दौरान कोई दस्तावेज नही देना है। ऐसे मतदाता जिनके नाम 2025 की मतदाता सूची में शामिल है लेकिन 2003 की मतदाता सूची में शामिल नही है, और उनके माता पिता के नाम भी 2003 की सूची में शामिल नही है तो ऐसे लोगो को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान निर्धारित दस्तावेज देना होगा, तभी उनके नाम मतदाता सूची में शामिल हो सकेंगे। सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया है कि जिन मतदाताओं के नाम 2025 की सूची में शामिल है लेकिन 2003 की सूची में शामिल नही है उनके माता पिता या वंशजों के नाम 2003 की सूची में ढूंढकर ऐसे मतदाताओं की मैपिंग का कार्य 04 नवम्बर के पूर्व पूर्ण कर ले। 2025 की मतदाता सूची में शामिल जिन मतदाताओं के माता पिता या वंशजों के नाम 2003 की सूची में नही पाए जाएंगे उन्हें नोटिस जारी किया जाना है।

बिजली चोरी की जानकारी देने पर साढ़े 15 लाख के ईनाम मिले

पदमेश न्यूज, बालाघाट। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा नागरिकों को रिपोर्ट करने और पुरस्कार प्राप्त करने का अवसर देने वाले सामाजिक ऑडिट ऐप वी-मित्र (ङ्क-मित्र) को लांच हुए 100 दिन पूर्ण हो गए। 'जानकारी दें, इनाम पाएं' का संदेश देने वाले वी-मित्र (ङ्क-मित्र) के माध्यम से 100 दिन के दौरान कुल 30 हजार मामले दर्ज हुए। दर्ज मामलों में से 17 हजार 200 मामलों की जांच में 3 हजार 850 मामलों में अनियमितताएं पायी गई। वी-मित्र (ङ्क-मित्र) के माध्यम से विद्युत चोरी व अनियमितता की जानकारी देने पर इस दौरान नागरिकों को 3 हजार 150 मामलों में साढ़े 15 लाख रूपए के इनाम विना किसी कार्यालय गए उनके खातों में ट्रांसफर किए गए।

स्ट्राइकिंग रेट 22 फीसदी

विभिन्न एजेंसियों द्वारा रिपोर्ट किए गए स्मार्ट मीटर डेटा एनालिसिस मामलों में लगभग सात फीसदी के विरूद्ध वी-मित्र (ङ्क-मित्र) ऐप का स्ट्राइक रेट 22 फीसदी रहा।

विद्युत चोरी व अनियमितता करने वालों पर पेनाल्टी

इस दौरान ऐसे मामलों में 4 करोड़ 64 लाख रूपए की बिलिंग की गई और विद्युत चोरी व अनियमितता करने वालों से कुल 23 लाख रूपए की वसूली की गई। जिन क्षेत्रों में अनियमितता के प्रकरण दर्ज किए गए, वहां के विद्युत अमले पर जुर्माना लगाया गया। ऐसे विद्युत अमले ? पर 3 लाख 25 हजार रूपए की प्रोविजनल पेनाल्टी लगाई गई। ऐसे 91 मामलों में 26 हजार रूपए की वसूली की गई। इस दौरान नए उपभोक्ता प्रकरण एवं लोड वृद्धि के 3 हजार 100 मामले दर्ज हुए।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को चार विकेट से हराया

मेलबर्न ।एजेंसी। मिशेल मार्श की 46 रन की पारी की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय क्रिकेट टीम को दूसरे टी20 में चार विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम 125 रनों पर ही आउट हो गयी इसके बाद जीत के लिए मिले 126 रनों के लक्ष्य को मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 13.2 ओवर में ही 6 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़े। इस जोड़ी को वरुण चक्रवर्ती ने हेड को आउट कर तोड़ा। हेड ने 15 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन की पारी खेली। वहीं, मार्श अर्धशतक 26 गेंद में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। जोश इंग्लिस ने 20 रन बनाए। वहीं, टिम डेविड एक रन बना सके। स्टोइनिस ने नाबाद छह रन की पारी खेल ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह , कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती तीनों ने ही दो-दो विकेट लिएस।

वहीं इससे पहले भारतीय टीम की बल्लेबाजी विफल रही और केवल अभिषेक शर्मा 68 रन और हर्षित राणा 35 ही कंगारु गेंदबाजों का सामना कर पाये बाकि खिलाड़ी दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। अभिषेक ने 37 गेंदों में 7 चौके और 2 छक्के लगाये जबकि राणा ने 33 गेंदों पर 3 चौके और एक छक्का लगाया।

भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और शुभमन गिल 5 रन बनाकर ही आउट हो गये। इसके बाद अभिषेक ने 23 गेंदों पर अर्धशतक लगाकर पारी को संभाला और सबसे अधिक 68 रन बनाये। अभिषेक के अलावा हर्षित राणा ने 35 रन बनाये। वहीं बाकि बल्लेबाज असफल रहे। 23 रनों पर भारत को संजू सैमसन 2 रन के रूप में दूसरा, और 32 के स्कोर पर कप्तान सूर्यकुमार यादव 1 रन और तिलक वर्मा 0 के रूप में तीसरा और चौथा झटका लगा। अक्षर पटेल 7 रन आउट होने वाले पांच खिलाड़ी रहे।

105 के स्कोर पर हर्षित राणा के रूप में छठा और 109 के स्कोर पर शिवम दुबे 4 रन के रूप में सातवां विकेट गिरा!

कुलदीप के रूप में आठवां झटका लगा है, वह खाता भी नहीं खोल पाए।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से 3 विकेट जोश हेजलवुड ने लिए और 2-2 विकेट जैवियर बार्टलेट और नैथन एलिस ने लिए।

सिंधु अगले सत्र में ही नजर आयेंगी

नई दिल्ली ।एजेंसी। महिला बैडमिंटन स्टार पी. वी. सिंधु अब इस सत्र में नजर नहीं आयेंगी। सिंधु अब साल 2026 सत्र से ही वापसी करेंगी। सिंधु ने फिट नहीं होने के कारण बीडब्ल्यूएफ टूर के शेष सभी मुकाबलों से अपना नाम वापस ले लिया है। सिंधु ने कहा कि उन्होंने यह फैसला सहयोगी स्टाफ और खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारडीवाला से बात करने के बाद लिया है।

सिंधु ने कहा, अपनी टीम और डॉ. पारडीवाला की सलाह के बाद उसने साल 2025 सत्र के बाकी टूर्नामेंट से हटना ही सबसे बेहतर समझा है। इसका कारण है कि उनकी पैर की चोट अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुई है। इस खिलाड़ी के अनुनार नाम वापस लेना फैसला नहीं था पर इसके अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं था। साथ ही कहा कि चोटें हर खिलाड़ी के खेल सफर का हिस्सा होती हैं। ये हमारे धैर्य और जज़्बे की भी परीक्षा लेती हैं। उन्होंने कहा कि वह अभी डॉक्टारें की टीम के सहायोग से रिकवरी और अभ्यास पर ध्यान दे रही हैं सिंधु ने कहा, 卐मेरी टीम का मुझपरा काफी भारोसा है जिससे भी मेरा उत्साह हर दिन और बढ़ता है। मैं उनकी आभारी हूं और पहले से कहीं ज्यादा प्रेरित और बेहतर महसूस कर रही हूं।卐 सिंधु ने अपने प्रशंसकों और समर्थकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह जनवरी 2026 में कोर्ट पर वापसी करेंगी। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, 卐आप सबके प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद। यह सफर यहीं समाप्तनहीं होता,जल्द ही एक नई शुरुआत होगी।卐 गौरतलब है कि पिछले साल पेरिस ओलंपिक में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद से ही सिंधु के लिए इस साल का सत्र अच्छा नहीं रहा है रहा। वह चाइना मास्टर्स सुपर 750, इंडिया ओपन सुपर 750 और विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल के बाहर हो गयीं थीं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को फाइनल में पहुंचने ही 20 करोड़ रुपये इनामी राशि मिलना तय

म ु म्बई ।एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्वकप क्रिकेट के फाइनल में पहुंचते ही 20 करोड़ रुपये का इनाम मिलना पक्का हो गया है।

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्वकप सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 339 रनों का लक्ष्य हासिल कर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। भारतीय टीम का लक्ष्य अब खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराकर करीब 40 करोड़ का इनाम जीतना रहेगा।

आईसीसी ने इस बार महिला विश्वकप की इनामी राशि बढ़ा दी है। विश्वकप की कुल इनामी राशि 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर करीब 116 करोड़ रुपये रखी गयी है जो साल 2022 में न्यूजीलैंड में खेले गए पिछले संस्करण की तुलना में 297 फीसदी अधिक है। इस बार महिला विश्वकप की इनामी राशि पुरुषों के 2023 विश्व कप से भी अधिक है। ये आईसीसी की समानता की 卐जेंडर पे-पैरिटी पॉलिसी卐 का हिस्सा है, जिसके तहत महिला और पुरुष दोनों टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को समान वित्तीय इनामी राशि दी जाएगी।

इस बार विजेता टीम को 4.48 मिलियन डॉलर यानी करीब 39.7 करोड़ रुपये जबकि रनर-अप टीम को 2.24 मिलियन डॉलर यानी करीब 19.8 करोड़ रुपये की धनराशि दी जाएगी जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को 1.12 मिलियन डॉलर यानी करीब 9.9 करोड़ रुपये तौर इनाम दिए जाएंगे। ऑस्?ट्रेलिया और इंग?लैंड की टीमों को दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा यानी उन्?हें करीब 10-10 करोड़ की राशि दी जाएगी।

वहीं ग्रुप स्टेज से बाहर हुई टीमों को भी मिलेगा पैसा

आईसीसी के नियम के अनुसार ग्रुप स्टेज में हिस्सा लेने वाली हर टीम को करीब 2.2 करोड़ रुपये की राशि दी जाएगी। साथ ही हर ग्रुप मैच की जीत पर करीब 28.8 लाख रुपये देने की घोषणा की गयी है। वहीं जो टीमें पांचवें और छठे स्थान पर रहेंगी उन्हें करीब 6.1 करोड़ रुपये दिये जाएंगे।

जेमिमा की सचिन सहित दिग्गजों ने जमकर प्रशंसा की

नवी मुंबई ।एजेंसी। बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला विश्कप सेमीफाइनल मैच में अपनी 127 रनों की शानदार पारी से छा गयी हैं। सोशल मीडिया में जेमिमा की जमकर प्रशंसा हो रही है और प्रशंसक उन्हें बधाई दे रहे हैं। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लिखा, शाबाश जेमिमा रोड्रिगेज और हरमनप्रीत कौर, आपने शानदार प्रदर्शन किया। श्री चरणी और दीप्ति शर्मा, आपने गेंदबाजी से मैच को जीवंत बनाए रखा। तिरंगा इसी तरह लहराते रहो। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने लिखा, भारतीय महिला टीम को शांत और संयमित तरीके से इस लक्ष्य का पीछा करते हुए देखना वाकई सुखद अनुभव रहा। जेमिमा रोड्रिगेज और हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। ऋचा घोष की कैमियो वाली भूमिका ने कमाल किया।

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने जेमिमा की प्रशंसा करते हुए लिखा, जीवन की सबसे यादगार पारी। जेमिमा रोड्रिगेज का सहज क्रिकेट देखना शानदार था। वह टीम से अंदर-बाहर होती रहीं पर कभी हार नहीं मानी। स्थानीय लड़की डीवाई पाटिल स्टार हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने लिखा, भारतीय महिला टीम को ऑस्ट्रेलिया पर शानदार जीत और महिला विश्व कप के फाइनल में पहुंचने पर बधाई। जेमिमा रोड्रिगेज का शानदार शतक और हरमनप्रीत कौर की शानदार नेतृत्व क्षमता और शानदार पारी। यह भारतीय क्रिकेट के लिए गौरव का क्षण है। इसके अलावा मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने भी जेमिमा की जमकर प्रशंसा की है।

कोपा डेल रे फुटबॉल : एस्पेनयोल सहित चार क्लब जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

मैड्रिड ।एजेंसी। एस्पेनयोल और लेवांटे फुटबॉल सहित चार क्लबों ने कोपा डेल रे फुटबॉल के पहले दौर के मैचों में जीत दर्ज की है। एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को 2-1 से हराया जबकि दूसरी तरफ लेवांटे ने ओरिहुएला के खिलाफ 4-3 से जीत दर्ज की। सेल्टा विगो ने प्यूर्टो डी वेगा को 2-0 से व रियल बेटिस ने पाल्मा डेल रियो को 7-1 से हराया।

एस्पेनयोल की ओर से दोनो ही गोल किके गार्सिया ने किये। किके ने दूसरे मिनट में पेनाल्टी के साथ ही पहला गोल दाग दिया पर एटलेटिक लिडा ने एल्डो वन की बदौलत तीन मिनट बाद ही एक गोल कर स्कोर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद किके ने हाफटाइम से ठीक पहले एस्पेनयोल को फिर से बढ़त दिला दी।

वहीं लेवांटे का ओरिहुएला के खिलाफ मुकाबला कांटे का रहा। इस मैच में उनाई एल्गेजाबल और जोस लुइस मोरालेस के गोल से

शुरुआत में ही लेवांटे ने 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं जेवियर सोल्सोना की पेनाल्टी से किये गोल से ओरिहुएला ने वापसी कर ली।

वहीं कार्लोस एस्पी ने 48वें मिनट में गोल कर लेवांटे को फिर से 2 गोल की बढ़त दिलाई पर गोंजालो मिरांडे ने तीन मिनट बाद ही गोल कर लेवांटे की बढ़त कम कर दी। हेक्टर अयोडेले ने आखिरी मिनट में गोल दागते हुए स्कोर 3-3 पर कर दिया पर एस्पी ने 92वें मिनट में गोल कर लेवांटे को जीत दिल दी। एक अन्य मैच में एक हराकर दौर में आसानी से प्रवेश कर लिया है। रियल बेटिस को भी पाल्मा डेल रियो के खिलाफ 7-1 से जीत हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं हुई। कोपा का दूसरा दौर 2 से 4 दिसंबर के बीच खेला जाएगा।

जीत के बाद जेमिमा और हरमनप्रीत सहित पूरी टीम भावुक हुई

नवी मुंबई ।एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के महिला विश्वकप के फाइनल में पहुंचते ही खिलाड़ी भावुक हो गयीं और उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलकने लगे। भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत में मुख्य भूमिका जेमिमा रोड्रिग्ज ने शतकीय पारी खेलकर निभाई। जेमिमा ने इस मैच में शानदार 127 रन बनाये। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस मैच में 88 गेंद में 89 रन बनाये थे और वह भी जीत के बाद भावुक दिखीं। सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ सेमीफाइनल में 339 रनों का लक्ष्य हासिल करना कोई आसान बात नहीं थी जो भारतीय टीम ने संभव कर दिखाया। जेमिमा और कप्तान के बीच तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी हुई। जिससे टीम लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रही।

भारतीय टीम रविवार को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी

म ु म्बई ।एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में मिली बड़ी जीत के साथ ही विश्वकप फाइनल में जगह बनायी है। अब खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम रविवार दो नवंबर को दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला करेगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 339 रनों का सबसे बड़ा लक्ष्य विश्वकप में हासिल कर एक नया रिकार्ड भी बनाया है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने साल 2005 और 2017 के बाद तीसरी बार फाइनल में जगह बनायी है।

सेमीफाइनल में जेमिमा रोड्रिग्स की नाबाद 127 रन और कप्तान हरमनप्रीत कौर की 89 रन की पारी के बल पर भारतीय टीम फाइनल में पहुंची है। यहां भारत और दक्षिण

अफ्रीका के बीच मुकाबले में जो भी टीम जीतेगी रिकार्ड बनेगा ही। भारतीय टीम दो बार उप विजेता रही है जबकि दक्षिण अफ्रीका पहली बार फाइनल में पहुंची है। महिला विश्व कप फाइनल 2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने इसी मैदान पर सेमीफाइनल जीता है जिससे उसकी यहां जीत की संभावनाएं कई गुना बढ़ गयी हैं। टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह पूरे उत्साह से उतरेगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम ने लीग स्तर पर भारतीय टीम को हराया था जिससे वह प्रेरित रहेगी। इस प्रकार महिला एकदिवसीय विश्व कप में 25 साल बाद विश्क क्रिकेट को नया विश्व चैंपियन मिलेगा। इससे पहले वर्ल्ड कप 2000 में ऐसा हुआ था, जब न्यूजीलैंड ने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब जीता था। इसके अलावा हमेश ही ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमों ने खिताब जीते थे। इस बार विश्व कप फाइनल के साथ ही विश्व क्रिकेट को चौथी चैंपियन टीम मिलेगी।

भारतीय टीम के ग्रुप स्तर तक का सफर मिलाजुला रहा है उसने 7 मैच खेले जिसमें से उसे 3 में हार मिली जबकि एक मुकाबले में उसे अंक बांटने पड़े। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने भी शुरुआती हार से उबरकर फाइनल में जगह बनायी है। उसने ग्रुप स्टेज पर 7 में से 5 मैच जीते जबकि दो में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

जब राहुल से नाराज हो गये थे द्रविड़

मुम्बई ।एजेंसी। बल्लेबाज केएल राहुल ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापसी के बाद अब ब्रेक पर हैं। इस बीच राहुल ने साल 2023 एशिया कप की एक मजेदार घटना का खुलासा किया है। राहुल ने कहा कि वह 2023 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाने के बाद अलग ही अंदाज में जश्न मना रहे थे और इस कारण तब मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ उनपर भड़क गये थे। राहुल ने कहा कि उस मुकाबले में शतक लगाने के बाद उन्होंने स्टैच्यू पोज़ में खड़े होकर ड्रेसिंग रूम की तरफ पीठ की थी। तब द्रविड़ ने उन्हें फटकार दिया और कहा कि इससे तेरा नहीं मेरा स्टैच्यू बन जाएगा। उस मुकाबले में राहुल ने 111 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि विराट कोहली ने 122 रन बनाए। दोनों ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 233 रन की नाबाद साझेदारी की, जिससे भारत ने पाकिस्तान को 228 रनों से हराया था। राहुल ने कहा कि उस पारी से उन्हें फिर से बड़ पारी खेलने का आत्मविश्वास मिला था। उन्होंने कहा, 卐चार महीने तक मैं अपने से कहता रहा कि मैं सबसे अच्छा खिलाड़ी बनूंगा। यह मैच उसी मेहनत का परिणाम था।卐 अब राहुल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसयी सीरीज में खेलेंगे।

श्रेयस बोले, हर दिन बेहतर हो रहा, समर्थन के लिए प्रशंसकों का आभार जताया

सिडनी ।एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह अब पहले से ठीक हैं और अच्छा महसूस कर रहे हैं। श्रेयस को उम्मीद है कि वह शीघ्र ही इस चोट से उबर जाएंगे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान एलेक्स कैरी का एक कैच पकड़ते समय पसली में चोट लगाने के बाद हुए रक्तस्राव के कारण गंभीर रुप से घायल हो गये थे और आईसीयू में भर्ती थे। उन्होंने इसी चोट को लेकर कहा, " मैं उबर रहा हूं अैर प्रतिदिन पहले से बेहतर हो रहा हूं।

श्रेयस ने कहा " लोगों की शुभकामनाओं और मिले समर्थन

से मैं उत्साहित हूं। मुझे याद रखने के लिये धन्यवाद।

वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, "उसकी हालत अब स्थिर है और वह अब भी निगरानी में है। दोबारा हुई स्कैन जांच में काफी सुधार दिखा और श्रेयस ठीक हो रहा है। बीसीसीआई ने साथ ही कहा कि मेडिकल टी उनकी सेहत पर नजर रखे हुए है। श्रेयस मैच के दौरान फिजियो की सहायता से मैदान से बाहर चले गए थे पर ड्रेसिंग रुम में वह बेहोश हो गये थे, जिसके कारण उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाद में किए गए परीक्षणों से पता चला कि तिल्ली में चोट लगने के कारण आंतरिक रक्तस्राव हुआ था, जिसके बाद उन्हें गहन निगरानी के लिए आईसीयू में भर्ती कराया गया था।

हार से निराश ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली लेंगी संन्यास

नई दिल्ली ।एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिस हीली ने भारतीय टीम के खिलाफ महिला विश्वकप सेमीफाइनल में मिली हार पर निराशा जताते हुए संन्यास के संकेत दिये हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम को सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने पांच विकेट से हराय था। हीली ने कहा कि यह उनका इस प्रारुप का अंतिम मैच हो सकता है।

भारतीय टीम ने इस मैच में 339 रनों का कठिन लक्ष्य हासिल किया था। हीली ने मैच के बाद कहा, इस पूरे टूर्नामेंट में सभी ने अच्छी तरह योगदान दिया। यही वजह है कि हारने वाली कप्तान बनकर खड़े रहना निराशाजनक लग रहा है। हमने कई अवसर बनाएं। हमने दबाव बनाया। मगर हम मैच अपने नाम नहीं कर पाये। भारतीय टीम की जीत में जेमिमा रोड्रिग्ज 127 और हरमनप्रीत कौर 89 रनों की अहम भूमिका रही। हीली ने जेमिमा का कैच तब गिरा दिया था जब वह 82 रन पर थीं। यह कैच ऑस्ट्रेलिया की हार का कारण बना। इस खिलाड़ी ने कहा कि उगला विश्वकप खेलने की उनकी कोई योजना नहीं है। साथ ही कहा कि अब उनका लक्ष्य अगले साल होने वाला टी20 विश्वकप है। हीली ने अब तक 123 एकदिवसीय मैच में सात शतक और 18 अर्धशतकों की सहायता से 3563 रन बनाए। उनकी औसत 35.98 और स्ट्राइक रेट 100 के करीब रहा।

भारतीय टीम की जीत में हरमनप्रीत सहित इन चार खिलाड़ियों की भी रही अहम भूमिका

नवीं मुम्बई ।एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला विश्वकप सेमीफाइनल में भारतीय टीम की जीत में जेमिमा रोड्रिग्ज की शतकीय पारी के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित चार और खिलाड़ियों की भी अहम भूमिका रही है। इस मैच में भारतीय टीम ने 339 रनों के विशाल लक्ष्य को हासिल कर एक नया रिकार्ड बनाया। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया के लगातार 15 मैचों की जीत के सिलसिल को भी रोक दिया। अब दो नवंबर को फाइनल में भारतीय टीम का सामना दक्षिण अफ्री से होगा। दक्षिण अफ्रीका ने पहले सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनायी है।

हरमनप्रीत कौर- कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एक बार फिर 2017 की ऐतिहासिक पारी के बाद उन्होंने सेमीफाइनल में भी 89 रनों की पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। हरमनप्रीत ने मुश्किल हालात में पारी संभाला और हर ओवर के साथ मैच का रुख भारत की ओर मोड़ा।

दीप्ति शर्मा- ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने एक बार फिर साबित किया कि वह कितनी उपयोगी हैं। पहले उन्होंने बीच के ओवरों में स्पिन से ऑस्ट्रेलिया पर अंकुश लगाया फिर बल्लेबाजी में निचले क्रम में रन जोड़े। जब भी टीम को विकेट चाहिए था, दीप्ति ने सफलता दिलाई। वहीं अंत में जब रनों और गेंद के बीच का अंतर बढ़ रहा था तब दीप्ति ने 17 गेंदों पर 24 रनों की पारी खेली।.

रीचा घोष- विकेटकीपर बल्लेबाज रीचा घोष भारतीय महिला क्रिकेट टीम की एक भरोसेमंद फिनिशर हैं। सेमीफाइनल में जब रन रेट बढ़ा हुआ था तब रीचा ने निडर होकर 16 गेंदों में तेजी से 26 रन बनाये।

स्मृति मंधाना- भरोसेमंद अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 24 गेंदों पर 24 रनों की छोटी लेकिन अहम पारी खेली. शेफाली वर्मा के शुरुआत में आउट होने के बाद स्मृति ने पारी को संभाल।

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025
इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
70वां स्थापना दिवस समारोह शुभारंभ

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मुख्य अतिथि

किंजरापु राममोहन नायडू
केन्द्रीय मंत्री, नागर विमानन मंत्रालय

अर्जुन राम मेघवाल
केन्द्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विधि एवं न्याय मंत्रालय

कार्यक्रम

1 नवम्बर 2025

ड्रोन शो
विरासत से विकास

विश्ववन्द
भगवान श्रीकृष्ण की सांगीतिक यात्रा

सुगम संगीत
सुप्रतिष्ठित कलाकार जुबिन नौटियाल एवं साथी

आतिशबाजी

2 नवम्बर 2025

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य

सुगम संगीत
सुप्रतिष्ठित कलाकार हंसराज रघुवंशी एवं साथी

जनजातीय लोकनृत्य
अपराह्न 3:00 बजे से

3 नवम्बर 2025

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य

सुगम संगीत
सुप्रतिष्ठित कलाकार स्नेहा शंकर एवं साथी

जनजातीय लोकनृत्य
अपराह्न 3:00 बजे से

- शिल्प मेला
- संस्कृति, कला, सभ्यता और विकास पर आधारित प्रदर्शनियां
- देशज व्यंजन मेला 'स्वाद'

प्रतिदिन सायं 6:30 बजे से । लाल परेड ग्राउंड, भोपाल

मध्यप्रदेश की स्थापना के 70वें वर्ष पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

"विकास की नई ऊंचाइयां छूते हुए जन-जन की खुशहाली हमारा संकल्प है।"
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D11130/25

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

आज से शहर में हेलमेट जरूरी; वरना कार्यवाही होगी!!

नो हेलमेट,नो राइड अभियान : पुलिस ने शहरवासियों को किया जागरूक, पेट्रोल पंपों को दिए सख्त निर्देश

सिटी रिपोर्टर
पदमेश न्यूज,बालाघाट।

पुलिस विभाग द्वारा 1 नवंबर से नो हेलमेट,नो राइड अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने पहले ही शहर में यातायात नियमों के पालन को लेकर आमजन को जागरूक कर दिया है। साथ ही पेट्रोल पंप संचालकों को भी निर्देश दिए गए हैं कि बिना हेलमेट आने वाले वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं दिया जाए। इस संबंध में 31 अक्टूबर को ही शहर के कई पेट्रोल पंपों पर पुलिस ने प्रचार पोस्टर चस्पा किए। कुछ पेट्रोल पंप संचालकों ने बताया कि उन्हें अभी तक लिखित रूप से ऐसे निर्देश नहीं मिले हैं, हालांकि वे अभियान के समर्थन में हैं। शहर में जब हेलमेट की अनिवार्यता को लेकर आमजन से चर्चा की गई तो ज्यादातर लोगों ने हेलमेट पहनने को जरूरी और सुरक्षित कदम बताया। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि छोटे शहरों और गलियों में इस नियम को थोड़ा शिथिल रखा जाना चाहिए। पुलिस का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हर बार दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें।

शहर में 1 नवंबर से नो हेलमेट,नो राइड अभियान की शुरुआत की जा रही है। इसके लिए पुलिस विभाग बीते कई दिनों से लगातार सड़कों पर उतरकर आमजन को यातायात नियमों की जानकारी दे रहा था। स्वयं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने शहर की विभिन्न सड़कों पर उतरकर लोगों को हेलमेट की अनिवार्यता और इसके महत्व के बारे में बताया। शाम के समय पुलिस टीमों ने सिग्नल पॉइंट्स पर लोगों को यातायात नियमों का पालन कैसे किया जाए, इसकी भी जानकारी दी। अब 1 नवंबर से अभियान के तहत पुलिस चालानी कार्रवाई भी शुरू करेगी। इससे पहले, 31 अक्टूबर को पुलिस ने शहर के कई पेट्रोल पंपों में निर्देश जारी किए कि बिना हेलमेट के आने वाले वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। कुछ पेट्रोल पंप संचालकों ने बताया कि उन्हें यह निर्देश प्राप्त हो गए हैं, जबकि कुछ ने कहा कि अभी तक उन्हें लिखित सूचना नहीं मिली है। इसके बावजूद अधिकांश पेट्रोल पंप संचालकों ने कहा कि वे पुलिस के इस अभियान का पूर्ण समर्थन करते हैं। इस विषय पर जब आमजन से चर्चा की गई, तो लोगों के अलग-अलग तर्क सामने आए। कुछ लोगों ने कहा कि हेलमेट पहनना पूरी तरह आवश्यक है, लेकिन शहर में और घर से पास के छोटे मार्गों पर इस नियम को थोड़ा शिथिल किया जा सकता है। वहीं कुछ लोगों ने कहा कि हेलमेट तो ज़रूरी है ही, लेकिन सम्बन्धित विभाग को शहर की सड़कों की खराब स्थिति पर भी ध्यान देना चाहिए, क्योंकि गड्ढों और असमान सड़कों के कारण भी दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि यदि सड़कों की स्थिति बेहतर हो और लोग हेलमेट पहनें, तो दुर्घटनाएं काफी हद तक कम हो सकती हैं। इसी बीच, 31 अक्टूबर को शहर में हेलमेट की बिक्री में भी जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। शहर की विभिन्न हेलमेट की दुकानों पर भीड़ देखी गई और बड़ी संख्या में लोगों ने हेलमेट खरीदे। विक्रेताओं ने बताया कि 1 नवंबर से शुरू होने वाले अभियान के चलते लोगों में जागरूकता और खरीदारी दोनों बढ़ी हैं।

इस पर तर्क वितर्क :

1 नवंबर से शुरू होने वाले नो हेलमेट ,नो राइड अभियान को लेकर शहरवासियों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। जब इस प्रतिनिधि द्वारा शहर के कुछ दोपहिया वाहन चालकों से इस अभियान और हेलमेट की अनिवार्यता को लेकर चर्चा की गई, तो कई लोगों ने इसे जरूरी और सराहनीय कदम बताया, वहीं कुछ ने पुलिस विभाग की मंशा पर सवाल भी उठाए। वाहन चालक राकेश भंडारी ने बताया कि वे जब से गाड़ी चला रहे हैं, तभी से नियमित रूप से हेलमेट पहनते हैं। उन्होंने पुलिस के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि सभी को हेलमेट लगाना चाहिए, क्योंकि यह हमारी सुरक्षा के लिए आवश्यक है। हालांकि उन्होंने पुलिस विभाग पर एक गंभीर आरोप भी लगाया। राकेश ने कहा कि बीते दिनों पुलिस विभाग में लाखों रुपए के गबन का जो मामले सामने आए, उसे दबाने के लिए ही पुलिस अब यह हेलमेट अनिवार्यता अभियान चला रही है, ताकि पुराने मामलों से जनता का ध्यान हटाया जा सके। किशोर बघेल, जो लालबर्रा क्षेत्र के निवासी ने बताया कि हेलमेट पहनना पूरी तरह आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में उनके क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें यदि वाहन चालक ने हेलमेट पहना होता तो एक बड़ी त्रासदी टल सकती थी। उन्होंने कहा कि वे पहले से ही हेलमेट पहनते हैं और 1 नवंबर से शुरू होने वाले अभियान का पूरा समर्थन करते हैं। सूरज बर्वे ने भी इस अभियान को सही कदम बताया। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से सभी लोगों को हेलमेट पहनना चाहिए। हालांकि उन्होंने बताया कि उनके पास फिलहाल हेलमेट नहीं है, लेकिन वे आज ही हेलमेट खरीदेंगे और इसके बाद से नियमित रूप से पहनेंगे। जसवीर सिंह सोंधी ने कहा कि पुलिस का यह अभियान उचित है, परंतु उन्होंने कुछ व्यावहारिक समस्याओं की ओर भी इशारा किया। उनका कहना है कि छोटे शहरों में हेलमेट लगाकर चलने में सुनाई देने में परेशानी होती है, इसलिए पुलिस को इस नियम को लागू करने के साथ-साथ सड़कों की स्थिति पर भी ध्यान देना चाहिए। जसवीर ने यह भी सुझाव दिया कि पुलिस विभाग को यातायात नियमों के प्रति जागरूकता के लिए स्कूल-कॉलेजों और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से भी अभियान चलाना चाहिए, ताकि लोग नियमों को समझें और स्वेच्छा से पालन करें।

सख्ती से लागू होगा अभियान - सीएसपी

नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया कि 1 नवंबर से दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट पहनना पूर्णत: अनिवार्य कर दिया गया है। यह निर्णय वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश के तहत लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह नियम किसी को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि जनहित और सड़क सुरक्षा के लिए लागू किया जा रहा है। वैशाली सिंह ने बताया कि 31 अक्टूबर को सभी पेट्रोल पंपों को निर्देश जारी किए गए हैं कि बिना हेलमेट के आने वाले वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही 1 नवंबर से पुलिस टीम द्वारा वाहन चालकों के सभी आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह नियम सिर्फ आम जनता के लिए नहीं, बल्कि शासकीय विभागों के लिए भी समान रूप से लागू होगा। सभी अधिकारी और कर्मचारी कार्यालय आने-जाने के दौरान हेलमेट पहनें, इस पर भी जोर दिया जाएगा। इस पहल की शुरुआत पुलिस विभाग से की जाएगी , अगर कोई पुलिसकर्मी हेलमेट नहीं पहनेगा और यातायात नियमों का उल्लंघन करेगा, तो उस पर भी चालानी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य चालान करना नहीं, बल्कि लोगों की सोच और आदत में बदलाव लाना है।

शासकीय सेवा में होने के बाद भी निजी क्लीनिक संचालित करने का मामला

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.आशुतोष बांगरे एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. गीता बारमाटे की पेथालॉजी क्लीनिक सील की गई

पद्मेश न्यूज, बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर जिले में शासकीय सेवा में होने के बाद भी नियम विरूद्ध निज निवास पर पृथक से क्लीनिक संचालित करने वाले चिकित्सकों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में 31 अक्टूबर को शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.आशुतोष बांगरे एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.गीता बारमाटे की पेथालॉजी क्लीनिक सील कर दी गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप के निर्देश पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पंकज महाजन, नायब तहसीलदार श्रीमती मंजुलता महोबिया एवं सहायक सांख्यिकीय अधिकारी डॉ.श्रद्धा सिंह के दल द्वारा 31 अक्टूबर को थाना प्रभारी कोतवाली बालाघाट के सहयोग से भटेरा रोड़ पर अमृतलाल यादव के मकान में डॉ. आशुतोष बांगरे शिशु रोग विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय बालाघाट द्वारा संचालित नीजि क्लीनिक मातृ छाया चाईल्ड केयर क्लीनिक तथा डॉ.श्रीमती गीता बारमाटे स्त्री रोग विशेषज्ञ जिला चिकित्सालय बालाघाट द्वारा समता भवन रोड़, गौसिया मस्जिद के पास, बुढ़ी बालाघाट में संचालित सिटी पेथालॉजी लेब को सीलबंद किया गया ।

निरीक्षण दल को डॉ. आशुतोष बांगरे द्वारा निरीक्षण के दौरान बताया गया कि उनके द्वारा स्वयं के निवास हेतु किराये पर भवन लेकर उसके ग्राऊण्ड फ्लोर में शिशु रोग चिकित्सकीय परामर्श सेवाएं दी जाती है, किन्तु डॉ. आशुतोष बांगरे द्वारा किराया अनुबंध पत्र निरीक्षण दल को प्रस्तुत नहीं किया गया। साथ ही निरीक्षण दल द्वारा भवन के प्रथम तल, द्वितीय तल एवं तृतीय तल का भी निरीक्षण किये जाने पर किसी भी फ्लोर में डॉ.आशुतोष बांगरे के स्वयं अथवा परिवार के आवास होने का कोई प्रमाण नहीं मिलने के कारण उनके द्वारा संचालित मातृ छाया चाईल्ड केयर क्लीनिक को सीलबंद कर दिया गया है।

डॉ.श्रद्धा बारमाटे स्त्री रोग विषेषज्ञ के निज निवास परिसर का निरीक्षण करने पर उनके आवासीय भवन परिसर में सिटी पेथालॉजी लेब संचालित किया जाना पाया गया । पेथालॉजी लेब के लेटरहेड पर डॉ.श्रीमती गीता बारमाटे स्त्री रोगी विषेषज्ञ का नाम, योग्यता एवं पंजीयन क्रमांक अंकित पाया गया । पेथालॉजी लेब में लेब टेक्नीशियन ब्रज बिहारी ड़ोंगरे उपस्थित पाया गया, जिसकी योग्यता डी.एम.एल.टी.है, उसके द्वारा रोगियों के सेम्पल लेकर स्वयं ही परीक्षण कर हस्ताक्षर किये बिना ही परीक्षण रिपोर्ट दिया जाना बताया गया। इस पेथालॉजी क्लीनिक का मध्यप्रदेश उपचर्यागृह तथा रूजोपचार अधिनियम के अंतर्गत पंजीयन नहीं कराया गया है। पेथालॉजी लेब में उपलब्ध रोगियों के रजिस्टर को निरीक्षण दल द्वारा अपनी अभिरक्षा में लेते हुये अवैद्य रूप से संचालित पेथालॉजी क्लीनिक को भी सीलबंद कर दिया गया ।

इन दोनो चिकित्सकों द्वारा राज्य शासन के नियमों का उल्लंघन करने के साथ ही मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम के तहत दण्डनीय कृत्य किये जाने के कारण उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा जा रहा है।

सांदीपनी विद्यालय बालाघाट में होगा मप्र स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन

पद्मेश न्यूज, बालाघाट। 01 नवम्बर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह जिला मुख्यालय बालाघाट में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। 01 नवम्बर को सांदीपनी विद्यालय बालाघाट में स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही उद्यम व्यवसाय व स्वरोजगार पर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा। बालाघाट जिले के सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अमले के साथ प्रात- 10-30 बजे कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उद्योगपति, समाजसेवी, धर्मगुरू, उद्यम क्षेत्र में स्टार्टअप करने वाले उद्यमी, अशासकीय संस्था, मीडिया प्रतिनिधि, स्व-सहायता समूह की सदस्य महिलाओं, गणमान-?य नागरिकों एवं आमजनों को आमंत्रित किया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट